इंटरनेट पर देखें
www.dainikdawa.com

संस्कारधानी से प्रकाशित मध्यभारत व छत्तीसगढ़ अंचल का सर्वप्रसारित लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र

भारत सरकार व छत्तीसगढ़ शासन से विज्ञापन के लिए अधिकृत

दैनिक प्रातः संस्करण

"यो आत्मानं वेत्ति, सर्वं स वेत्ति"।।

दावा

सम्पादक - दीपक भाई बुद्धदेव

आर.एन.आई.नं. 58841/93
डाक पंजीयन छ.ग./दुर्ग/14/2024-26

वर्ष- 45 अंक - 239 राजनांदगांव, शुक्रवार 17 जुलाई 2026 पृष्ठ - 8 मूल्य - 4.00 रुपए

ईज ऑफ डूइंग बिजनेस विधेयक-2026 पारितः जोखिम आधारित परमिशन व्यवस्था लागू करने वाला पहला राज्य बनेगा छत्तीसगढ़

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ ने उद्योग और कारोबार को प्रोत्साहन देने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। छत्तीसगढ़ विधानसभा ने आज छत्तीसगढ़ ईज ऑफ डूइंग बिजनेस विधेयक, 2026 पारित कर दिया। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य बनने जा रहा है, जहां उद्योगों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए जोखिम आधारित (रिस्क बेस्ड) एवं विश्वास आधारित (ट्रस्ट बेस्ड) बिजनेस परमिशन सिस्टम लागू होगा।

व्यावसायिक वातावरण तैयार करना है विधेयक का उद्देश्य

इस विधेयक का उद्देश्य उद्योगों एवं कारोबार की स्थापना और संचालन संबंधी प्रक्रियाओं को सरल बनाना, अनावश्यक अनुपालनों को कम करना तथा विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए अधिक पारदर्शी, तेज और उद्यम-अनुकूल व्यावसायिक वातावरण तैयार करना है। विधेयक के तहत उद्योगों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का वर्गीकरण उनके आकार और गतिविधियों की प्रकृति के आधार पर विभिन्न जोखिम श्रेणियों में किया जाएगा। कम जोखिम वाले छोटे कारोबारों को सरल एवं त्वरित मंजूरी मिलेगी, जबकि अधिक जोखिम वाली परियोजनाओं के लिए आवश्यक तकनीकी परीक्षण और समयबद्ध स्वीकृति की व्यवस्था पूर्ववत जारी रहेगी। इससे छोटे कारोबारियों को बड़े उद्योगों जैसी जटिल प्रक्रियाओं से नहीं गुजरना पड़ेगा।

बार-बार के विभागीय निरीक्षणों से मिलेगी मुक्ति

नई व्यवस्था के अंतर्गत कम जोखिम वाले उद्यमों में बार-बार होने वाले विभागीय निरीक्षणों के स्थान पर सेल्फ सर्टिफिकेशन अथवा लाइसेंसधारी अभियंता, आर्किटेक्ट या अन्य अधिकृत पेशेवरों द्वारा प्रमाणन की सुविधा उपलब्ध होगी। इससे अनुमतियों की प्रक्रिया तेज, सरल और अधिक जवाबदेह बनेगी। विधेयक के तहत हर वर्ष लाइसेंस या अनुमति के नवीनीकरण की अनिवार्यता समाप्त कर जोखिम आधारित अनुमति प्रणाली लागू की जाएगी। इससे उद्यमियों को अनावश्यक औपचारिकताओं से राहत मिलेगी और वे अपने कारोबार के विस्तार एवं संचालन पर अधिक ध्यान दे सकेंगे।

विधेयक में राज्य के 8 विभागों की 43 सेवाएं शामिल

एमएसएमई इकाइयों के लिए जल प्रदाय संबंधी अनुमति स्व-घोषणा के आधार पर, सोसायटी अथवा फर्म का पंजीयन समयबद्ध प्रक्रिया से तथा भवन अनुज्ञा सेल्फ सर्टिफिकेशन अथवा अधिकृत विशेषज्ञ के प्रमाण-पत्र के आधार पर प्रदान की जा सकेगी। निर्धारित समय-सीमा में संबंधित विभाग द्वारा निर्णय नहीं लेने की स्थिति में पात्र मामलों में अनुमति स्वतः स्वीकृत (ऑटो अप्रूवल) मानी जाएगी। *(शेष पृष्ठ 6 पर...)*

पुरी रथ यात्रा में भारी भीड़ से भगदड़ जैसी स्थिति, दो की मौत, कई श्रद्धालु अस्पताल में भर्ती

पुरी। ओडिशा के पुरी में गुरुवार को विश्व प्रसिद्ध जगन्नाथ रथ यात्रा के दौरान भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। इस घटना में कई श्रद्धालु घायल हो गए। दो श्रद्धालु की मौत की भी खबर है।

जमा हुए हैं लाखों श्रद्धालु

यह घटना बड़ा डांडा (ग्रैंड रोड) पर हुई, जहां भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के रथ खींचने के कार्यक्रम को देखने के लिए लाखों श्रद्धालु जमा हुए थे।

बचाव अभियान शुरू किया गया

आपातकालीन बचाव दलों ने घायलों को तुरंत बाहर निकाला और पास के अस्पतालों में पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। जिला प्रशासन, पुलिस, दमकल विभाग और स्वास्थ्य कर्मियों ने तुरंत बचाव और भीड़ को नियंत्रित करने का अभियान शुरू किया, ताकि स्थिति सामान्य की जा सके। पुरी में घटनास्थल पर मौजूद एक श्रद्धालु ने बताया कि मरीचि कुंड चौक के पास या तो बाहरी घेरे की रस्सी की बैरिकेड गिर गई या कुछ लोग अपना संतुलन खो बैठे और सड़क पर गिर गए। उन्होंने बताया कि उन्होंने लगभग 40 से 50 लोगों को एक-दूसरे के ऊपर गिरते देखा, जिससे कई श्रद्धालु घायल हो गए और चार से पांच को गंभीर चोटें आई हैं। उन्होंने आगे बताया कि उन्होंने लगभग 20 लोगों को बचाया और उन्हें एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया, और अब उन्हें पता चला है कि एक बुजुर्ग व्यक्ति की मौत हो गई है। इसके अलावा, सूत्रों ने यह भी दावा किया कि गुरुवार को श्रद्धालुओं की अभूतपूर्व भीड़ और लगातार बारिश के बीच घुटन और विभिन्न चोटों की शिकायत करने वाले लगभग 200 मरीजों को अब तक पुरी के अस्पतालों और अस्थायी स्वास्थ्य सुविधाओं में भर्ती कराया गया है। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने इस घटना में हुई मौत पर गहरा दुख जताया। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिए कि घायलों को बेहतर *(शेष पृष्ठ 6 पर...)*

परिसीमन विधेयकः खरगे ने पीएम मोदी को लिखा पत्र, सर्वदलीय बैठक बुलाने की अपील की

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखा है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार सरकार परिसीमन से जुड़े एक नए संविधान संशोधन विधेयक को दोबारा पेश करने की योजना बना रही है। खरगे ने प्रधानमंत्री से इस संशोधित प्रस्ताव पर चर्चा के लिए एक सर्वदलीय बैठक बुलाने का आग्रह किया है। उन्होंने मांग की है कि संसद में इस विधेयक को पेश करने से पहले सभी विपक्षी दलों को इसके अध्ययन के लिए पर्याप्त समय दिया जाए।

पहले भी की गई थी बैठक की मांग

खरगे ने अपने पत्र में बताया कि उन्होंने मार्च और अप्रैल के दौरान संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू को भी पत्र लिखे थे। उन्होंने केंद्र सरकार से परिसीमन से जुड़े प्रस्तावों पर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने का अनुरोध किया था। हालांकि, सरकार ने इन अनुरोधों को स्वीकार नहीं किया। इसके बाद 17 अप्रैल 2026 को लोकसभा में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 आवश्यक दो-तिहाई बहुमत हासिल करने में विफल रहा था। यह विधेयक स्पष्ट अंतर से गिर गया था।

मानसून सत्र में नया विधेयक लाने की तैयारी

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि मीडिया रिपोर्टों से पता चला है कि केंद्र सरकार आगामी मानसून सत्र में संशोधित (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 को दोबारा पेश करने की तैयारी कर रही है। सरकार महिला आरक्षण *(शेष पृष्ठ 6 पर...)*

महादेव बेटिंग ऐप मामलाः टीवी होस्ट शेफाली बग्गा से ईडी की पूछताछ, अवैध सट्टेबाजी के प्रमोशन के आरोप

नई दिल्ली। महादेव ऑनलाइन बेटिंग ऐप मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने टीवी होस्ट शेफाली बग्गा से गुरुवार को कई घंटे तक पूछताछ की. शेफाली बग्गा से ये पूछताछ रायपुर जोनल ऑफिस में की गई. सूत्रों के मुताबिक, शेफाली बग्गा को पहले भी पूछताछ के लिए समन भेजा गया था, लेकिन वह जांच में शामिल नहीं हुई थीं. अब ईडी उनसे इस मामले में विस्तार से पूछताछ कर रही है. ईडी की जांच के मुताबिक, शेफाली बग्गा का नाम महादेव ऑनलाइन बेटिंग नेटवर्क से जुड़े कारोबारी खंजन जगदीश कुमार ठक्कर के साथ सामने आया है. जांच एजेंसी का दावा है कि खंजन ठक्कर भारत में

बेटिंग ऐप्स के संचालन और प्रमोशन से जुड़ा हुआ है, जबकि महादेव ऑनलाइन बुक से जुड़े हवाला लेनदेन का भी वह अहम ऑपरेटर है. एजेंसी का आरोप है कि विदेशों, खासकर दुबई और लंदन से संचालित किए जा रहे बेटिंग ऐप्स के प्रचार-प्रसार में शेफाली बग्गा की भूमिका रही है.

जांच के दौरान ईडी को ऐसे कई डिजिटल सबूत और प्रमोशनल पेज मिले हैं, जिनमें शेफाली बग्गा कथित तौर पर बेटिंग ऐप्स का प्रचार करती हुई दिखाई दे रही हैं. एजेंसी का दावा है कि वह सिर्फ इन ऐप्स का प्रचार ही नहीं करती थीं, बल्कि खिलाड़ियों को बेटिंग से जुड़े टिप्स भी देती थीं. ईडी का यह भी कहना है कि शेफाली बग्गा का एक टेलीग्राम चैनल है, जहां कथित तौर पर अवैध बेटिंग ऐप्स के प्रमोशन और बेटिंग से जुड़े टिप्स साझा किए जाते थे. ईडी अब इस बात की पड़ताल कर रही है कि इन गतिविधियों के बदले उन्हें कोई आर्थिक लाभ मिला था या नहीं और इस पूरे नेटवर्क में उनकी भूमिका क्या थी. सूत्रों के मुताबिक, इसी मामले में ईडी पहले विकास गर्ग को भी गिरफ्तार कर चुकी है. अब *(शेष पृष्ठ 6 पर...)*

9 किलो वजन घटा, पर नहीं घटी हिम्मत... जंतर-मंतर पर ढलती सेहत के साथ जंग लड़ रहे सोनम वांगचुक

नई दिल्ली। जंतर-मंतर पर सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल बृहस्पतिवार को 19वें दिन भी जारी रही। भूख हड़ताल से उनका वजन नौ किलो से अधिक कम हो गया।

चिकित्सकों ने आशंका जताई है कि भूखे रहने पर उनके अंगों पर बुरा असर पड़ना शुरू हो सकता है। इस बीच, उन्होंने वीडियो संदेश जारी कर लोगों से 20 जुलाई को काकरोच जनता पार्टी (सीजीपी) के प्रस्तावित संसद मार्च को मजबूत करने की अपील की है।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल व राज्यसभा सदस्य संजय सिंह, सपा सांसद डिंपल यादव व धर्मेंद्र यादव समेत, किसान नेता राकेश टिकैत समेत कई सांसद व विधायक तथा सामाजिक कार्यकर्ता समर्थन देने पहुंचे।

कोर्ट ने कहा कि हर नागरिक की जान कीमती

बता दें कि दिल्ली हाई कोर्ट ने गुरुवार को एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक की सेहत से जुड़ी एक याचिका पर सुनवाई की, जो जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल पर बैठे हैं। भूख हड़ताल पर चिंता जताते हुए कोर्ट ने कहा कि हर नागरिक की जान कीमती है और सरकार को उसकी सुरक्षा के लिए हर संभव कोशिश करनी चाहिए। सुनवाई के दौरान, केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि सोनम वांगचुक की रोज़ाना मेडिकल जांच होती है और उनकी सेहत के बारे में जानकारी नियमित रूप से दी जाती है।*(शेष पृष्ठ 6 पर...)*

गगनयान मिशन से जुड़े वैज्ञानिकों ने इसरो छोड़ाः 10 महीने में 100 इस्तीफे; केंद्रीय मंत्री बोले- लोग आते-जाते रहते हैं

बेंगलुरु। इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (इसरो) से पिछले 10 महीनों में 100 से ज्यादा वैज्ञानिकों और तकनीकी कर्मचारियों ने या तो इस्तीफा दे दिया है या स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले ली है। नौकरी छोड़ने वाले वैज्ञानिकों में गगनयान और दूसरे अहम मिशनों से जुड़े वैज्ञानिक भी शामिल हैं।

इसके बाद अंतरिक्ष विभाग ने 14 जुलाई को नया निर्देश जारी किए हैं। नौकरी छोड़ने की प्रक्रिया अब सख्त की जाएगी। इस मामले में केंद्रीय विज्ञान और तकनीकी राज्यमंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि इसरो में लोग आते-जाते रहते हैं। इस्तीफा देने वालों में वरिष्ठ वैज्ञानिक विक्टर जोसेफ टी भी शामिल हैं। वे LVM3 प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। यही लॉन्च व्हीकल गगनयान मिशन में इस्तेमाल किया जाएगा।

इस्तीफे पर अंतिम फैसला अंतरिक्ष विभाग करेगा

सरकारी निर्देश में कहा गया है कि इस्तीफों और VRS के मामलों में तेजी आने से गगनयान और दूसरे राष्ट्रीय महत्व के प्रोजेक्ट्स पर असर पड़ रहा है। नौकरी छोड़ने के आवेदनों पर अब अंतिम फैसला अंतरिक्ष विभाग करेगा। पहले इसरो केंद्रों के निदेशकों और प्रमुखों को इस्तीफे और VRS स्वीकार करने का अधिकार दिया गया था।

स्टार्टअप्स में जा रहे वैज्ञानिक

रिपोर्ट के मुताबिक, इसरो छोड़ने वाले कुछ वैज्ञानिक निजी अंतरिक्ष स्टार्टअप्स से जुड़ गए हैं। 2020 में केंद्र सरकार द्वारा अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने और 2023 में भारतीय अंतरिक्ष नीति लागू होने के बाद इस क्षेत्र में तेजी से स्टार्टअप्स बढ़े हैं। फिलहाल देश में 400 से ज्यादा पंजीकृत स्पेस स्टार्टअप हैं। इनमें करीब 500 मिलियन डॉलर का निवेश आया है। पिक्सेल, ध्रुवा स्पेस, स्काईरूट एयरोस्पेस, अग्निकुल कॉसमॉस और बेलाट्रिक्स एयरोस्पेस जैसी कंपनियां इस क्षेत्र में आगे हैं। इस बीच इसरो के पूर्व चेयरमैन डॉ. सोमनाथ एस, चेन्नई की स्पेस स्टार्टअप कंपनी अग्निकुल कॉसमॉस केबोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स में ऑब्जर्वर के तौर पर शामिल हुए हैं। सोमनाथ चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग और भारत की पहली सोलर ऑब्ज़र्वेटरी आदित्य-L1 की लॉन्च शामिल थे। इस्तीफों से इसरो को हाल के मिशनों में भी चुनौतियों का सामना करना *(शेष पृष्ठ 6 पर...)*

ममता बनर्जी को बड़ा झटकाः टीएमसी सांसद कोयल मलिक ने राज्यसभा से दिया इस्तीफा

कोलकाता। टीएमसी को एक और बड़ा झटका लगा है। अभिनेत्री से नेता बनीं कोयल मलिक ने राज्यसभा सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। वे ऐसा करने वाली चौथी टीएमसी सांसद हैं।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस के लिए मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। गुरुवार को अभिनेत्री से नेता बनीं कोयल मलिक ने राज्यसभा सांसद के पद से इस्तीफा दे दिया। पार्टी के भीतर चल रही आंतरिक उठापटक के बीच यह टीएमसी के लिए एक और बड़ा सियासी झटका माना जा रहा है।

कोयल मलिक ने राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन को अपना औपचारिक त्यागपत्र सौंपा। अपने पत्र में उन्होंने लिखा, मैं

भाजपा में शामिल होने की अटकलें तेज

एतद्वारा राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा देती हूं, जिसे तत्काल प्रभाव से स्वीकार किया जाए। मैं राज्यसभा सचिवालय के सभी पदाधिकारियों और माननीय उप सभापति का आभार व्यक्त करती हूं, जिन्होंने मेरे कार्यकाल के दौरान मुझे सहयोग प्रदान किया। कोयल मलिक के इस्तीफे के साथ ही वह राज्यसभा छोड़ने वाली टीएमसी की चौथी सांसद बन गई हैं। उनसे पहले सुष्मिता देव, सुखेंदु शेखर राय और प्रकाश चिक बड़ाईक भी उच्च सदन से इस्तीफा दे चुके हैं। सूत्रों के मुताबिक, अपने संक्षिप्त कार्यकाल के दौरान कोयल मलिक ने राज्यसभा की एक भी बैठक में हिस्सा नहीं लिया था। उन्होंने 6 अप्रैल को दिल्ली में राज्यसभा सांसद के रूप में शपथ ली थी। इस्तीफा देने के तुरंत बाद कोयल मलिक की केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव से मुलाकात ने राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं को जन्म दे दिया है। हालांकि, कोयल मलिक या भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से उनके किसी नई पार्टी में शामिल होने को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक बयान या पुष्टि नहीं की गई है।

पश्चिम एशिया संकट के बीच केंद्र सरकार का बड़ा कदम, होर्मुज मार्ग पर भारतीय नाविकों की तैनाती पर रोक

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी भारी भू-राजनीतिक तनाव और अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक मार्गों पर बढ़ते सैन्य खतरों के बीच भारत सरकार ने भारतीय नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक बड़ा नीतिगत निर्णय लिया है। नौवहन क्षेत्र की शीर्ष नियामक संस्था, महानिदेशालय समुद्री प्रशासन (डीजीएमए) ने एक आपातकालीन एडवाइजरी जारी करते हुए सभी जहाज मालिकों, जहाज प्रबंधन कंपनियों और चालक दल की भर्ती करने वाली एजेंसियों को सख्त निर्देश दिए हैं।

इन निर्देशों के तहत अगले आधिकारिक आदेश तक फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी को जोड़ने वाले सबसे संवेदनशील होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले किसी भी व्यावसायिक पोत या मालवाहक जहाज पर भारतीय नाविकों की तैनाती पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दी गई है। महानिदेशालय द्वारा जारी इस आधिकारिक सुरक्षा गाइडलाइन में फारस की खाड़ी, होर्मुज जलसंधि और उसके आसपास के पूरे प्रभावित समुद्री क्षेत्र में संचालित होने वाले सभी जहाजों के कप्तानों को बेहद सतर्क रहने को कहा गया है। डीजीएमए ने निर्देश दिया है कि जहाजों के संचालन के दौरान अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियों द्वारा जारी की जाने वाली तात्कालिक नेविगेशन चेतावनियों और सुरक्षा अपडेट पर चौबीसों घंटे पैनी नजर रखी जाए। इसके साथ ही, किसी भी संभावित आपातकालीन स्थिति या हमले से बचने के लिए अंतरराष्ट्रीय पोत एवं बंदरगाह सुरक्षा कोड के तहत निर्धारित सभी कड़े सुरक्षा मानकों और रक्षात्मक उपायों को तत्काल प्रभाव से पोतों पर लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। भारत सरकार का यह सख्त कदम हाल ही में खाड़ी क्षेत्र में एमटी अल बहियाह और एमटी मोम्बासा नाम के दो बड़े वाणिज्यिक जहाजों पर हुए घातक मिसाइल व ड्रोन हमलों की पृष्ठभूमि में आया है। इन दोनों प्रभावित जहाजों पर कुल 46 चालक दल के सदस्य सवार थे, जिनमें से 30 चालक दल के सदस्य भारतीय नागरिक थे। *(शेष पृष्ठ 6 पर...)*

वाहन खराब होने पर उपभोक्ता फोरम ने कंपनी को दिया ग्राहक को नई कार देने का आदेश

नई दिल्ली। देश में ग्रीन फ्यूल के तौर पर प्रमोट किए जा रहे ई-20 (20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रित) पेट्रोल को लेकर चल रही बड़ी बहस के बीच छत्तीसगढ़ से एक महत्वपूर्ण कानूनी फैसला सामने आया है। रायपुर जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (अतिरिक्त पीठ) ने वाहन निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड और उसके डीलर को एक ग्राहक की ग्रैंड विटारा स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड कार को बदलकर उसी मॉडल का नया ई-20-कंपैटिबल (अनुकूल) वाहन देने का कड़ा आदेश जारी किया है। उपभोक्ता आयोग ने इस मामले में कंपनी और डीलर दोनों को सेवा में कमी और अनुचित व्यापार व्यवहार का दोषी माना है। 14 जुलाई 2026 को आया यह ऐतिहासिक फैसला देश में इथेनॉल मिश्रित ईंधन के उपयोग और वाहन निर्माताओं द्वारा पारदर्शिता बरतने की अनिवार्यता पर एक बड़ा कानूनी संदेश देता है।

क्या है ई-20 ईंधन से जुड़ा यह पूरा विवाद?

यह मामला रायपुर के रहने वाले 41 वर्षीय किडनी रोग विशेषज्ञ (नेफ्रोलॉजिस्ट) डॉ. प्रेमराज देवता से जुड़ा है। डॉ. देवता ने 3 जून 2024 को मारुति सुजुकी की ग्रैंड विटारा स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड जेटा प्लस कार 18,29,000 रुपये में खरीदी थी। शिकायत के मुताबिक, कार खरीदने के समय उन्हें यह बिल्कुल नहीं बताया गया था कि यह गाड़ी व्यापक रूप से उपलब्ध ई-20 इथेनॉल-मिश्रित ईंधन के पूर्ण अनुकूल नहीं है। बाद में पता चला कि जो गाड़ी उन्हें नई बताकर जून 2024 में बेची गई थी, वह वास्तव में जनवरी 2023 में निर्मित की गई थी- यानी बिक्री से लगभग 17 महीने पहले।

कार करीब 21,913 किलोमीटर तक बिना किसी परेशानी के चली, लेकिन नवंबर 2024 में इसके डैशबोर्ड पर अचानक इंजन की खराबी का सिग्नल आ गया। इसके बाद बार-बार डीलर के वर्कशॉप जाने, फ्यूल टैंक साफ कराने और स्पेयर पार्ट्स बदलने के बाद भी कार लगातार खराब होती रही। थक-हारकर ग्राहक ने कंपनी और रायपुर के नेक्सा मैग्नेटो (स्काई ऑटो मोबाइल) डीलर के खिलाफ आयोग का दरवाजा खटखटाया। इस बीच, मार्च 2025 से ग्राहक को एक वैकल्पिक कार (लोनर वाहन) दी गई थी, जबकि उनकी अपनी गाड़ी डीलरशिप पर ही खड़ी रही। फोरम के समक्ष मारुति सुजुकी और डीलर ने शिकायत का कड़ा विरोध किया। उनके वकीलों ने दलील दी कि गाड़ी के *(शेष पृष्ठ 6 पर...)*

NEET UG 2026 का रिजल्ट घोषित, 11.21 लाख छात्र क्वालिफाई

नई दिल्ली। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) ने नीट-यूजी 2026 की री-एग्जाम के परिणाम और फाइनल आंसर की जारी कर दी है। घोषित की गई फाइनल आंसर की के अनुसार, एक प्रश्न को हटा दिया गया है। 20 लाख से अधिक उम्मीदवारों के लिए री-नीट यूजी 2026 के परिणाम आधिकारिक वेबसाइट neet.nta.nic.in पर उपलब्ध हैं।

लड़कियों ने मारी बाजी

स्कोरकार्ड कैसे चेक करें

21 जून की री-नीट यूजी 2026 परीक्षा में शामिल होने वाले उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपना स्कोरकार्ड चेक कर सकते हैं। परिणाम देखने के लिए उम्मीदवारों को अपने एप्लिकेशन नंबर और पासवर्ड का उपयोग करके पोर्टल पर लॉग इन करना होगा। इस बीच, एजेंसी ने 3 मई की परीक्षा के शुल्क रिफंड के लिए बैंक खाते का विवरण जमा करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई तक बढ़ा दी है। 3 मई की परीक्षा में शामिल होने वाले उम्मीदवार परीक्षा शुल्क वापस पाने के लिए NTA द्वारा उपलब्ध कराई गई ऑनलाइन सुविधा के माध्यम से अपने बैंक खाते का विवरण *(शेष पृष्ठ 6 पर...)*

राम मंदिर चंदा चोरी : आस्था के नाम पर राजनीति कर रही भाजपा, कांग्रेस ने की तीखी खिंचाई

रायपुर महापौर प्रमोद दुबे की राजनांदगांव में प्रेसवार्ता, आरोप- 14 हजार करोड़ के चंदे का नहीं मिला हिसाब, चढ़ावे में भी हुई हेराफेरी

भगवान राम के नाम पर जुटाया गया चंदा और चढ़ावा आखिर किसके संरक्षण में लूटा गया

राजनांदगांव (दावा)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर रायपुर के महापौर प्रमोद दुबे ने स्थानीय प्रेस क्लब में एक महत्वपूर्ण पत्रकार वार्ता को संबोधित किया। प्रेसवार्ता में उन्होंने केंद्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम करोड़ों भारतीयों की आस्था, संस्कृति और नैतिक चेतना के प्रतीक हैं। देश के कोने-कोने से गरीब, किसान, मजदूर और महिलाओं ने अपनी गाढ़ी कमाई व बचत से राम मंदिर निर्माण के लिए चंदा दिया। लेकिन भाजपा, आरएसएस और विश्व हिंदू परिषद ने तीन दशकों तक राम के नाम पर केवल राजनीति की। सत्ता हासिल की और आज वही रामभक्त यह पूछने को मजबूर हैं कि भगवान राम के नाम पर जुटाया गया चंदा और चढ़ावा आखिर किसके संरक्षण में लूटा गया? यह केवल आर्थिक घोटाला नहीं, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं के साथ घोर विश्वासघात है। पूर्व महापौर प्रमोद दुबे ने संगीन आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा राम द्रोही है। जिसने पहले चंदे में हेराफेरी करवाई और अब चढ़ावे में चोरी हो रही है। राम मंदिर निर्माण के समय रामशिला पूजन के नाम पर जो 14,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि एकत्रित की गई थी। उसका जवाब आज तक आरएसएस और भाजपा के लोग नहीं दे पाए हैं। उनके ही सहयोगी नेताओं ने पूर्व में चंदे में गड़बड़ी के आरोप लगाए थे। चूंकि राम मंदिर न्यास ट्रस्ट का गठन केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की देखरेख में किया गया था, इसलिए इस पूरे कथित घोटाले की नैतिक जिम्मेदारी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की बनती है।

फॉरेंसिक ऑडिट कर रिपोर्ट सार्वजनिक करे सरकार

श्री दुबे ने कांग्रेस की ओर से मांग उठाई कि राम मंदिर के लिए अब तक प्राप्त समस्त चंदे, चढ़ावे, भूमि खरीदी और सभी खर्चों का एक स्वतंत्र फॉरेंसिक ऑडिट कराया जाना चाहिए और उसकी विस्तृत रिपोर्ट को देश की जनता के सामने सार्वजनिक किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भगवान राम किसी एक राजनीतिक दल की बपौती या संपत्ति नहीं हैं। उनके नाम पर जुटाए गए धन की कथित लूट पर पर्दा डालने की हर कोशिश देश की धार्मिक चेतना का अपमान है। आस्था पर डाका डालने वालों को बचाने के बजाय उन्हें बेनकाब कर कानून के कठघरे में खड़ा करने की जरूरत है। इस हाई-प्रोफाइल पत्रकार वार्ता के दौरान मंच पर शहर कांग्रेस अध्यक्ष जितेन्द्र मुदलियार, जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष विपिन यादव, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता श्रीकिसन खंडेलवाल, कुतुबुद्दीन सोलंकी, मेहुल मारु तथा कांग्रेस नेत्री विभा साहू, अशोक फडनवीस, अनीश खान सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कांग्रेस के केंद्र सरकार से 3 बड़े सवाल

जब राम मंदिर ट्रस्ट का गठन प्रधानमंत्री की देखरेख में हुआ, तो इस घोटाले की अंतिम जवाबदेही कौन लेगा? अगर ट्रस्ट में सब कुछ ठीक था, तो चंपत राय और अनिल मिश्रा जैसे जिम्मेदार पदाधिकारियों के इस्तीफे क्यों हुए? अगर कुछ भी गलत नहीं हुआ है, तो सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच कराने से केंद्र सरकार को डर किस बात का है?

ट्रस्ट के भीतर अंतर्विरोध उजागर

प्रेसवार्ता में दावा किया गया कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के तत्कालीन महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्र के इस्तीफे स्वीकार होना यह साबित करता है कि मामला बड़ा है। ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी के सार्वजनिक बयान और विशिष्ट आमंत्रित सदस्य गोपाल राव (गोपाल नगरकोटे) को हटाए जाने को लेकर भी ट्रस्ट के भीतर गहरा विरोधाभास सामने आया है।

पहला कॉलम...

युगांतर पब्लिक स्कूल के प्राइमरी के बच्चों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

राजनांदगांव (दावा)। युगांतर पब्लिक स्कूल के प्राइमरी के विद्यार्थियों ने शैक्षणिक भ्रमण करके महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। कक्षा पहली और दूसरी के विद्यार्थियों ने एमीकस कैफे का शैक्षणिक भ्रमण करके केक बनाने की प्रकिया सीखी। कक्षा तीसरी से पांचवी तक के विद्यार्थियों ने सनटेक जिओ टेक्सटाइल प्राइवेट लिमिटेड राजनांदगांव का शैक्षणिक भ्रमण किया। उन्होंने वहां वस्त्र निर्माण की प्रक्रिया को भलीभांति समझा। यह आयोजन प्राचार्य मधुसूदन नायर के मार्गदर्शन में हेड मिस्ट्रेस विनीता तिलवानी ने प्राइमरी विभाग के शिक्षक-शिक्षिकाओं के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न किया। विद्यालय की प्रबंध समिति ने आयोजन की सफलता पर हर्ष प्रकट किया है।

महतारी वंदन योजना से लाभान्वित हो रही श्रीमती मीना बाई

राजनांदगांव (दावा)। महतारी वंदन योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में प्रभावी साबित हो रही है। राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम बांटगांव निवासी श्रीमती मीना बाई यादव इस योजना से लाभान्वित होकर अपने परिवार की आवश्यकताओं को आसानी से पूरा कर रही हैं। श्रीमती मीना बाई यादव ने बताया कि उन्हें महतारी वंदन योजना के तहत नियमित रूप से राशि प्राप्त हो रही है। योजना की शुरूआत में मिलने वाली यह सहायता उनके लिए बड़ी राहत बनी और अब यह राशि परिवार के मासिक खर्चों में महत्वपूर्ण सहयोग दे रही है। वे इस राशि का उपयोग अपने बच्चों की पढ़ाई-लिखाई के लिए कॉपी, किताब एवं अन्य शैक्षणिक सामग्री खरीदने के साथ-साथ घरेलू आवश्यकताओं की पूर्ति में करती हैं।

काशीनाथ चकोले का निधन

राजनांदगांव (दावा)। शासकीय प्रादेशिक मुद्रणालय के सेवानिवृत्त एकाउन्टेंट एवं महाराष्ट्रीय तेली समाज राजनांदगांव के पूर्व कोषाध्यक्ष व पूर्व पार्षद जगन चकोले के ज्येष्ठ भ्राता काशीनाथ चकोले का 16 जुलाई की रात्रि 8 बजे 90 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। उनकी अंतिम यात्रा आज 17 जुलाई को दोपहर 3 बजे जगन चकोले के निवास स्थान ममता नगर (अंडरब्रिज के पहले) से निकलकर पूर्व निवास स्थान रामाधीन मार्ग होते हुए लखोली मुक्तिधाम पहुंचेगी।

रामरतन सिन्हा का निधन

राजनांदगांव (दावा)। शहर के वरिष्ठ नागरिक एवं सेवानिवृत्त इंजीनियर स्व. रामरतन सिन्हा का आज आकस्मिक निधन हो गया। वे शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष एवं वार्ड पार्षद रवि सिन्हा के पिताश्री थे। स्व. रामरतन सिन्हा अपने पीछे पुत्र राकेश सिन्हा, पुत्र रवि सिन्हा, दो पुत्रियों सहित भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं। अंतिम यात्रा 16 जुलाई को लखोली मुक्तिधाम की गई।

पेंशनर्स एसोसिएशन ने किया नवागंतुक मुख्य अभियंता एच.के. मेश्राम का आत्मीय स्वागत

पेंशनभोगियों ने श्रम कल्याण भवन व सर्वसुविधायुक्त केंद्र उपलब्ध कराने की उठाई मांग

राजनांदगांव (दावा)। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल पेंशनर्स एसोसिएशन राजनांदगांव के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने पारीनाला स्थित प्रशासनिक भवन में एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान संगठन के सदस्यों ने विद्युत मंडल के नवागंतुक मुख्य अभियंता (चीफ इंजीनियर) एच. के. मेश्राम का पुष्पगुच्छ भेंटकर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया।

स्वागत कार्यक्रम के बाद एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने मुख्य अभियंता महोदय के साथ एक अनौपचारिक बैठक की। बैठक में संगठन की विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों की जानकारी देने के साथ ही पेंशनर्स को आ रही विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया गया। एसोसिएशन ने उनके शीघ्र व समयबद्ध निराकरण हेतु मुख्य अभियंता से सकारात्मक सहयोग एवं मार्गदर्शन की अपेक्षा की। इस अवसर पर संगठन द्वारा एक महत्वपूर्ण मांग पत्र भी सौंपा गया, जिसमें विद्युत विभाग के क्षेत्रीय मुख्यालय राजनांदगांव में कार्यरत कर्मचारियों और सेवानिवृत्त पेंशनर्स की सुविधा के लिए एक सर्वसुविधायुक्त श्रम कल्याण केंद्र तथा श्रम कल्याण भवन उपलब्ध कराने का आग्रह किया गया।

एसोसिएशन की बातों को गंभीरता से सुनते हुए नवागंतुक मुख्य अभियंता एच. के. मेश्राम ने वरिष्ठ पेंशनर्स की समस्याओं के त्वरित निराकरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने आश्वस्त किया कि पेंशनभोगियों और कर्मचारियों के हित में विभाग द्वारा हर संभव सहायता और आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। इस गरिमामय स्वागत कार्यक्रम के दौरान एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष तुलसी राम साहू, सचिव वीरेंद्र श्रीवास्तव, प्रचार सचिव आर.आर. गायकवाड सहित बड़ी संख्या में विद्युत मंडल के सेवानिवृत्त पदाधिकारी, कर्मचारी एवं एसोसिएशन के सदस्य उपस्थित थे।

हत्या के प्रयास के दो आरोपी 24 घंटे के भीतर पुलिस की गिरफ्त में, भेजे गए जेल

डोंगरगांव (दावा)। स्थानीय पुलिस ने थाना क्षेत्र के ग्राम कुमर्दा में हुए जानलेवा हमले के मामले में मुस्तैदी दिखाते हुए 24 घंटे के भीतर दो नामजद आरोपियों को धर दबोचा है। पकड़े गए दोनों आरोपी रिश्ते में पिता-पुत्र हैं। जिन्होंने पुरानी रंजिश को लेकर एक ग्रामीण पर जानलेवा हमला किया था। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल हंसिया और बांस का डंडा बरामद कर लिया है। गुरुवार को दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया। जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है। इसी कड़ी में 15 जुलाई को राजनांदगांव कंट्रोल रूम से सूचना मिली कि मारपीट में गंभीर रूप से घायल देवानंद उर्फ देवा कोलियारे को इलाज के लिए शासकीय मेडिकल कॉलेज अस्पताल (पेंड्री राजनांदगांव) में भर्ती कराया गया है। डोंगरगांव पुलिस की टीम तत्काल पेंड्री अस्पताल रवाना हुई। जहां डॉक्टरों की उपस्थिति में घायल देवानंद का मृत्यु पूर्व कथन (डाइंग डिक्लेरेशन) दर्ज किया गया।

घायल देवानंद ने अपने बयान में बताया कि 14 जुलाई की रात लगभग 8.30 से 9 बजे के बीच पुरानी रंजिश और गाली-गलौज कर दरवाजा ठोकने की बात को लेकर विवाद हुआ था। इसी बात पर ग्राम कुमर्दा निवासी ग्यारूस राम कोलियारे (58 वर्ष) और उसके पुत्र पूरन कोलियारे (23 वर्ष) ने उस पर हंसिया व डंडे से ताबड़तोड़ प्राणघातक हमला कर दिया। हमले में देवानंद को गंभीर चोटें आईं और आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी थी। घायल के कथन के आधार पर थाना डोंगरगांव में आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 229/2026, धारा 351(2), 115(2), 109(1), 3(5) बीएनएस (भारतीय न्याय संहिता) के तहत मामला दर्ज किया गया। विवेचना के दौरान पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को हिरासत में लिया। भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 की धारा 23(2) के तहत आरोपियों का मेमोरेंडम कथन लिया गया। जिसके आधार पर वारदात में प्रयुक्त हंसिया व बांस का डंडा विधिवत जब्त किया गया। मामला गैर-जमानती होने के कारण दोनों को ज्यूडिशियल रिमांड पर जेल भेजा गया।

जिले में एक दिन में आयोजित हुई 100 से अधिक प्रधानमंत्री सूर्य घर सभाएं

राजनांदगांव (दावा)। कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार आज जिले में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं जनजागरूकता के उद्देश्य से एक ही दिन में 100 से अधिक प्रधानमंत्री सूर्य सभाओं का आयोजन किया गया। जिले के सभी जनपद पंचायतों की विभिन्न ग्राम पंचायतों तथा नगरीय निकायों में आयोजित इन सभाओं में नागरिकों को योजना के लाभ, सोलर रूफटॉप स्थापना की प्रक्रिया, प्राप्त होने वाली सब्सिडी तथा बिजली बिल में होने वाली बचत के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई।

जिले में अब तक 4 हजार से अधिक हितग्राहियों के घरों में सोलर पैनल स्थापित किए जा चुके हैं। जिससे वे ऊर्जा उत्पादक बनने के साथ अतिरिक्त बिजली उत्पादन से आर्थिक लाभ भी प्राप्त कर रहे हैं। प्रधानमंत्री सूर्य घर सभाओं में विद्युत विभाग, विभिन्न बैंकों तथा अधिकृत वेंडर्स के प्रतिनिधियों ने योजना से संबंधित पात्रता, आवेदन प्रक्रिया, वित्तीय सहायता, ऋण सुविधा एवं तकनीकी पहलुओं की जानकारी देते हुए उपस्थित नागरिकों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। इस दौरान अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों से योजना का लाभ उठाने की अपील भी की गई। उल्लेखनीय है कि जिले में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं अधिकाधिक लोगों को योजना से जोड़ने के लिए विशेष जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

शुभांक

बी. के.
2-6-8
अनुमति 680-4 258-5
राजधानी
3-5-7
379-9 136-0

चेतावनी:- इस पत्र में प्रकाशित सर्वत्र शुभ राशियां ज्योतिष एवं ग्रह नक्षत्र के आधार पर धारणा मात्र है। इसका सट्टे आदि से कोई संबंध नहीं है, दुरूपयोग न करें। दुरूपयोग करने पर प्रकाशक की कोई जवाबदारी नहीं होगी। -सम्पादक

ईश्तहार

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मै आवेदक भीष्मदेव पिता-श्यामसाय जाति- गोंड निवासी ग्राम-मुगेशीटोला मकान नं.42 वार्ड नं. 12 तह. अं. चौकी, जिला-मोहला मानपुर अं. चौकी (छ. ग.) पिन नं. 491665 का निवासी हूं। जो कि मेरे नाम से ग्राम गोटुलमुण्डा तह.अं. चौकी प.ह.नं. 26 रा.नि.मं. कौड़ीकसा जिला-मोहला मानपुर अं.चौकी छ.ग. में स्वामी हक की कृषि भूमि स्थित है। उक्त भूमि में नाम के स्थान पर भीखमसाय पिता-सामसाय अंकित है, उक्त नाम तथा मेरे पिता का नाम भी गलत है। परन्तु मेरे स्वयं के नाम से जारी आधार कार्ड व अन्य कागजातों में नाम के स्थान पर भीष्मदेव आ. श्यामसाय BHISMADEV S/O SYAMSAY अंकित है। उक्त नाम सही हैं। इसलिये राजस्व रिकार्ड में भीखमसाय पिता-सामसाय अंकित है। उसे सुधार करवाकर भीष्मदेव आ. श्यामसाय BHISMADEV S/O SYAMSAY अंकित कराना चाहता हूं। इस ईश्तहार के संबंध में किसी भी शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था व किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार एवं ईश्तहार दावा आपत्ति होगी तो मय दस्तावेज के साथ मेरे समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं अतएव ईश्तहार प्रस्तुत हैं। जो जरूरत वक्त पर काम आवें।

स्थान:-अं. चौकी, दिनांक:-16/07/2026

आवेदक
भीष्मदेव
कास्तकार ग्राम - मुगेशीटोला
तह. अं.चौकी, जिला- मो.मा.अं.चौकी

ईश्तहार

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मै आवेदक लक्ष्मण सिंह हारमे पिता-चम्पा राम जाति-गोंड़ निवासी ग्राम-तिरपेमेटा मकान नं.12 वार्ड नं. 01, तह. अं.चौकी जिला-मोहला मानपुर अं. चौकी (छ. ग.)। पिन नं. 491668 का निवासी हूं। जो कि मेरे स्वयं के नाम से भारत सरकार द्वारा आधार कार्ड जारी किया गया है। जिसमें नाम के स्थान पर Lakshman Singh Harme अंकित है, उक्त नाम गलत है। परन्तु मेरे स्वयं के नाम से जारी अंक-सूची व अन्य कागजातों में नाम के स्थान पर लक्ष्मण सिंह हारमे LAXMAN SINGH HARME अंकित है। उक्त नाम सही हैं। इसलिये आधार कार्ड में Lakshman Singh Harme अंकित है। उसे सुधार करवाकर Laxman Singh Harme अंकित कराना चाहता हूं। इस ईश्तहार के संबंध में किसी भी शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था व किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार एवं ईश्तहार दावा आपत्ति होगी तो मय दस्तावेज के साथ मेरे समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं अतएव ईश्तहार प्रस्तुत हैं। जो जरूरत वक्त पर काम आवें।

स्थान:-अं.चौकी, दिनांक:-16/07/2026

आवेदक
लक्ष्मण सिंह हारमे
निवासी ग्राम- तिरपेमेटा
तह. अं.चौकी, जिला- मो.मा.अं.चौकी

ईश्तहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै आवेदक दिगम्बर मंडावी पिता-श्याम साय मंडावी जाति- गोंड निवासी ग्राम-मुगेशीटोला मकान नं.12 वार्ड नं. 12 तह.-अं.चौकी, जिला-मोहला मानपुर अं.चौकी (छ.ग.) पिन नं. 491665 का निवासी हूं। जो कि मेरे नाम से ग्राम गोटुलमुण्डा तह. अं.चौकी प.ह.नं. 26 रा.नि.मं. कौड़ीकसा जिला-मोहला मानपुर अं.चौकी छ.ग. में स्वामी हक की कृषि भूमि स्थित है। उक्त भूमि में नाम के स्थान पर दिगम्बर प्रसाद आ. सामसाय अंकित है, उक्त नाम तथा मेरे पिता का नाम भी गलत है। परन्तु मेरे स्वयं के नाम से जारी आधार कार्ड व अन्य कागजातों में नाम के स्थान पर दिगम्बर मंडावी आ.श्याम साय DIGAMBAR MANDAVI S/O SHYAM SAY MANDAVI अंकित है। उक्त नाम सही हैं। इसलिये राजस्व रिकार्ड में दिगम्बर प्रसाद आ. सामसाय अंकित है। उसे सुधार करवाकर दिगम्बर मंडावी आ. श्याम साय DIGAMBAR MANDAVI S/O SHYAM SAY MANDAVI अंकित कराना चाहता हूं। इस ईश्तहार के संबंध में किसी भी शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था व किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार एवं ईश्तहार दावा आपत्ति होगी तो मय दस्तावेज के साथ मेरे समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं अतएव ईश्तहार प्रस्तुत हैं। जो जरूरत वक्त पर काम आवें।

स्थान:-अं. चौकी, दिनांक:- 16/07/2026

आवेदक
दिगम्बर मंडावी
कास्तकार ग्राम- मुगेशीटोला तह. अं.चौकी जिला- मो.मा.अं.चौकी

ईश्तहार

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मै आवेदक जगदीश मंडावी पिता-श्यामसाय मंडावी जाति- गोंड निवासी ग्राम-मुगेशीटोला मकान नं.56 वार्ड नं. 12 तह.अं.चौकी जिला-मोहला मानपुर अं. चौकी (छ.ग.) पिन नं. 491665 का निवासी हूं। जो कि मेरे नाम से ग्राम गोटुलमुण्डा तह.अं.चौकी प.ह.नं. 26 रा.नि.मं. कौड़ीकसा जिला-मोहला मानपुर अं.चौकी छ.ग. में स्वामी हक की कृषि भूमि स्थित है। उक्त भूमि में नाम के स्थान पर नगदीशलाल पिता-सामसाय अंकित है, उक्त नाम तथा मेरे पिता का नाम भी गलत है। परन्तु मेरे स्वयं के नाम से जारी आधार कार्ड व अन्य कागजातों में नाम के स्थान पर जगदीश मंडावी आ. श्यामसाय मंडावी JAGDISH MANDAVI S/o SYAMSAY MANDAVI अंकित है। उक्त नाम सही हैं। इसलिये राजस्व रिकार्ड में नगदीशलाल पिता-सामसाय अंकित है। उसे सुधार करवाकर जगदीश मंडावी आ. श्यामसाय मंडावी JAGDISH MANDAVI S/o SYAMSAY MANDAVI अंकित कराना चाहता हूं। इस ईश्तहार के संबंध में किसी भी शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था व किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार एवं ईश्तहार दावा आपत्ति होगी तो मय दस्तावेज के साथ मेरे समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं अतएव ईश्तहार प्रस्तुत हैं। जो जरूरत वक्त पर काम आवें।

स्थान:-अं. चौकी, दिनांक:- 16/07/2026

आवेदक
जगदीश मंडावी
कास्तकार ग्राम - मुगेशीटोला
तह. अं.चौकी जिला- मो.मा.अं.चौकी

सार्वजनिक सूचना/ईश्तहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम चिखली प.ह.नं. 39 रा.नि.मं. तह. व जिला राजनांदगांव (छ.ग.) खसरा नंबर 101/5, रकबा 0.03 डिसमिल (0.012 हेक्टेयर) भूमि जो कि शेख वफीद पिता अब्दुल शरीफ, पता- शांति नगर, वार्ड क्रमांक 10, राजनांदगांव के नाम पर दर्ज है, विक्रय हेतु प्रस्तावित है।

घोषणा:- यदि इस भूमि पर किसी भी व्यक्ति, संस्था अथवा बैंक का कोई दावा, आपत्ति या अधिकार हो तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि 7 दिनों के भीतर लिखित रूप में प्रस्तुत करें।

भूमि का विवरण:- ग्राम चिखली, खसरा नं. 101/5, रकबा 0.03 डिसमिल (0.012 हेक्टेयर), स्वामीः शेख वफीद पिता अब्दुल शरीफ, पता- शांति नगर, वार्ड क्रमांक 10, राजनांदगांव।

नोटः यह सूचना केवल विक्रय उद्देश्य से प्रकाशित की जा रही है।

संपर्क विवरण
शेख वफीद
पता- शांति नगर, वार्ड क्रमांक 10, राजनांदगांव मोबा.-81037-05246

कार्यालय कलेक्टर जिला खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई (छ.ग.)

E-mail-collector-kcg@cg.gov.in phone-No. 0782029950

-:: सार्वजनिक सूचना सूचना ::-

क्रमांक/4565/ भू-अर्जन/भूकनी/2026 खैरागढ़, दिनांक 14/07/2026

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आपसी सहमति से भूमि क्रय नीति,2016 के तहत कामठा फीडर के अंतर्गत मुख्य नहर एवं डुबान में अधिग्रहित भूमि ग्राम-कामठा, प.ह.नं.-42 रा.नि.मं.-अतरिया, तहसील- छुईखदान, जिला खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई (छ.ग.)के निम्नलिखित भू-धारकों की भूमि की आवश्यकता होने के कारण कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग, छुईखदान के पक्ष में क्रय किए जाने पर विचार किया जा रहा है:-

क्र.	भू-धारक का नाम	खसरा नंबर	कुल रकबा (हे. में.)	क्रय हेतु प्रस्तावित रकबा (हे. में)	भूमि का किस्म
1	2	3	4	5	6
1	प्रतीक पिता कमलाकांत जाति-लोधी	409/4	3.059	0.405	मुख्य मार्ग
2	दीनबती पिता लल्लाराम जाति-लोधी	52/13	0.478	0.263	मुख्य मार्ग
3	लक्ष्मीकांत, सूर्यकांत, राकेश, निर्मला, उर्मिला, सुशीला पिता खेमराज जाति-लोधी	409/3	0.425	0.425	मुख्य मार्ग
		427/1	4.051	0.202	सिंचित
	योग	2	4.476	0.627	
4	लक्ष्मीकांत पिता खेमराज जाति-लोधी	51/1	1.076	0.405	सिंचित
5	सूर्यकांत पिता खेमराज जाति-लोधी	51/2	1.485	0.202	सिंचित
6	रोहित कुमार, शिवकुमार, सतरूपा पिता गिरधारी जाति- धोबी	456	0.194	0.194	असिंचित
7	मानसिंह पिता चेतन जाति-लोधी	457/3	0.320	0.320	असिंचित
8	विजय कुमार पिता चन्द्रकांत जाति-लोधी	409/2	1.101	0.894	मुख्य मार्ग
9	अनंदीलाल, कन्हैयालाल पिता चोवाराम जाति-कलार	454/2	0.756	0.137	असिंचित
10	तरूण, गुलशन पिता भगवती, कान्ताबाई बेवा पति भगवती जाति-लोधी	443/3	0.101	0.101	असिंचित
11	शत्रुहन पिता मोतीराम जाति-लोधी	443/1	0.494	0.405	असिंचित
12	तुकाराम पिता शत्रुहन जाति-लोधी	442	0.235	0.235	असिंचित
		441/1	0.093	0.093	असिंचित
		441/2	0.097	0.097	असिंचित
	योग	3	0.425	0.425	
13	लखनलाल पिता कलाराम जाति-लोधी	441/3	0.093	0.093	असिंचित
14	केशोराम पिता थानू जाति-केवट	439/1	0.182	0.182	असिंचित
		439/2	0.186	0.186	असिंचित
	योग	2	0.368	0.367	
15	घनश्याम वर्मा, नन्दकुमार वर्मा, चन्द्रप्रभा वर्मा पिता बीजुराम जाति-लोधी	437/2	0.057	0.057	असिंचित
16	गोरख पिता लखन जाति- लोधी	437/3	0.057	0.057	असिंचित
	योग	20	14.540	4.953	

उपरोक्त दर्शित भूमि के स्वत्व के विषय में किसी को कोई आपत्ति हो, तो वह समाचार-पत्र में प्रकाशित तिथि से 15 (पन्द्रह) दिवस के भीतर स्वतः अथवा अधिकृत अभिकर्ता के माध्यम से आधार सहित मेरे समक्ष लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। (कलेक्टर महोदय द्वारा अनुमोदित)

अपर कलेक्टर
जिला- खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई (छ.ग.)

जी- 262702163/2

रॉयल किड्स कॉन्वेंट के राम दरबार मंदिर से निकली भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा, बच्चें ने लगाये जयकारे....

राजनांदगांव (दावा)। उच्च गुणवत्तायुक्त शिक्षण संस्थान रॉयल किड्स कॉन्वेंट में आस्था, उल्लास और भक्ति के रंग से सराबोर होकर रथयात्रा के पावन पर्व पर एक भव्य आयोजन किया गया। शाला परिसर में स्थापित राम दरबार मंदिर से भगवान जगन्नाथ की पवित्र रथयात्रा धूमधाम से निकाली गई। यात्रा की शुरुआत सबसे पहले वैदिक विधि-विधान से पूजा-अर्चना, महाआरती और छेरपहरा की रस्म के साथ हुई। इस पावन अवसर पर शाला के प्रशासक संजय बहादुर सिंह और श्रीमती मनीषा सिंह विशेष रूप से मंदिर पहुंचे। उन्होंने भगवान जगन्नाथ, भ्राता बलभद्र और बहन सुभद्रा की पूजा-अर्चना की और महाआरती में शामिल होकर क्षेत्र की सुख-समृद्धि व खुशहाली की कामना की। उनके साथ शाला के एकेडमिक डायरेक्टर श्री अभिषेक खंडेलवाल, बर्सर आई.के. वैष्णव, प्राचार्या श्रीमती एकता खंडेलवाल, उप-प्राचार्या श्रीमती ममता मिश्रा, एचएम सरिता सिंह, कल्चरल इंचार्ज श्रीमती अपर्णा वर्मा सहित समस्त शिक्षकों और विद्यार्थियों ने भगवान के दर्शन कर आशीर्वाद लिया।

लालबाग के मार्गों पर उमड़ा जनसैलाब, बच्चों का उत्साह रहा आकर्षण

पूजा के उपरांत महाप्रभु की रथयात्रा मंदिर परिसर से शुरू होकर लालबाग के मुख्य मार्गों से गुजरी। इस यात्रा में बड़ी संख्या में स्थानीय श्रद्धालु शामिल हुए। यात्रा का सबसे आकर्षक हिस्सा स्कूल के छोटे-छोटे बच्चे रहे, जो हाथों में धार्मिक ध्वज और फूल लेकर जय जगन्नाथ, जय बलभद्र, जय सुभद्रा के गगनभेदी जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। बच्चों के इस अद्वितीय उत्साह और उमंग ने पूरे लालबाग क्षेत्र को भक्तिमय बना दिया।

बच्चों को बताया रथयात्रा का महत्व

भ्रमण के दौरान शाला प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं और बच्चों के बीच भव्य रूप से महाप्रसाद का वितरण किया गया। इस दौरान शिक्षकों ने बच्चों को रथयात्रा के पौराणिक व सांस्कृतिक महत्व की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस दिन महाप्रभु जगन्नाथ अपने भाई-बहन के साथ नगर भ्रमण पर निकलकर सभी भक्तों को दर्शन देते हैं, इसीलिए इसे जनता का त्योहार भी कहा जाता है।

संस्कृति और परंपराओं को सहेजने का अनूठा प्रयास

ढोल-नगाड़ों, शंखध्वनि और भजन-कीर्तन की गूंज के बीच निकली इस यात्रा को संपन्न कराने में स्कूल प्रशासन, शिक्षकों और विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा। स्थानीय नागरिकों ने इस आयोजन की प्रशंसा करते हुए कहा कि बच्चों को इस तरह के धार्मिक व सांस्कृतिक आयोजनों से जोड़ने से हमारी परंपराएं आगे बढ़ती हैं और नई पीढ़ी में अच्छे संस्कार आते हैं। इस गौरवमयी अवसर पर शाला की अध्यक्षा डॉ. (श्रीमती) सविता जे.बी. सिंह, उपाध्यक्ष अशोक चौधरी, प्रशासक संजय बहादुर सिंह, बोर्ड मेंबर सावंत बहादुर सिंह, जन्मेजय बहादुर सिंह, श्रेयांश बहादुर सिंह, श्रीमती मनीषा सिंह, श्रीमती पूजा सिंह, श्रीमती जानवी सिंह, श्रीमती ईला सिंह एवं एकेडमिक डायरेक्टर अभिषेक खंडेलवाल व प्राचार्या श्रीमती एकता खंडेलवाल ने सभी छात्र-छात्राओं और नगरवासियों को रथयात्रा पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं।

कृषि विभाग के फील्ड अधिकारी के संरक्षण में नकली खाद का व्यापार हुआ गुलजार

कातलवाही प्रकरण में स्थानीय अधिकारी का आरोपी को मिला खुला संरक्षण, वरिष्ठ अधिकारियों को दी सिर्फ एक फैक्ट्री की जानकारी, दूसरी से माल गायब!

डोंगरगढ़ (दावा)। डोंगरगढ़-मोतीपुर मुख्य मार्ग पर स्थित ग्राम मुसरा कला की सीमा से लगे ग्राम पंचायत कातलवाही में बिना लाइसेंस के चल रहे नकली खाद के एक बड़े खेल का भंडाफोड़ हुआ है। यहां के कृषक जीवन जंघेल द्वारा गांव में ही दो अलग-अलग स्थानों पर फैक्ट्रियां संचालित कर जैविक खाद के नाम पर व्यापक पैमाने पर अवैध खाद का निर्माण किया जा रहा था। जिसकी सप्लाई प्रदेश के कोने-कोने में की जा रही थी। चौंकाने वाली बात यह है कि इस पूरे काले कारोबार को स्थानीय कृषि विभाग के फील्ड अधिकारी का खुला संरक्षण प्राप्त था। अन्य जिलों के अधिकारियों से इनपुट मिलने के बाद जब जिला स्तर की टीम छापेमारी के लिए पहुंची तो स्थानीय अधिकारी ने दो में से केवल एक ही फैक्ट्री की जानकारी देकर अपनी ही टीम को गुमराह कर दिया।

वरिष्ठ अधिकारियों को रखा अंधेरे में, दूसरी फैक्ट्री को दी गई छूट

क्षेत्र में इतने बड़े पैमाने पर अवैध खाद का निर्माण हो रहा था और स्थानीय कृषि अधिकारियों को इसकी भनक तक न होना सीधे तौर पर अधिकारी और खाद निर्माता की मिलीभगत को उजागर करता है। जब कलेक्टर के निर्देश पर जिला स्तर की उड़नदस्ता टीम कार्रवाई के लिए कातलवाही पहुंची, तो स्थानीय फील्ड अधिकारी ने सोची-समझी रणनीति के तहत केवल एक ही फैक्ट्री का पता बताया। इस जानबूझकर की गई लापरवाही का फायदा उठाते हुए खाद निर्माता ने महज एक किलोमीटर के दायरे में स्थित अपनी दूसरी फैक्ट्री से खाद की बोरियों को रातों-रात गायब करवा दिया।

एक फैक्ट्री से 2485 बोरी उर्वरक जब्त, पर आरोपी को ही सौंप दी सुपुर्दगी!

गत दिनों कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार कृषि विभाग के उड़नदस्ता दल द्वारा ग्राम कातलवाही स्थित किसान मित्र स्वस्तिक ऑर्गेनिक प्राइवेट लिमिटेड में छापेमारी की गई थी। निरीक्षण के दौरान संबंधित इकाई कोई भी वैधानिक लाइसेंस या दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सकी। टीम ने परिसर से विभिन्न प्रकार की उर्वरक एवं कच्ची सामग्री की कुल 2,485 बोरियां जब्त कर पंचनामा तैयार किया। लेकिन विभाग की कार्यप्रणाली पर तब गंभीर सवाल खड़े हो गए। जब जब्ती के बाद इतनी बड़ी मात्रा में अवैध सामग्री की सुपुर्दगी वापस उसी खाद निर्माता को सौंप दी गई।

अब भी भारी मात्रा में रॉ-मटेरियल डंप

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी किसान की दूसरी फैक्ट्री में अब भी भारी मात्रा में अवैध जैविक खाद बनाने की कच्ची सामग्री संग्रहित कर रखी हुई है। यदि जिला प्रशासन द्वारा 24 घंटे के भीतर इस दूसरी फैक्ट्री पर तत्काल छापा मार कार्रवाई नहीं की गई तो रसूखदार खाद निर्माता द्वारा बची हुई सभी सामग्रियों और साक्ष्यों को वहां से भी पूरी तरह साफ कर दिया जाएगा।

प्रशासनिक सुस्ती का फायदा उठा रहा खाद निर्माता

इस पूरे मामले में स्थानीय फील्ड अधिकारी की भूमिका संदिग्ध बनी हुई है। जिन्होंने विभागीय कार्रवाई को ही आधा-अधूरा बनाकर रख दिया। ग्रामीणों का कहना है कि पूर्व में भी इस अवैध संचालन की आशंका जताई गई थी, लेकिन स्थानीय स्तर पर बैठे अधिकारियों के संरक्षण के कारण यह फल-फूल रहा था। अब देखना यह है कि जिला प्रशासन अपनी ही टीम को गुमराह करने वाले फील्ड अधिकारी और अवैध खाद निर्माता के खिलाफ आगे क्या कड़ी दंडात्मक कार्रवाई करता है।

विश्व जनसंख्या दिवस पर विचारों का महाकुंभ : डॉ. जे.बी. सिंह मेमोरियल स्कूल में गूंजे सशक्त तर्क और ओजस्वी वक्तृत्व

राजनांदगांव (दावा)। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर डॉ. जे.बी. सिंह मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल राजनांदगांव में आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता ज्ञान, तर्क, जागरूकता और प्रभावशाली अभिव्यक्ति का अनुपम संगम बन गई। स्व. इंदुभूषण ठाकुर की स्मृति में आयोजित जनसंख्या वृद्धि देश के विकास में बाधक है। विषय पर आयोजित इस वाद विवाद प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपने तथ्यपूर्ण, संतुलित एवं ओजस्वी विचारों से यह सिद्ध कर दिया कि युवा पीढ़ी केवल भविष्य की आशा ही नहीं, बल्कि वर्तमान की जागरूक और विचारशील शक्ति भी है। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ।

इस गरिमामय अवसर पर विद्यालय की संचालक मंडल की अध्यक्षा श्रीमती सविता जे.बी. सिंह, उपाध्यक्ष अशोक चौधरी, प्रशासक संजय बहादुर सिंह, अकादमिक डायरेक्टर अभिषेक खंडेलवाल, श्रेयांश बहादुर सिंह, जन्मेजय बहादुर सिंह, सावंत बहादुर सिंह, प्राचार्या एकता खंडेलवाल, मनीषा सिंह, पूजा सिंह, इला सिंह, जाह्नवी सिंह, डॉ. इंद्रकुमार वैष्णव की प्रेरणादायी उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने हेतु राकेश इंदुभूषण ठाकुर, डॉ. डी.सी. जैन, डॉ. के.के. सिन्हा, डॉ. ओंकार लाल श्रीवास्तव, डॉ. भाटिया, शैलेंद्र तिवारी एवं अमलेंदु हाजरा (पूर्व लोकपाल एवं राष्ट्रीय सदस्य) विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अतिथियों ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में कहा कि जनसंख्या केवल संख्या का विषय नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, संसाधनों के संतुलित उपयोग, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक उत्तरदायित्व से जुड़ा राष्ट्रीय चिंतन है। उन्होंने विद्यार्थियों से वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने, तार्किक सोच विकसित करने तथा जागरूक एवं उत्तरदायी नागरिक बनने का आह्वान किया।

प्रतियोगिता में पक्ष की ओर से तनु वर्मा, पुष्पांजलि साहू, निकिता साहू, मयंक देवांगन, मौली हिरवानी, अनन्या गुप्ता, यश कुमार साहू, अरहम जैन एवं तिजिल साहू ने सशक्त तथ्यों और प्रभावशाली तर्कों के साथ विषय का समर्थन किया। वहीं विपक्ष की ओर से यावी जागेल, गीतिका, प्रणव खंडेलवाल, मोहिनी यादव, कुशल पटेल, नम्रता सिन्हा, कुवैशा शेख, अंजलि वैदिक एवं पलक जैन ने तार्किक विश्लेषण, संतुलित दृष्टिकोण और प्रभावशाली वकृत्व के माध्यम से विषय के विविध आयामों को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। दोनों पक्षों के वक्ताओं ने अपने आत्मविश्वास, भाषा की शुद्धता और ओजस्वी अभिव्यक्ति से उपस्थित जनसमूह की भरपूर सराहना अर्जित की।

निर्णायक मंडल ने प्रतिभागियों की विषय-वस्तु की समझ, तार्किकता, भाषा-शैली, अभिव्यक्ति एवं मंचीय प्रस्तुति का सूक्ष्म मूल्यांकन करते हुए परिणाम घोषित किए। पक्ष वर्ग में मयंक देवांगन ने प्रथम, यश कुमार साहू ने द्वितीय तथा निकिता साहू ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं विपक्ष वर्ग में प्रणव खंडेलवाल प्रथम, नम्रता सिन्हा द्वितीय तथा मोहक यादव तृतीय स्थान के विजेता रहे। विजेता प्रतिभागियों को अतिथियों द्वारा सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं तथा सभी प्रतिभागियों के उत्साह, आत्मविश्वास और उत्कृष्ट प्रदर्शन की मुक्तकंठ से प्रशंसा की गई। कार्यक्रम के समापन अवसर पर विद्यालय प्रबंधन ने सभी विशिष्ट अतिथियों, निर्णायकों, शिक्षकों एवं प्रतिभागियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। प्रबंधन ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, तार्किक चिंतन, प्रभावी अभिव्यक्ति, सामाजिक संवेदनशीलता एवं उत्तरदायित्व की भावना का विकास करते हैं। विश्व जनसंख्या दिवस पर आयोजित यह वाद-विवाद प्रतियोगिता विद्यार्थियों के लिए मात्र एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि जागरूक, विवेकशील और राष्ट्र के प्रति उत्तरदायी नागरिक बनने की प्रेरणादायी पाठशाला सिद्ध हुई।

गायत्री विद्यापीठ में भगवान जगन्नाथ रथयात्रा पर शानदार आयोजन

पूर्ण श्रद्धाभक्ति के साथ निकाली गई भगवान जगन्नाथ की शोभायात्रा

राजनांदगांव (दावा)। शिक्षा एवं संस्कार के क्षेत्र में अग्रणी जिले की ख्याति प्राप्त संस्था गायत्री विद्यापीठ (सीबीएसई) में भगवान श्री जगन्नाथ, भगवान बलभद्र एवं देवी सुभद्रा की पावन रथयात्रा का आयोजन अत्यंत श्रद्धा, उत्साह व भक्तिभाव के साथ किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा। इसमें कक्षा पहली से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता दी।

शालेय प्रार्थना सभा में पूजा-अर्चना के पश्चात भगवान श्री जगन्नाथ की सुसज्जित शोभायात्रा विद्यालय परिसर में निकाली गई। विद्यार्थियों ने भगवान जगन्नाथ को समर्पित भजन कीर्तन एवं सुंदर नृत्य प्रस्तुत कर भारतीय संस्कृति एवं सनातन परंपराओं का सुंदर संदेश दिया। विद्यार्थियों ने जयघोष के साथ विश्व कल्याण, सुख समृद्धि एवं शांति की कामना की। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष बृजकिशोर सुरजन द्वारा भी सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा गया कि भारतीय संस्कृति के पर्व केवल उत्सव नहीं जीवन मूल्यों के संवाहक है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी गौरवशाली परंपराओं से जुड़ने का अवसर मिलता है।

प्राचार्य अंकित व्यास ने अपने संदेश में कहा कि भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा हमें प्रेम, समानता, सेवा और लोक कल्याण की प्रेरणा देती है। ऐसे सांस्कृतिक एवं धार्मिक आयोजन विद्यार्थियों में भारतीय संस्कारों, आध्यात्मिक चेतना तथा सांस्कृतिक विरासत के प्रति सम्मान की भावना विकसित करते हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में नृत्य शिक्षिका श्रीमती भारती यादव, संगीत विभाग से दिनेश साहू, शुभम शेण्डे का सराहनीय योगदान रहा। संपूर्ण आयोजन ने सभी उपस्थित जनों के मन में श्रद्धा, भक्ति एवं सांस्कृतिक चेतना का संचार किया। इस अवसर पर इस अवसर पर गायत्री शिक्षण समिति के अध्यक्ष बृजकिशोर सुरजन, उपाध्यक्ष श्रीमती संध्यादेवी सिंघल, कोषाध्यक्ष सूर्यकान्त चितलांग्या, उपाध्यक्ष राजेश जैन, सचिव गगन लड्ढा, सहसचिव निकुंज सिंघल, स्पोर्ट्स डायरेक्टर सागर चितलांग्या, संरक्षक नंदकिशोर सुरजन, श्रीमती सुषमा सुरजन, सांस्कृतिक प्रभारी हरीश गांधी, श्रीमती रूपाली गांधी, सह स्पोर्ट्स डायरेक्टर मनोज चितलांग्या, एकेडमिक डायरेक्टर अमित उत्तलवार, प्राचार्य अंकित व्यास, उपप्राचार्य श्रीमती रश्मि ठाकुर, प्रशासक अनिल वाजपेयी, स्कूल मैनेजर तरणजीत सिंह टुटेजा ने शुभकामनाएं प्रेषित की।

पद्मविभूषण तीजनबाई के दशगात्र कार्यक्रम में उमड़ा जनसैलाब, दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

राजनांदगांव से भी पहुंची साहित्यकारों एवं लोक कलाकारों की टीम

राजनांदगांव (दावा)। विश्वविख्यात पंडवानी गायिका एवं पद्मविभूषण सम्मान से अलंकृत लोककला की अप्रतिम साधिका स्व. तीजनबाई के दशगात्र कार्यक्रम का आयोजन उनके ननिहाल ग्राम गनियारी (उतई), जिला दुर्ग में श्रद्धा, गरिमा और भावपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री, जनप्रतिनिधियों, साहित्यकारों, लोक कलाकारों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों तथा प्रदेशभर से आए हजारों श्रद्धालुओं ने स्व. तीजनबाई के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि तीजनबाई ने अपनी विलक्षण प्रतिभा, अथक साधना और अद्वितीय प्रस्तुति शैली के माध्यम से पंडवानी को राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित कर छत्तीसगढ़ की लोक-संस्कृति को विश्व पटल पर गौरवान्वित किया। इस अवसर पर संस्कारधानी राजनांदगांव से भी साहित्यकारों, लोक कलाकारों एवं संस्कृति प्रेमियों का प्रतिनिधिमंडल शामिल हुआ। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के दौरान पंडवानी एवं अन्य लोकसंगीत की प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को भावविभोर कर दिया। सुप्रसिद्ध लोक गायिका श्रीमती पूनम विराट ने 'चोला माटी के हे राम... एखर का भरोसा, चोला माटी के हे राम...' की अत्यंत मार्मिक प्रस्तुति देकर स्व. तीजनबाई को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उनकी प्रस्तुति से उपस्थित जनसमूह की आँखें नम हो गईं।

श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने कहा कि स्व. तीजनबाई का संपूर्ण जीवन संघर्ष, साधना और लोककला के प्रति समर्पण का अद्वितीय उदाहरण है। उनकी कला-साधना, व्यक्तित्व और उपलब्धियां आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करती रहेंगी। पंडवानी के माध्यम से उन्होंने महाभारत की गाथाओं को जन-जन तक पहुंचाकर छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक अस्मिता को विश्व स्तर पर स्थापित किया। इस अवसर पर राजनांदगांव से अंतरराष्ट्रीय लोक गायिका श्रीमती पूनम विराट, छत्तीसगढ़ की स्वर कोकिला श्रीमती कविता वासनिक, सुप्रसिद्ध लोक गायक महादेव हिरवानी, तीजनबाई की शिष्या एवं पंडवानी गायिका इंस्पेक्टर तरुणा साहू, साकेत साहित्य परिषद् के पूर्व अध्यक्ष लखनलाल साहू 'लहर', युवा कवि प्रीतम कोठारी, भरथरी लोक गायिका हिमानी वासनिक, लोक कलाकार नैना साहू, तोषण साहू तथा कामेश कुमार साहू सहित अनेक साहित्यकार, कलाकार एवं संस्कृति प्रेमी उपस्थित रहे।

बेटियों की सुरक्षा को लेकर न्यायालय के बाहर प्रदर्शन, उठाई सख्त कानून की मांग

राजनांदगांव (दावा)। देशभर में बेटियों के साथ दुष्कर्म और हत्या जैसी जघन्य घटनाओं में लगातार हो रही वृद्धि को लेकर जीवनदान सेवा संस्था ने कड़ा रुख अख्तियार किया है। संस्था के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने स्थानीय न्यायालय परिसर के बाहर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर सख्त कानून और त्वरित न्याय की पुरजोर मांग उठाई। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि ऐसे संवेदनशील मामलों में न्याय मिलने में होने वाली अत्यधिक देरी तथा अपराधियों को मिलने वाली कानूनी राहत के कारण ही उनका मनोबल बढ़ता है। जिसके परिणामस्वरूप समाज में इस प्रकार के अपराध लगातार बढ़ रहे हैं।

प्रदर्शन के दौरान संस्था के सदस्यों ने कहा कि हाल के दिनों में देश के विभिन्न राज्यों में महिलाओं और बालिकाओं के साथ अमानवीय घटनाएं सामने आई हैं। जिन्होंने पूरे समाज को झकझोर कर रख दिया है। संस्था ने विशेष रूप से हाल ही में राजस्थान में एक नाबालिग बच्ची के साथ हुई सामूहिक दुष्कर्म की घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं मानवता को शर्मसार करती हैं। इनके दोषियों के विरुद्ध शीघ्र एवं कठोरतम कार्रवाई होना बेहद आवश्यक है।

फैसलों में विलंब अपराधियों के लिए अप्रत्यक्ष राहत

संस्था का स्पष्ट कहना है कि दुष्कर्म और हत्या जैसे जघन्य अपराधों में न्यायालयों में लंबी सुनवाई और फैसलों में होने वाला विलंब अपराधियों के लिए एक तरह से अप्रत्यक्ष रूप से राहत का कारण बनता है। यदि ऐसे मामलों का समयबद्ध निपटारा हो तथा दोषियों को फांसी या कठोरतम दंड मिले, तो समाज में कानून का भय बढ़ेगा और इस प्रकार के अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकेगा।

केवल कैंडल मार्च तक सीमित न रहें

जीवनदान सेवा संस्था ने देशवासियों से भावुक अपील करते हुए कहा कि ऐसे संवेदनशील मामलों में जनता केवल कैंडल मार्च या रैली निकालने तक सीमित न रहे। न्याय व्यवस्था को मजबूत करने और त्वरित न्याय की मांग को लेकर न्यायालयों के बाहर शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज उठाएं। संस्था ने घोषणा की कि भविष्य में भी महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों के विरोध में उनके सभी प्रदर्शन न्यायालय परिसर के बाहर ही किए जाएंगे। इस महत्वपूर्ण प्रदर्शन के अवसर पर हिंदू जागरण मंच के जिला संयोजक सुशील लड्ढा सहित बल्लू गुप्ता, रोहित तिवारी के अलावा जीवनदान सेवा संस्था के महेंद्र लाल जंघेल, हरीश भानुशाली, चंदन साहू, यश साहू, राकेश साहू, अमर जंघेल, प्रवीण वर्मा एवं बड़ी संख्या में अन्य सदस्य व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

'खरीफ सीजन में कृषकों को निर्बाध एवं गुणवत्तायुक्त विद्युत आपूर्ति सर्वोच्च प्राथमिकता - सीई हर्ष कुमार मेश्राम

निर्बाध विद्युत व्यवस्था के मद्देनजर मुख्य अभियंता ने समीक्षा बैठक लेकर सभी मैदानी अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

राजनांदगांव (दावा)। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड राजनांदगांव क्षेत्र के मुख्य अभियंता हर्ष कुमार मेश्राम ने पारींनाला स्थित क्षेत्रीय प्रशासनिक भवन के कॉन्फ्रेंस हॉल में राजनांदगांव, मोहला-मानपुर, अंबागढ़ चौकी एवं खैरागढ़-छुईखदान, गंडई जिले के सभी कार्यपालन अभियंता, सहायक अभियंता एवं कनिष्ठ अभियंताओं की समीक्षा बैठक लेकर निर्बाध विद्युत व्यवस्था बनाये रखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि खरीफ फसल एवं अनिश्चितकालीन मानसून को देखते हुए स्वाभाविक रूप से कृषि पंपो का उपयोग वृद्द स्तर पर किया जा रहा है। इस दौरान कृषक उपभोक्ताओं को पर्याप्त वोल्टेज पर निर्बाध एवं गुणवत्तायुक्त विद्युत आपूर्ति ही सर्वोच्च प्राथमिकता होना चाहिए। सतत् विद्युत आपूर्ति के मद्देनजर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्य अभियंमता श्री मेश्राम ने विद्युत उपभोक्ताओं से संवाद, सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर दर्ज शिकायतों का त्वरित निराकरण, मुख्यमंत्री बिजली बिल समाधान योजना, प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना, पॉवर कंपनी द्वारा अपनाई गई नवीनतम टेक्नॉलाजी के जरिये उपभोक्ताओं की सेवा में वृद्धि, शिकायतों के त्वरित निराकरण, वर्षाकाल में विद्युत विषयक कार्यों की प्रगति, विद्युत दुर्घटना-चोरी रोकने जागरूकता सहित राज्य शासन की रीति-नीति के अनुरूप बिजली की निर्बाध आपूर्ति जैसे विषयों पर त्वरित कार्यवाही हेतु मैदानी अधिकारियों को निर्देशित किया।

मुख्य अभियंता हर्ष कुमार मेश्राम ने वित्तीय वर्ष के राजस्व लक्ष्य व संग्रहण की गहन समीक्षा की। वितरण हानि, ए.टी.एण्डसी. लॉस, ट्रांसफार्मर फेल्योर को कम करने के निर्देश दिये। उन्होंने तीनों जिलों के सहायक एवं कनिष्ठ अभियंताओं को विद्यमान 33/11 के.व्ही लाइनों एवं विद्युत उपकरणों में आने वाले फॉल्ट एवं तकनीकी समस्याओं को तत्काल दूर करने के लिए नियमित रखरखाव करने के निर्देश दिए। मुख्य अभियंता श्री मेश्राम ने कहा कि उपभोक्ता सेवा की दृष्टि से सुचारू विद्युत व्यवस्था बनाये रखने में लापरवाही बरतनें वाले विद्युत अधिकारी एवं कर्मचारियों पर कड़ी कार्यवाही की जाए। सभी जिले में सतत् विद्युत व्यवस्था बनायें रखने एवं उपभोक्ताओ के विद्युत संबंधी समस्याओं के निदान हेतु त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित हो। उन्होंने विभागीय कार्यों की प्रगति पर विस्तारपूर्वक जानकारी लेकर निम्नदाब लाईनों पर सतत् निगरानी रखने एवं वितरण उपकरणों में आने वाली खराबी को यथासंभव सुधार करने के सुझाव भी दिए। उन्होने समस्त अधिकारियों को आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक उपकरण आरक्षित रखने तथा ब्लैक आऊट के हालात में संबंधित क्षेत्र में तत्काल पहुंचकर विद्युत व्यवस्था सुचारू बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रसारित किये। उन्होने विद्युत दुर्घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए निर्देशित किया कि टूटे हुए तारों की जानकारी होने पर त्वरित कार्यवाही कर दुर्घटनाओं को टाला जा सकता है। साथ ही विद्युत लाइनों में कार्य के दौरान सुरक्षा उपकरण का इस्तेमाल करना सुनिश्चित करें। जिससे विद्युत दुर्घटनाओं की संभावनाओं को समाप्त किया जा सकें।

इस समीक्षा बैठक में अतिरिक्त मुख्य अभियंता मंगल तिर्की ने कहा कि जिले में विफल ट्रांसफार्मरों को बदलने के लिए त्वरित कार्यवाही हो। उन पर सतत निगरानी रखी जाए एवं निश्चित समयावधि में बदल दिया जाए। ताकि उपभोक्ताओं को अनावश्यक परेशानियों का सामना ना करना पड़े। उन्होने कहा कि सभी अधिकारी टीम भावना से कार्य करें। निर्धारित लक्ष्य एवं कंपनी के दायित्वों के निर्वहन को पहली प्राथमिकता दें। इस अवसर पर राजनांदगांव वृत के अधीक्षण अभियंता शंकेश्वर कंवर, कार्यपालन अभियंता श्रीमती सीमा ढील, जी.एस. फ्लोरा, आलोक दुबे, बीरबल उइके, एस.पी. जैकब, अनिल रामटेके, मुकेश साहू, नुरेन्द्र साहू सहित सभी सहायक एवं कनिष्ठ अभियंता उपस्थित हुए।

अनमोल दावा

सफलता हमेशा महान विचारों से नहीं, बल्कि छोटे-छोटे सही कदमों और निरंतर प्रयासों से मिलती है।

सम्पादकीय

हमें हक़ नहीं शिक्षा में किसी का भविष्य खरीदने का

सोनम वांगचुक इस समय दिल्ली के जंतर-मंतर पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे हैं। उनका आरोप है कि हाल के वर्षों में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक और अनियमितताओं ने लाखों छात्रों का भविष्य प्रभावित किया है। वे जवाबदेही तय करने और शिक्षा व्यवस्था में ठोस सुधारों की माँग कर रहे हैं।

अभी तक उपलब्ध विश्वसनीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, नीट-यूजी 2026 परीक्षा रद्द होने और पुनः परीक्षा की घोषणा के बाद 37 दिनों के भीतर कम-से-कम 12 अभ्यर्थियों की आत्महत्या के मामले सामने आए। यह संख्या सरकारी आँकड़ा नहीं, बल्कि विभिन्न राज्यों में हुई घटनाओं का समाचार-पत्रों द्वारा किया गया संकलन है।

द इंडियन एक्सप्रेस की 2024 की जाँच के अनुसार, पिछले पाँच वर्षों में 15 राज्यों में भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक के 41 दस्तावेज़ित मामले सामने आए, जिनसे लगभग 1.4 करोड़ अभ्यर्थी प्रभावित हुए और 1.04 लाख से अधिक सरकारी पदों पर भर्ती की प्रक्रिया बाधित हुई। यदि इसमें 2025-26 की प्रमुख घटनाएँ भी जोड़ दी जाएँ, तो एनईईटी-यूजी 2026, यूजीसी-नेट 2024, यूपी पुलिस कांस्टेबल 2024, यूपीपीएससी आरओ/एआरओ 2024, यूकेएसएसएससी और एचपीएससी सहायक प्रोफेसर सहित कई परीक्षाएँ रद्द या पुनः आयोजित करनी पड़ीं। कुछ मीडिया विश्लेषणों के अनुसार, पिछले सात वर्षों में 70 से अधिक बड़े पेपर लीक के मामलों से लगभग 1.7 करोड़ अभ्यर्थी प्रभावित हुए। एक राष्ट्र तभी आगे बढ़ता है, जब उसकी शिक्षा व्यवस्था भरोसेमंद, सुलभ और न्यायपूर्ण हो। यदि परीक्षा बिकने लगे, अवसर छिनने लगें और मेहनत का मूल्य कम हो जाए, तो समाज की सबसे बड़ी पूँजी, उसका युवा निराशा का शिकार हो जाता है। शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि सपनों, आत्मसम्मान और भविष्य की नींव है। इसलिए शिक्षा व्यवस्था का सबसे बड़ा दायित्व निष्पक्षता और समान अवसर सुनिश्चित करना है।

आज देश का युवा दोहरी मार झेल रहा है। एक ओर बढ़ती बेरोज़गारी है, दूसरी ओर नौकरी और उच्च शिक्षा तक पहुँचने का रास्ता लगातार कठिन होता जा रहा है। लाखों छात्र वर्षों तक कठिन परिश्रम करते हैं और परिवार अपनी जमा-पूँजी कोचिंग तथा परीक्षा की तैयारी पर खर्च कर देता है। लेकिन जब परीक्षा प्रक्रिया ही संदेह के घेरे में आ जाए, तो सबसे बड़ा नुकसान केवल परिणाम का नहीं, बल्कि व्यवस्था पर से विश्वास का होता है।

वर्ष 2024-25 में 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग की खुली बेरोज़गारी दर लगभग 11 से 12 प्रतिशत के बीच मानी गई। ऐसे समय में प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितताओं की हर घटना युवाओं की निराशा को और गहरा करती है। निजी कोचिंग, टेस्ट सीरीज़ और अध्ययन सामग्री पर एक परिवार को साल भर में लगभग पचास हजार से दो लाख रुपये तक खर्च करना पड़ता है, जो मध्यम और निम्न मध्यम वर्ग के लिए भारी बोझ है।

पिछले वर्ष नीट परीक्षा में लगभग 23 लाख अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया था। सीमित सीटों के बीच परीक्षा रद्द होने या अनियमितता की हर घटना लाखों विद्यार्थियों का समय, आत्मविश्वास और जीवन के बहुमूल्य वर्ष छीन लेती है। राजस्थान सहित कई राज्यों में भर्ती और प्रवेश परीक्षाओं के रद्द होने से हजारों अभ्यर्थियों को दोबारा उसी अनिश्चितता और तैयारी के दौर से गुजरना पड़ा।

समय-समय पर नियमों और पाठ्यक्रम में होने वाले बदलाव भी तब चिंता का विषय बन जाते हैं, जब वे छात्रों के लिए अनावश्यक कठिनाइयाँ पैदा करें। शिक्षा का केंद्र छात्र होना चाहिए, न कि केवल नियमों की लंबी सूची। समय आ गया है कि शिक्षा को बाज़ार नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का आधार माना जाए। किसी की मेहनत, सपनों और भविष्य की कीमत तय करने का अधिकार न किसी भ्रष्ट व्यवस्था को है और न ही पैसे या पहुँच के बल पर अवसर खरीदने वालों को क्योंकि सच यही है कि हमें हक़ नहीं शिक्षा में किसी का भविष्य खरीदने का...।

मंदिरों में भ्रष्टाचार : वहां सुशासन की नई क्रांति का सूत्रपात हो

-: ललित गर्ग:-

भारत की पहचान केवल उसकी प्राचीन सभ्यता, सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक दर्शन से नहीं है, बल्कि उन मंदिरों से भी है जो करोड़ों लोगों की आस्था, विश्वास और जीवन का आधार हैं। अयोध्या का श्रीराम मंदिर, बद्रीनाथ धाम, माता वैष्णोदेवी, तिरुपति, काशी विश्वनाथ, सोमनाथ, सालासर बालाजी, खाटू श्यामजी जैसे मंदिर केवल धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि भारतीय आत्मा के जीवंत प्रतीक हैं। इन मंदिरों में प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु इस विश्वास के साथ पहुंचते हैं कि यहां उन्हें केवल भगवान के दर्शन ही नहीं, बल्कि आत्मिक शांति और नैतिक ऊर्जा भी प्राप्त होगी। लेकिन जब इन्हीं मंदिरों से चढ़ावे की चोरी, वित्तीय अनियमितताओं, वीआईपी संस्कृति, पुजारियों अथवा कर्मचारियों के अनुचित आचरण और श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार की खबरें सामने आती हैं, तब केवल कोई संस्था बदनाम नहीं होती, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था घायल होती है। हाल के वर्षों में श्रीराम मंदिर, बद्रीनाथ और अब माता वैष्णोदेवी मंदिर में चढ़ावे से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के मामलों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि मंदिरों की व्यवस्था को केवल धार्मिक भावना के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। जिस धन को श्रद्धालु भगवान का अर्पण मानकर समर्पित करते हैं, वह किसी व्यक्ति या समूह की निजी संपत्ति नहीं है। उस धन का प्रत्येक रुपया सार्वजनिक विश्वास की धरोहर है। यदि उसी में अपारदर्शिता या चोरी का संदेह पैदा हो जाए तो यह केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि धार्मिक विश्वास के साथ विश्वासघात है।

मंदिरों में बढ़ती अव्यवस्था का दूसरा गंभीर पक्ष है-वीआईपी दर्शन संस्कृति। आज देश का सामान्य श्रद्धालु कई-कई घंटे कतार में खड़ा रहता है। वृद्ध, महिलाएं, दिव्यांग और छोटे बच्चों के साथ आए परिवार कठिन परिस्थितियों में अपनी बारी की प्रतीक्षा करते हैं। लेकिन जैसे ही कोई मंत्री, विधायक, अधिकारी या प्रभावशाली व्यक्ति पहुंचता है, सामान्य दर्शन रोक दिए जाते हैं और वीआईपी दर्शन शुरू हो जाते हैं। आम श्रद्धालु की लाइन रोक दी जाती है, उसके दर्शन का समय बाधित होता है और उसे यह एहसास कराया जाता है कि भगवान के दरबार में भी सभी बराबर नहीं हैं। यह स्थिति भारतीय संस्कृति और धर्म की मूल भावना के विपरीत है। हमारे शास्त्र कहते हैं कि ईश्वर के समक्ष राजा और रंक में कोई भेद नहीं होता। यदि मंदिरों में भी सामाजिक और राजनीतिक विशेषाधिकार का प्रदर्शन होगा तो यह धर्म के मूल स्वरूप का अपमान है। मंदिरों को लोकतांत्रिक समानता और आध्यात्मिक समरसता का सर्वोच्च उदाहरण बनना चाहिए, न कि सामाजिक असमानता का मंच।

आज आवश्यकता इस बात की है कि पूरे देश में 'समान मन्दिर दर्शन नीति' लागू की जाए। राष्ट्रीय सुरक्षा या अत्यंत विशिष्ट संवैधानिक परिस्थितियों को छोड़कर किसी भी व्यक्ति को सामान्य श्रद्धालुओं की कतार से अलग विशेष दर्शन का अधिकार नहीं मिलना चाहिए। यदि किसी कारणवश सुरक्षा व्यवस्था आवश्यक हो, तब भी आम श्रद्धालुओं के दर्शन बाधित नहीं होने चाहिए। भगवान के दरबार में सबसे बड़ा वीआईपी केवल श्रद्धा होनी चाहिए, पद और सत्ता नहीं। इसी प्रकार मंदिरों की चढ़ावा व्यवस्था में व्यापक सुधार की आवश्यकता है। आज डिजिटल भारत का युग है, फिर भी अनेक मंदिरों में दान और चढ़ावे की पारदर्शी व्यवस्था विकसित नहीं हो सकी है। प्रत्येक बड़े मंदिर में दान-पात्रों की इलेक्ट्रॉनिक निगरानी, सीसीटीवी कैमरे, बारकोड आधारित सीलिंग, नियमित स्वतंत्र ऑडिट तथा प्रत्येक माह आय-व्यय का सार्वजनिक विवरण वेबसाइट और सूचना पट्ट पर उपलब्ध कराया जाना चाहिए। श्रद्धालु को यह जानने का अधिकार है कि उसके द्वारा दिया गया धन कहां और किस उद्देश्य में उपयोग किया जा रहा है।

इसके साथ ही मंदिर प्रशासन में केवल धार्मिक पहचान ही नहीं, बल्कि चरित्र, ईमानदारी और प्रशासनिक दक्षता को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। मंदिर प्रबंधन समितियों में ऐसे व्यक्तियों को स्थान मिले जिनकी सामाजिक प्रतिष्ठा निष्कलंक हो, जिनका सार्वजनिक जीवन पारदर्शी रहा हो और जिन पर किसी प्रकार के भ्रष्टाचार या आपराधिक आरोप न हों। समय-समय पर उनके कार्यों का स्वतंत्र मूल्यांकन भी किया जाए। मंदिर प्रबंधन किसी का विशेषाधिकार नहीं, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायित्व है। मंदिरों में सेवा करने वाले पुजारियों, कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों के लिए भी आचार-संहिता बनाई जानी चाहिए। श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार, अभद्र भाषा, दलालों से मिलीभगत, नशाखोरी या किसी भी प्रकार का अनुशासनहीन व्यवहार पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई हो। सालासर बालाजी में बाउंसरों द्वारा श्रद्धालु की पिटाई और खाटू श्यामजी में मुख्य पुजारी से जुड़े विवाद जैसे प्रसंग यह संकेत देते हैं कि केवल धार्मिक पहचान पर्याप्त नहीं, बल्कि नैतिक अनुशासन भी उतना ही आवश्यक है।

मंदिरों में दलाल संस्कृति भी समाप्त की जानी चाहिए। दर्शन, प्रसाद, पूजा और विशेष अनुष्ठानों के नाम पर होने वाली अनधिकृत वसूली श्रद्धालुओं के विश्वास को कमजोर करती है। सभी सेवाओं की दरें सार्वजनिक हों, ऑनलाइन बुकिंग उपलब्ध हो और किसी भी अतिरिक्त वसूली पर कठोर दंड का प्रावधान हो। भारत आज विश्व का आध्यात्मिक केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। श्रीराम मंदिर के निर्माण के बाद दुनिया भर से करोड़ों लोग भारतीय मंदिरों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। धार्मिक पर्यटन भारत की अर्थव्यवस्था का भी महत्वपूर्ण आधार बन रहा है। ऐसे समय यदि मंदिरों की व्यवस्थाओं पर भ्रष्टाचार, कुप्रबंधन और अव्यवस्था के आरोप लगते हैं तो केवल मंदिर ही नहीं, बल्कि पूरे भारत की छवि प्रभावित होती है। विश्व यह संदेश ग्रहण करता है कि जिस देश ने धर्म और नैतिकता का संदेश दिया, वह अपने ही धर्मस्थलों को पारदर्शी नहीं बना पाया, वहां भी व्यापक भ्रष्टाचार पसरा है।

भारत सरकार और राज्य सरकारों को अब इस विषय पर व्यापक राष्ट्रीय नीति बनानी चाहिए। 'राष्ट्रीय मंदिर सुशासन आयोग' जैसी स्वतंत्र संस्था का गठन किया जा सकता है, जो बड़े मंदिरों की वित्तीय पारदर्शिता, प्रशासनिक जवाबदेही, दर्शन व्यवस्था और श्रद्धालुओं के अधिकारों की निगरानी करे। प्रत्येक मंदिर के लिए सेवा-मानक निर्धारित हों तथा शिकायत निवारण की समयबद्ध व्यवस्था हो। धार्मिक संगठनों और संत समाज को भी आत्ममंथन करना होगा। धर्म का अर्थ केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि सत्य, ईमानदारी, सेवा और उत्तरदायित्व है। यदि मंदिरों के भीतर ही इन मूल्यों का ह्रास होगा तो समाज को नैतिक दिशा कौन देगा? मंदिर केवल पूजा के केंद्र नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण के विद्यालय भी होने चाहिए।

आज आवश्यकता किसी छोटे-मोटे सुधार की नहीं, बल्कि मंदिर प्रशासन में एक नैतिक क्रांति की है। यह क्रांति पारदर्शिता, जवाबदेही, समानता और सेवा के चार स्तंभों पर आधारित होनी चाहिए। मंदिरों को तकनीक से जोड़ना होगा, वित्तीय व्यवस्था को पूरी तरह डिजिटल और ऑडिट-आधारित बनाना होगा, वीआईपी संस्कृति को समाप्त करना होगा तथा हर श्रद्धालु को समान सम्मान देना होगा।

याद रखना होगा कि मंदिरों की सबसे बड़ी संपत्ति उनका स्वर्ण, रजत या चढ़ावा नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों का विश्वास है। यदि विश्वास टूट गया तो सबसे भव्य मंदिर भी अपनी आत्मा खो देगा। इसलिए समय की पुकार है कि मंदिरों को भ्रष्टाचार से मुक्त, दर्शन व्यवस्था को समान, प्रशासन को पारदर्शी और सेवा को मानवीय बनाया जाए। यही भगवान के प्रति सच्ची श्रद्धा होगी, यही भारतीय संस्कृति का वास्तविक सम्मान होगा और यही वह परिवर्तन होगा जो भारत को केवल आध्यात्मिक महाशक्ति ही नहीं, बल्कि नैतिक महाशक्ति के रूप में भी स्थापित करेगा।

लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार
ई-253, सरस्वती कुंज अपार्टमेंट
25 आई. पी. एक्सटेंशन, पटपड़गंज
दिल्ली-110092, मो. 9811051133

मानसून में इन फूड्स से रहें दूर, नहीं तो पड़ सकते हैं बीमार

आसमान में छाए काले बादल और रिमझिम बारिश का मौसम अमूमन हर किसी को सुहावना लगता है। लेकिन यह मौसम अपने साथ कई तरह के बैक्टीरिया, वायरस और फंगल इंफेक्शन भी लेकर आता है। मानसून में हमारी पाचन शक्ति कमजोर हो जाती है, जिससे फूड पॉइजनिंग और पेट दर्द की समस्याएं बढ़ जाती हैं। इस मौसम में खुद को फिट रखने के लिए आपको अपनी डाइट का बेहद खास ध्यान रखने की जरूरत होती है। इस मौसम में लोगों का मन अक्सर कुछ चटपटा खाने का करता है। लेकिन मानसून में कुछ चीजों का सेवन आपको बीमार बना सकता है। यहां हम आपको कुछ ऐसे फूड्स के बारे में बताने जा रहे हैं जिनका सेवन मानसून में आपके लिए मुसीबत खड़ी कर सकता है। बारिश के मौसम में गोलगप्पे, चाट और पकौड़े खाने का मन सबसे ज्यादा करता है। लेकिन खुले में मिलने वाले इन फूड्स में बैक्टीरिया का खतरा सबसे अधिक होता है। इनमें इस्तेमाल होने वाला पानी और तेल दूषित हो सकता है, जिससे टाइफाइड या डायरिया जैसी समस्याएं हो सकती है।

इन फूड्स से दूरी बनाएं पत्तेदार सब्जियां

पालक, पत्तागोभी और मेथी जैसी हरी पत्तेदार सब्जियां वैसे तो सेहत के लिए बेहद फायदेमंद मानी जाती है, लेकिन मानसून में इनमें कीड़े और बैक्टीरिया पनपने की संभावना बहुत ज्यादा होती है। नमी के कारण इन्हें साफ करना मुश्किल होता है।

सी-फूड

बारिश का मौसम मछलियों और अन्य समुद्री जीवों के प्रजनन का समय होता है। इस दौरान सी-फूड खाने से फूड पॉइजनिंग और पेट इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है।

कटी हुई सब्जियां और फल

बाजार में मिलने वाले पहले से कटे हुए फल और जूस पीने से बचें। हवा में मौजूद नमी के कारण कटे हुए फलों पर बैक्टीरिया बहुत जल्दी हमला करते हैं।

गुनगुना और साफ पानी पिएं

इस मौसम में वॉटर-बॉर्न बीमारियों का खतरा सबसे ज्यादा होता है। हमेशा पानी को उबालकर या फिल्टर करके ही पिएं।

हर्बल टी और काढ़ा

अपनी डाइट में अदरक, तुलसी, काली मिर्च और लौंग से बनी हर्बल चाय शामिल करें। यह आपकी इम्यूनिटी को बूस्ट करेगी।

हल्का और ताजा भोजन

घर पर बना गर्म और सुपाच्य भोजन ही खाएं। खिचड़ी, सूप और उबली हुई सब्जियां इस मौसम के लिए बेस्ट हैं।

सब्जियों को अच्छे से धोएं

अगर आप सब्जियां बना रहे हैं, तो उन्हें गुनगुने पानी में थोड़ा नमक या सिरका डालकर अच्छी तरह साफ करें। फिर सब्जियां बनाएं।

सामयिक चर्चा

ट्रम्प को सीरियसली मत लो

खबर पढ़कर
बानी बोले- ''ये अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प
एक दिन होर्मुज पर
बीस फीसदी टोल की घोषणा करते हैं
फिर दूसरे दिन अपनी ही घोषणा से
एकदम पीछे हटते हैं।
और फिर उसके बाद कहते हैं-
अब इसकी जगह यानी
होर्मुज पर बीस परसेन्ट टोल के बदले
गल्फ देशों के साथ
बड़े व्यापार और निवेश समझौते किए जाएंगे,
जो अमेरिका को अधिक लाभ पहुचांएगे।
उन्होंने फिर दावा किया यार!
कि इन समझौते के तहत
अमेरिका में भारी निवेश होगा
और इससे पैदा होंगे लाखों रोजगार ।
फिर गजाधर बीच ही में बोल उठे -बानी !
'यू टर्न वाले ट्रम्प को आप इस तरह
सीरियसली क्यों पढ़ते हैं,
जो बात-बात पर बात बदलते हैं।
तो ट्रम्प को छोड़ों, उनसे मुख मोड़ों,
और पीछे पेज पर छपी नगर की खबर पढ़ो-
'हजारों शिक्षक आज राजधानी की
सड़क पर उतरेंगे,
विधानसभा का घेराव करेंगे।''
बुधवार 15 जुलाई 2026

गिरीश बख्शी

राशिफल

मेष
मेष राशि वालों आज का दिन शानदार रहने वाला है। आज अधिकतम समय आप धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों में व्यस्त रहेंगे। उधार दिया हुआ पैसा वापस मिलने से राहत मिलेगी। अगर घर में सुधार संबंधी योजना बन रही है, तो वास्तु संबंधी नियमों का पालन करना आपके लिए लाभदायक रहेगा।

वृष राशि
वृष राशि वालों आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आज आपकी हर परेशानी का हल चुटकियों में निकल जायेगा। आज सरकारी कार्यों में आपको बड़े लाभ की संभावना है। आज व्यक्तिगत मामलों को लेकर कुछ प्लानिंग होगी। साथ ही अनुभवी लोगों के सानिध्य में आपको सकारात्मक अनुभव मिलेंगे।

मिथुन
मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला रहेगा। ऑफिस में सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा। जूनियर आपसे काम सीखना चाहेंगे। आज सकारात्मक रहने से आप अपने कार्यों को बेहतरीन तरीके से अंजाम देंगे। आज किसी राजनीतिक अथवा प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है।

कर्क
कर्क राशि वालों आज आपका दिन उत्तम रहने वाला है। नई योजनाएं और प्रोजेक्ट शुरू करने का अनुकूल समय है। आज आप किसी बात को लेकर उलझन में रहेंगे, जिसे आप अपने किसी खास मित्र से शेयर भी करेंगे। आपको राहत मिलेगी। आज दूसरों के मामलों में हस्तक्षेप करने की बजाय अपने कामों पर ही ध्यान देंगे।

सिंह
सिंह राशि वालों आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज ऑफिस में वर्कलोड बढ़ सकता है, जिसके लिये आपको ओवरटाइम करना पड़ेगा। आज व्यवस्थित दिनचर्या रखने से हर काम समय पर होगा। इससे आप अन्य गतिविधियों की तरफ भी ध्यान देने में सफल होंगे। साथ ही आप खुद को ऊर्जा से भरपूर महसूस करेंगे।

कन्या
कन्या राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आपकी पहले से चली आ रही किसी समस्या का आज समाधान मिलेगा, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज सामाजिक गतिविधियों में आपका योगदान रहेगा, जिससे पहचान का दायरा बढ़ेगा। व्यवहारिक सोच रखने से अपनी कार्यकुशलता में निखार आयेगा।

तुला
तुला राशि वालों आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आज प्रॉपर्टी अथवा वाहन की खरीदारी से संबंधित कुछ योजनाएं बनाएंगे। आज बच्चों की पढ़ाई या करियर से जुड़ी समस्या का समाधान मिलने से सुकून मिलेगा। इस समय की गई यात्रा आज आपके लिए लाभदायक साबित हो सकती है। परिवार में सक्रियता और बातचीत का माहौल रहेगा।

वृश्चिक
वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन ताजगी से भरा रहेगा। दिन की शुरुआत अच्छे मूड से होगी। कुछ दिनों से चल रही समस्याएं आज माता-पिता की सलाह से खत्म होंगी। आज आप दूसरों के मामले में ज्यादा हस्तक्षेप करने से परहेज करें। दोस्तों के साथ मिलकर कहीं घूमने की प्लानिंग करेंगे।

धनु
धनु राशि वालों आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। एकाग्र मन से किया गया काम आज लाभदायक साबित होगा। लवमेट के लिये आज का दिन बढ़िया है। आज बच्चों पर अधिक रोक-टोक न लगाएं, इससे उनके आत्मबल में कमी आ सकती है। जो लोग रियल एस्टेट का बिजनेस कर रहे हैं, वे लोग नया हाउसिंग प्रोजेक्ट लॉन्च कर सकते हैं।

मकर
मकर राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। घर खरीदने का विचार कर रहे लोगों के लिए आज का दिन शुभ है। आज आपका मन घरेलू कामकाज में लगेगा। आज बिजनेस का फैसला जल्दबाजी में न लें। अपने काम करने के तरीकों में थोड़ा बदलाव लाने की भी जरूरत है। शेयर मार्केट में आपका अच्छा लाभ होगा।

कुंभ
कुंभ राशि वालों आज आपका दिन खुशियों से भरा रहने वाला है। आपके दोस्त आपसे मदद की गुहार करेंगे, आप उन्हें निराश नहीं करेंगे। आज निवेश करते समय किसी अनुभवी की सलाह लेना आपको भविष्य में लाभ दे सकता है। सकारात्मक नजरिया रखने से विपरीत परिस्थितियां अपने आप ही सामान्य हो जाएंगी।

मीन
मीन राशि वालों आज परिवार का पूरा साथ मिलेगा। जो लोग बैंक में कार्य करते हैं, वे आज अपना काम बहुत जल्द निपटा लेंगे। सोशल मीडिया और पब्लिक रिलेशन को बनाए रखें। इन संपर्कों से भविष्य में फायदा मिलेगा। लवमेट आज साथ में समय बिताएंगे। आज कार्यस्थल पर अपनी कार्य प्रणाली में परिवर्तन लाने से स्थिति में कुछ सुधार आएगा।

कविता

जान के अनजान बनव झन...

जब तक रइही जंगल पहारी, तब तक तैंहा रहिबे रे।
घाम सीत चउमास ल सहिबे, तभे तो तैंहा लहिबे रे।
जाड़ दिन म घाम करत हे, बरखा म फुदकी परत हे।
आज अभी तो अतका हावे,येकर ले जादा सहिबे रे।।
पिघल जथे हिमलिंग घलो,बाबा के अँसुवन गिरथे रे।
तुँहर हाथ के टंगिया-आरी, कतकोन छाती चिरथे रे।।
जंगल कँटथे जइसे -जइसे, उम्मर घटथे तइसे- तइसे।
मनखे बनथे जब अहितवा,शहर म चितवा फिरथे रे।।
हे पानी गिरे ले मेला-मड़ई,उछाह परब सबो हिरदे रे।
वन जंगल-झाड़ी कांटे ले, सभ्यता संस्कृति खिरथे रे।।
नइ छावय रे बरखा-बादर, नइ नरियावय झींगुर दादुर।
मोहनी-थोपनी धरे रुख-राई, बादर ल बनेच तिरथे रे।।
हे सिरमिट के तोर सिरजना, विधना सिरजे माटी ले।
पाँच तत्व ले रहना-बसना,सबो
बनथे-खिरथे माटी ले।
अतको तो नदान बनो झन,
जान के अनजान बनो झन।
पवन-पानी के रद्दा सुग्घर,
हवे डोंगरी-पहारी घाटी ले।।

रोशन साहू 'मोखला'(राजनांदगांव)

छुईखदान में निकली ऐतिहासिक रियासतकालीन भगवान श्री जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा

दर्शन के लिए उमड़ा जनसैलाब, शैडो विधायक विक्रांत सिंह ने की पूजा, बदहाल यातायात व्यवस्था के कारण रेंगते रहे वाहन

छुईखदान (दावा)। नगर के ऐतिहासिक बड़े जमात स्थित भगवान श्री जगन्नाथ मंदिर से गुरुवार को परंपरागत रियासतकालीन रथयात्रा पूर्ण श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लास के साथ निकाली गई। इस ऐतिहासिक रथयात्रा में नगर सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों से हजारों श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। पूरे छुईखदान नगर में माहौल पूरी तरह भक्तिमय नजर आया। नगरवासियों ने अपने-अपने घरों के सामने चौक-चौराहों पर रथ को रोककर भगवान श्री जगन्नाथ, भ्राता बलभद्र एवं माता सुभद्रा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

जगह-जगह हुआ प्रसादी वितरण, भाजयुमो ने की पुष्पवर्षा

रथयात्रा के मार्ग में श्रद्धालुओं की सेवा के लिए विभिन्न समितियों द्वारा व्यापक इंतजाम किए गए थे। श्री मधुबन महिला गौ सेवा समिति और जय जगन्नाथ सेवा समिति के सदस्यों ने यात्रा के साथ चलते हुए निरंतर श्रद्धालुओं के बीच प्रसादी का वितरण किया। इसी क्रम में भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) मंडल छुईखदान द्वारा महाप्रभु के नगर भ्रमण के दौरान भव्य आतिशबाजी और पुष्पवर्षा कर ऐतिहासिक स्वागत किया गया। भाजयुमो द्वारा दोपहर से ही विशाल महाप्रसादी भंडारे का आयोजन किया गया था, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण किया।

भगवान के दर पर पहुंचे जिला पंचायत उपाध्यक्ष

इस पावन और ऐतिहासिक अवसर पर खैरागढ़ विधानसभा के शैडो विधायक एवं जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह विशेष रूप से छुईखदान पहुंचे। उन्होंने महाप्रभु जगन्नाथ के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और रथ खींचकर भगवान का आशीर्वाद लिया। श्री सिंह ने इस मौके पर समस्त क्षेत्रवासियों के लिए सुख, समृद्धि, शांति और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

ध्वस्त रही यातायात व्यवस्था

एक ओर जहां रथयात्रा आस्था और सामाजिक समरसता का उत्कृष्ट उदाहरण बनी। वहीं दूसरी ओर इतने विशाल और ऐतिहासिक आयोजन के अनुरूप स्थानीय प्रशासन की यातायात व्यवस्था पूरी तरह फ्लॉप साबित हुई। हजारों की भीड़ के बावजूद प्रमुख मार्गों पर न तो पर्याप्त पुलिस बल तैनात था और न ही वैकल्पिक मार्गों व पार्किंग की कोई समुचित व्यवस्था की गई थी। इसके चलते नगर के मुख्य चौक-चौराहों पर घंटों जाम की स्थिति बनी रही। रथयात्रा मार्ग पर भीड़ के बीच दोपहिया वाहनों की अनियंत्रित आवाजाही से कई श्रद्धालु और स्थानीय नागरिक परेशान होते रहे।

प्रशासन से भविष्य के लिए पुख्ता कार्ययोजना की मांग

इस अव्यवस्था को लेकर नगरवासियों और बाहर से आए श्रद्धालुओं में प्रशासन के प्रति गहरी नाराजगी देखी गई। प्रबुद्ध नागरिकों ने प्रशासन से अपेक्षा व्यक्त की है कि भविष्य में ऐसे बड़े और पूर्वनिर्धारित धार्मिक आयोजनों के लिए पहले से विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाए। पर्याप्त पुलिस व यातायात कर्मियों की तैनाती, प्रभावी बैरिकेडिंग और पार्किंग व्यवस्था सुचारु की जाए, ताकि श्रद्धालुओं को एक सुरक्षित और सुगम वातावरण मिल सके। नगरवासियों का कहना है कि यह ऐतिहासिक रथयात्रा छुईखदान की धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान है। जिसे भविष्य में और अधिक भव्य, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित रूप में संपन्न कराया जाना चाहिए।

बोरतलाव हादसा : 3 मासूमों की मौत के दोषी 6 लोगों पर दर्ज हो एफआईआर : विजय राज चौहान

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एसपी के नाम एसडीएम को सौंपा ज्ञापन, रेलवे ठेकेदार, माइनिंग अफसर व तहसीलदार सहित 6 को ठहराया जिम्मेदार

डोंगरगढ़ (दावा)। बोरतलाव क्षेत्र में पानी में डूबने से तीन मासूम बच्चों की दर्दनाक मौत का मामला अब गरमाता जा रहा है। इस हृदय विदारक घटना के दोषियों के खिलाफ ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों के बाद अब कांग्रेस संगठन ने भी मोर्चा खोल दिया है। जिला कांग्रेस महामंत्री विजय राज चौहान के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं, ग्रामीणों एवं पीड़ित परिजनों ने पुलिस अधीक्षक (एसपी) के नाम एसडीएम, एसडीओपी तथा पुलिस थाना बोरतलाव को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई है कि इस भीषण लापरवाही के जिम्मेदार रेलवे ठेकेदार सहित 6 लोगों पर तत्काल प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज कर दंडात्मक कार्रवाई की जाए।

अवैध खनन से बने मौत के कुएं, नियमों को ताक पर रखा

सौपे गए ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि बीती 15 जुलाई को ग्राम बोरतलाव में एक बेहद दुखद घटना घटी। जिसमें अवैध खनन से बने गड्ढे में भरे पानी में डूबने से तीन मासूम बच्चों की असमय मौत हो गई। बताया जा रहा है कि रेलवे की तीसरी लाइन के निर्माण कार्य हेतु इस स्थान पर भारी उत्खनन किया गया था। नियमानुसार कार्य पूरा होने के उपरांत संबंधित एजेंसी को गड्ढों में मिट्टी भरकर उन्हें समतल करना अनिवार्य होता है। लेकिन नियमों को ताक पर रखकर इस प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। जिसके कारण यह गड्ढा जानलेवा साबित हुआ।

यह दुर्घटना नहीं, सीधे तौर पर हत्या है

कांग्रेस ने इसे सामान्य दुर्घटना मानने से साफ इनकार करते हुए इसे हत्या करार दिया है। ज्ञापन के अनुसार, इस पूरे मामले में प्रथम दृष्टया 6 लोग सीधे तौर पर दोषी नजर आ रहे हैं। जिन पर तत्काल दंडात्मक कार्रवाई और मृतकों के परिवारों को उचित मुआवजा देने की मांग की गई है।

कांग्रेस के अनुसार ये 6 लोग हैं दोषी

तत्कालीन कार्य एजेंसी (रेलवे ठेकेदार) जिसने गड्ढा खुला छोड़ा। रेलवे के जिम्मेदार इंजीनियर जिन्होंने कार्य का सही निरीक्षण नहीं किया। संबंधित जमीन का मालिक जिसने अवैध खुदाई के लिए अपनी सहमति दी। तत्कालीन माइनिंग अधिकारी जिन्होंने अवैध उत्खनन पर आंखें मूंदे रखीं। तत्कालीन तहसीलदार जिन्होंने क्षेत्र में हो रहे अवैध कार्य को नहीं रोका। तत्कालीन थाना प्रभारी जिन्होंने भारी वाहनों की अवैध आवाजाही पर ध्यान नहीं दिया।

क्षेत्र में खुले पड़े गड्ढों को तत्काल समतल करने की मांग

महामंत्री विजय राज चौहान ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि क्षेत्र में अभी भी कई स्थानों पर रेलवे कार्य के नाम पर मुरूम निकाल कर गड्ढों को ऐसे ही लावारिस छोड़ दिया गया है। ये गड्ढे इंसानों और मवेशियों दोनों के लिए हर वक्त खतरा बने हुए हैं। उन्होंने मांग की कि तहसीलदार के माध्यम से ऐसे सभी स्थानों का तत्काल निरीक्षण कराया जाए और अवैध उत्खनन करने वालों पर सख्त कार्रवाई कर गड्ढों को समतल कराया जाए। प्रशासन के सुस्त रवैये के कारण ही ऐसे अपराधी बच निकलते हैं, जिसे अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मुकेश को मिली भाजयुमो भिलाई जिला सहप्रभारी की जिम्मेदारी

डोंगरगांव (दावा)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव की अनुशंसा पर भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष राहुल टिकरिहा द्वारा छत्तीसगढ़ में युवा मोर्चा के संभाग प्रभारी, सहप्रभारी, जिला प्रभारी एवं सहप्रभारी की घोषणा की गई है। इसी क्रम में कुमरदा मंडल क्षेत्र के भाजयुमो के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मुकेश साहू को सांगठनात्मक जिला भिलाई युवा मोर्चा का सह-प्रभारी नियुक्त किया गया है।

श्री साहू इससे पूर्व डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म (डीएलपी) के अंतर्गत जिला भिलाई के प्रभारी के रूप में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुके हैं। उनके नेतृत्व में भिलाई जिला युवा मोर्चा ने डीएलपी अभियान में पूरे प्रदेश में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था। मुकेश साहू ने संगठन में बूथ अध्यक्ष, शक्ति केंद्र प्रभारी, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष उपाध्यक्ष सहित विभिन्न दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया है। इसके अलावा उन्होंने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में प्रवासी कार्यकर्ता के रूप में लंबे समय तक कार्य करते हुए संगठन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनकी सक्रियता, संगठनात्मक क्षमता एवं पार्टी के प्रति समर्पण को देखते हुए युवा मोर्चा प्रदेश नेतृत्व ने उन्हें सांगठनात्मक जिला भिलाई युवा मोर्चा के सह प्रभारी का महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा है। मुकेश साहू की इस नियुक्ति पर क्षेत्र के कार्यकर्ताओं एवं शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त किया है।

भूमिपूजन नहीं, बच्चों के भविष्य की नींव मजबूत हुई : स्कूल में मिला शुद्ध पेयजल का स्थायी इंतजाम

नगर पंचायत अध्यक्ष निधि से शासकीय नवीन पूर्व माध्यमिक शाला गंडई में नलकूप का लोकार्पण, सैकड़ों छात्र-छात्राओं को मिलेगी बड़ी राहत

गंडई पंडरिया (दावा)। शासकीय नवीन पूर्व माध्यमिक शाला गंडई के विद्यार्थियों को अब पीने के पानी की समस्या से जूझना नहीं पड़ेगा। गुरुवार 16 जुलाई को नगर पंचायत अध्यक्ष की निधि से नवनिर्मित नलकूप (बोरवेल) का विधिवत लोकार्पण किया गया। इस जनहितकारी पहल से विद्यालय परिसर में स्वच्छ एवं पर्याप्त पेयजल की स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित हो गई है। जिससे शाला के सैकड़ों विद्यार्थियों और शिक्षक-शिक्षिकाओं को सीधा लाभ मिलेगा।

मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता : खुशरो

लोकार्पण समारोह के मुख्य अतिथि नगर पंचायत अध्यक्ष लाल टारकेश्वर शाह खुशरो ने अपने संबोधन में कहा कि गुणवत्तायुक्त शिक्षा के साथ-साथ नौनिहालों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना भी जनप्रतिनिधियों की सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि विद्यालय में पेयजल की बेहतर व्यवस्था होने से बच्चों को बड़ी राहत मिलेगी और शाला का शैक्षणिक वातावरण भी अधिक अनुकूल व सुदृढ़ बनेगा। कार्यक्रम में नगर पंचायत उपाध्यक्ष सहित वार्ड क्रमांक 7 के पार्षद राकेश निषाद, लियाकत अली, अमित टंडन एवं मन्नूलाल चंदेल सहित अनेक स्थानीय जनप्रतिनिधि और वार्डवासी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

विद्यालय परिवार ने जताया आभार

नलकूप खनन और लोकार्पण पर हर्ष व्यक्त करते हुए विद्यालय परिवार की ओर से प्रधानाध्यापिका श्रीमती यांत्री पडवार और शिक्षकों ने अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया। कार्यक्रम के अंत में आभार व्यक्त करते हुए शिक्षकों ने कहा कि नलकूप की इस स्थायी सुविधा से विद्यार्थियों को लंबे समय तक स्वच्छ व शुद्ध पेयजल उपलब्ध होगा तथा विद्यालय की बुनियादी अधोसंरचना मजबूत होगी। इस गरिमामय लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान संकुल शैक्षिक समन्वयक कौशल सिंह राजपूत, शिक्षक डॉ. मांघीलाल यादव, सुनीता मरकाम, संतोष कुमार रजक, कमलेश सिंह नेताम, संतोष दास झारिया, पुनेश्वर देवांगन सहित समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं, स्कूली बच्चे और गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

विक्रांत सिंह के समक्ष युवाओं ने थामा भाजपा का दामन, खैरागढ़ में हुआ भव्य स्वागत

डुमरिया के युवाओं ने किया भाजपा में प्रवेश, जिला पंचायत उपाध्यक्ष बोले- भाजपा सिर्फ दल नहीं, एक मजबूत विचारधारा है

खैरागढ़ (दावा)। छुईखदान ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले ग्राम डुमरिया के युवाओं ने भारतीय जनता पार्टी की रीति-नीति और लोक-कल्याणकारी विचारधारा से प्रभावित होकर भाजपा का दामन थाम लिया है। इन सभी युवाओं ने खैरागढ़ पहुंचकर जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में उत्साहपूर्वक पार्टी की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण की। कार्यक्रम के दौरान विक्रांत सिंह ने सभी नवप्रवेशी युवाओं को भाजपा का गमछा पहनाकर, तिलक लगाकर और मिठाई खिलाकर संगठन में उनका आत्मीय स्वागत किया। इस दौरान पूरा कार्यक्रम स्थल युवाओं की ऊर्जा और भारत माता की जय के नारों से गुंजायमान रहा।

कार्यकर्ता ही संगठन की मजबूती का असली आधार : विक्रांत सिंह

इस अवसर पर नवप्रवेशी युवाओं को संबोधित करते हुए जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सिर्फ एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि एक राष्ट्रभक्त और मजबूत विचारधारा है। यहां प्रत्येक कार्यकर्ता को परिवार के सदस्य की तरह सम्मान मिलता है। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा पूर्णतः कार्यकर्ता आधारित पार्टी है। जहां हर एक व्यक्ति की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। केंद्र और राज्य दोनों ही स्तर पर भाजपा की डबल इंजन सरकार होने से क्षेत्र में विकास कार्यों को नई गति मिली है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में संचालित हो रही विभिन्न जनकल्याणकारी एवं महत्वाकांक्षी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए पूरी ताकत से जुट जाएं।

सरकारी योजनाओं को घर-घर पहुंचाएंगे युवा

भाजपा में शामिल होने के बाद उत्साहित युवाओं ने कहा कि वे पार्टी के राष्ट्रवादी सिद्धांतों से प्रेरित होकर संगठन का हिस्सा बने हैं। युवाओं ने मंच से संकल्प लिया कि वे शासन की प्रत्येक कल्याणकारी योजना को जन-जन तक पहुंचाने और संगठन को धरातल पर और अधिक मजबूत बनाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएंगे। पार्टी प्रवेश के इस गरिमामय एवं महत्वपूर्ण कार्यक्रम के अवसर पर बालाराम जंघेल, सुरेंद्र मंडावी, परमेश्वर सिन्हा, राजू मेरावी, मन्थिर यादव, अशवन यादव, नंदू मेरावी सहित ग्राम पटेल पुरेंद्र विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन आपसी सौहार्द और संगठनात्मक एकजुटता के संकल्प के साथ हुआ।

अडाम स्कूल के अनोखा नवाचार : शिक्षिका घलो बनिन लइका मन के संगवारी

बच्चों के साथ शिक्षिका ने पहनी स्कूल ड्रेस, अनुशासन और समानता का दिया प्रेरक संदेश

डोंगरगांव (दावा)। शासकीय प्राथमिक शाला अडाम की नवाचारी शिक्षिका ने विद्यालय में बच्चों के बीच अनुशासन, समानता और आत्मीयता की भावना विकसित करने के उद्देश्य से एक सराहनीय एवं प्रेरणादायी नवाचार किया है। उन्होंने स्वयं भी विद्यार्थियों की तरह विद्यालय की निर्धारित स्कूल ड्रेस पहनकर विद्यालय आना शुरू किया है। बता दें कि शिक्षिका कोनिका सोनी स्कूलों बच्चों से जुड़े अपने नवाचार के लिए जानी जाती है। अब शासन ने बच्चों के लिए नया ड्रेस कोड का निर्धारण किया तो उन्होंने भी अपने लिए उसी रंग और पैटर्न के कपड़े का ड्रेस बनवाकर स्कूल जाना शुरू कर दिया है। उनका मानना है कि शिक्षक का आचरण ही विद्यार्थियों के लिए सबसे बड़ी सीख होती है। जब शिक्षक स्वयं विद्यालय के नियमों का पालन करते हैं तो बच्चे भी स्वाभाविक रूप से अनुशासित रहते हैं और विद्यालय की वेशभूषा के महत्व को समझते हैं। इस पहल के बाद बच्चों में स्कूल ड्रेस पहनने के प्रति उत्साह बढ़ा है तथा विद्यालय में अनुशासन और एकरूपता का वातावरण और अधिक मजबूत हुआ है। यह नवाचार केवल वेशभूषा तक सीमित नहीं है। बल्कि बच्चों के मन में यह भावना भी विकसित करता है कि शिक्षक और विद्यार्थी एक ही विद्यालय परिवार के सदस्य हैं। इससे बच्चों में आत्मविश्वास, अपनापन और विद्यालय के प्रति सम्मान की भावना बढ़ रही है। विद्यालय के प्रधानपाठक महेंद्र पाटिल सहित शिक्षकों, अभिभावकों एवं ग्रामीणों ने श्रीमती सोनी की इस अनूठी पहल की सराहना करते हुए इसे अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणादायक बताया है। शिक्षा के क्षेत्र में इस प्रकार के छोटे-छोटे नवाचार बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण और अनुशासन की संस्कृति विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

शहीद ग्राम बादराटोला में दस्त का प्रकोप, स्थिति काबू में

गांव पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम

डोंगरगांव (दावा)। छुरिया विकासखंड के अंतर्गत आने वाले समीपस्थ ग्राम बादराटोला में इन दिनों ग्रामीण डायरिया की शिकायत से परेशान हैं। हालांकि अभी स्थिति पूरी तरह से काबू में है और स्वास्थ्य विभाग की टीम ने कैंप लगाकर ग्रामीणों का इलाज किया है। वहीं कुछ मरीजों का डोंगरगांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज जारी है। ग्राम के बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक डायरिया की चपेट में हैं। इधर ग्राम सरपंच ने तत्परता दिखाते हुए तत्काल स्वस्थ विभाग से संपर्क कर शिविर के माध्यम से ग्रामीणों का इलाज कराया और लगातार ग्रामीणों के संपर्क में हैं। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम बादराटोला में बीते शुक्रवार से बड़ी संख्या में ग्रामीणों को दस्त की शिकायत हुई और देखते ही देखते 25-30 ग्रामीण इसकी चपेट में आ गये। गनीमत यह रही कि किसी को भी उल्टी की शिकायत नहीं थी। गांव में डायरिया की चपेट में 3 वर्ष से 65 वर्ष व इससे अधिक उम्र के बुजुर्ग आये हैं। जिनका इलाज निरंतर जारी है। इस बात की जानकारी ग्राम सरपंच व अन्य जनप्रतिनिधियों को मिली और वे छुरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में संपर्क कर शिविर लगवाया। इधर बढ़ते मरीजों की संख्या को देखते हुए उन्हें डोंगरगांव अस्पताल में भी इलाज के लिए लाया गया। जहां डॉ. रागिनी चंद्रे सहित उनकी टीम पीड़ित मरीजों का ईलाज कर रहे हैं। बीएमओ श्रीमती चन्द्रे ने बताया कि अभी स्थिति सामान्य है और मरीजों को उपचार के बाद घर भेज दिया गया है। वहीं अब गांव में ऐहतियातन छुरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की टीम घर घर सर्वे कर पीड़ित मरीजों को ओआरएस घोल और दवाई वितरण कर रहे हैं और गरम व उबला पानी पीने की सलाह दी जा रही है। गांव में मुनादी कराई गई है। जलागार पानी टंकी को साफ-सफाई कराया गया। नल कनेक्शन की भी जांच की गई है। ग्रामीण मरीजों के इलाज का पूरा ध्यान रखा जा रहा है और डायरिया की शिकायत क्यों हुई इसकी जांच कराई जाएगी? विभाग के कार्मचारी पानी का सैम्पल ले गए हैं।

क्या क्रमोन्नत/समयमान वेतनमान का तुलनात्मक अध्ययन किये बिना विकल्प पत्र भरना सुसंगत है?

जानकारी के अभाव में गलत विकल्प पत्र चयन से कर्मचारियों को नुकसान हो सकता है- फेडरेशन

राजनांदगांव (दावा)। छत्तीसगढ़ प्रदेश शिक्षक फेडरेशन द्वारा उठाए गए इस संवेदनशील और महत्वपूर्ण मुद्दे का सार बेहद स्पष्ट है–उचित जानकारी और तुलनात्मक अध्ययन के बिना विकल्प पत्र भरवाना कर्मचारियों के वित्तीय हितों के साथ समझौता करने जैसा है।

शासन के हालिया आदेशों और नियमों के बीच कई ऐसी विसंगतियां हैं, जिन्हें दूर किए बिना विकल्प भरवाना कर्मचारियों को सीधे तौर पर नुकसान पहुंचा सकता है। इस पूरे मामले के मुख्य बिंदुओं और तकनीकी विसंगतियों का आसान विश्लेषण नीचे दिया गया है।

मुख्य विसंगतियां और फेडरेशन के सवाल

अस्तित्व पर सवाल (पैरा-1)- आदेश में उल्लेख है कि शिक्षक संवर्ग के लिए क्रमोन्नति योजना 31.03.2026 के बाद समाप्त समझी जाएगी। जब योजना ही समाप्त हो रही है, तो उससे तुलना कर विकल्प चुनने का औचित्य क्या रह जाता है।

सहायक शिक्षकों का पेंच (पैरा-7) -समयमान वेतनमान- के परिशिष्ट-2 में सहायक शिक्षक के पदनाम और वेतनमान का उल्लेख ही नहीं है। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा इसका प्रस्ताव अभी वित्त विभाग को भेजा जाना बाकी है। ऐसे में सहायक शिक्षक किस आधार पर विकल्प चुनें।

संविलियन और प्रथम नियुक्ति का भ्रम- सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश (06/11/25) के अनुसार सहायक शिक्षक (एल.बी.) को संविलियन तिथि से 10 व 20 वर्ष पर क्रमोन्नति मिलनी है। लेकिन विकल्प पत्र में प्रथम नियुक्ति की प्रविष्टि तो है, पर संविलियन तिथि दर्ज करने के लिए कोई स्थान (कॉलम) ही नहीं है।

पदोन्नति और अपरिवर्तनीयता- यदि कोई कर्मचारी प्रथम नियुक्ति के बाद उच्च पद पर पदोन्नत हो चुका है, तो क्या उसका पुराना विकल्प यथावत रहेगा? चूंकि विकल्प अंतिम और अपरिवर्तनीय है, इसलिए बिना स्पष्टीकरण के निर्णय लेना जोखिम भरा है।

वेतनमान में असमानता (विसंगति)- सीमित परीक्षा से चयनित प्रधानपाठक (प्राथमिक शाला)- समयमान का लाभ (लेवल-10 और लेवल-12) स्वीकृत है।

सीमित परीक्षा से चयनित प्रधानपाठक (पूर्व माध्यमिक शाला - राजपत्रित)- इन्हें समयमान वेतनमान स्वीकृत नहीं किया गया है।?

फेडरेशन की सलाह (किसे क्या चुनना चाहिए?) महत्वपूर्ण निष्कर्ष- चूंकि समयमान वेतनमान त्रिस्तरीय होता है, इसलिए यह आमतौर पर अधिक लाभप्रद होता है। शिक्षक / व्याख्याता / प्राचार्य (सीधी भर्ती या पदोन्नत)- इनके लिए समयमान वेतनमान का विकल्प चुनना अधिक फायदेमंद साबित होगा।

सहायक शिक्षक (प्रथम नियुक्ति वाले)- इनके लिए समयमान का आदेश अभी तक लंबित होने के कारण विकल्प चुनना असमंजस भरा है। इनके लिए पहले सुसंगत प्रस्ताव पारित होना आवश्यक है।

क्या आप इस संबंध में किसी विशिष्ट नियम, गणना या विभाग को भेजे जाने वाले अभ्यावेदन का प्रारूप तैयार करने में मदद चाहते हैं?

कांग्रेसजनों ने मनाया प्रदेश अध्यक्ष का जन्मदिन

डोंगरगढ़ (दावा)। ब्लाक शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के जन्मदिवस के अवसर पर उनके दीर्घायु व स्वस्थ जीवन और उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए मां बम्लेश्वरी मंदिर में पूजा-अर्चना कर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों को फल वितरण किया गया। इस दौरान ब्लाक शहर कांग्रेस अध्यक्ष हरीश भंडारी, संध्या देशपांडे धीरज मेश्राम, अनिल मेश्राम, शिशुपाल भारती, बबलु शांडिल्य, ललिता साखरे, निधी गजभिए, किरण मेश्राम, प्रमोद टेम्भुर्णीकर, रिम्मी भाटिया, एडविन हैदर रामजी तराने, शिव निषाद संजय यादव, प्रमोद ठाकुर, नरेश करसे, सूरज साहू, रमेश साखरे, संजय फुले, मयूर हथेल, जगतारण यादव, रवि राय, वसीम खान, रोशन यादव महेश बोरकर पप्पु इंदुरकर केशव टांडी प्रशांत काड़े, राहुल यादव, दिव्यांश ठाकुर, गणेश यादव, अजय मानिकपुरी, सागर साहू, टिकाराम, कुणाल यादव, रोहन नेताम, सुरेन्द्र अम्बादे सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गोल्डन बूट जीतने की रेस में लियोनल मेसी बनाई बढ़त एमबापे के पास अभी भी पहली पोजीशन पर पहुंचने का मौका

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल मुकाबला डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना और स्पेन की टीम के बीच में खेला जाएगा। वहीं गोल्डन बूट जीतने की रेस में लियोनल मेसी एकबार फिर से पहली पोजीशन पर पहुंच गए हैं।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना ने इंग्लैंड को 2-1 के अंतर से मात देने के साथ खिताबी मैच के लिए अपनी जगह को पक्का कर लिया है। अब अर्जेंटीना का सामना फाइनल मुकाबले में स्पेन से होगा। वहीं इसके अलावा सभी की नजरें गोल्डन बूट जीतने वाले खिलाड़ी को लेकर भी टिकी हुई है जिसमें दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले के बाद लियोनल मेसी ने पहली पोजीशन पर कब्जा कर लिया है। इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मैच में मेसी ने कोई गोल तो नहीं किया लेकिन उन्होंने अर्जेंटीना की तरफ से हुए 2 गोल में असिस्ट की जिम्मेदारी निभाई जिसके दम पर अब वह फिर से गोल्डन बूट जीतने की रेस में पहले नंबर पर पहुंच गए हैं।

मेसी अब तक कर चुके हैं 8 गोल

लियोनल मेसी ने अभी तक अपने करियर में एकबार भी गोल्डन बूट नहीं जीता है जिसमें उनके पास इस बार शानदार मौका रहने वाला है। मेसी ने फीफा वर्ल्ड कप में जहां अब तक कुल 8 गोल किए हैं तो वहीं 4 में उन्होंने असिस्ट की भूमिका निभाई है। वहीं इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर फ्रांस के किलियन एमबापे हैं जिन्होंने भी कुल 8 गोल किए हैं, लेकिन उनके नाम सिर्फ तीन असिस्ट हैं। तीसरे नंबर पर नॉर्वे के खिलाड़ी इर्लिंग हालंद का नाम है जिनकी टीम का सफर क्वार्टर फाइनल मुकाबले में इंग्लैंड के खिलाफ मैच में मिली हार के साथ खत्म हो गया था।

फ्रांस की टीम भले ही फीफा वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल मुकाबले में पहुंचने में कामयाब नहीं हो सकी लेकिन उनके पास अब तीसरी पोजीशन पर रहते हुए टूर्नामेंट खत्म करने का शानदार मौका है। ऐसे में किलियन एमबापे के पास मेसी को पीछे छोड़कर गोल्डन बूट की रेस में पहली पोजीशन पर पहुंचने का मौका बाकी है। फ्रांस और इंग्लैंड की टीम के बीच में थर्ड पोजीशन के लिए भारतीय समयानुसार 19 जुलाई की देर रात 2.30 पर मैच खेला जाएगा।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 में गोल्डन बूट रेस में शामिल खिलाड़ी

लियोनल मेसी (अर्जेंटीना)
- 8 गोल, 4 असिस्ट

किलियन एमबापे (फ्रांस)
- 8 गोल, 3 असिस्ट

इर्लिंग हालंद (नॉर्वे)
- 7 गोल

जूड बेलिंगघम (इंग्लैंड)
- 6 गोल, एक असिस्ट

हैरी केन (इंग्लैंड)
- 6 गोल, एक असिस्ट

एमबापे के अभी भी पहली पोजीशन पर पहुंचने का मौका

वॉशिंगटन फ्रीडम ने MI न्यूयॉर्क को 6 विकेट से हराकर इतिहास रचा

नई दिल्ली। मेजर लीग क्रिकेट 2026 के एलिमिनेटर मुकाबले में वॉशिंगटन फ्रीडम ने MI न्यूयॉर्क को 6 विकेट से हराकर इतिहास रच दिया। ओकलैंड में खेले गए मुकाबले में स्टीव स्मिथ की कप्?तानी वाली फ्रीडम ने रूढ्ढ न्यूयॉर्क के खिलाफ रिकॉर्ड-तोड़ रन चेज किया। इसके साथ ही आईपीएल फ्रेंचाइजी पंजाब किंग्?स का रिकॉर्ड टूट गया। पंजाब किंग्स ने अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 265 रन चेज किए थे।

निकोलस पूरन के रूरुष्ट में सबसे तेज शतक (31 गेंद) की मदद से रूढ्ढ न्यूयॉर्क ने 20 ओवर में 266/9 स्कोर बनाया। इसके बाद फ्रीडम ने स्टीव स्मिथ और एंड्रिस गौस के साथ तीसरे विकेट के लिए जबरदस्त साझेदारी करते हुए 89 गेंदों में 241 रन बनाए और मैच पर पकड़ बना ली।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर स्मिथ ने 48 गेंदों पर नाबाद 110 रन बनाए। वहीं विकेटकीपर-बल्लेबाज गौस ने 51 गेंदों पर 132 रन की पारी खेली। इस दौरान उन्होंने दस चौके और 12 छक्के जड़े। इस शानदार बल्लेबाजी के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। वॉशिंगटन फ्रीडम ने 8 गेंद पहले ही 270/4 रन बनाकर टारगेट हासिल किया। यह टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन चेज है। इससे पहले यह रिकॉर्ड पंजाब किंग्स के नाम था। केएल राहुल की 67 गेंदों पर नाबाद 152 रनों की पारी की बदौलत दिल्ली कैपिटल्स ने 20 ओवर में 264 रन बनाए थे। नीतीश राणा के बल्ले से 91 रन निकले थे।

दोनों के बीच 95 गेंदों पर 220 रन की साझेदारी हुई थी। पंजाब किंग्स ने 265 रन के टारगेट को 19वें ओवर में हासिल कर लिया था।

शासकीय नेहरू कॉलेज का स्नातक अंतिम वर्ष का परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट

उत्तीर्ण विद्यार्थियों में 18 ने प्रथम श्रेणी तथा 122 ने द्वितीय श्रेणी प्राप्त की

डोंगरगढ़ (दावा)। शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय, डोंगरगढ़ के सत्र 2025-26 के स्नातक अंतिम वर्ष (बी.ए., बी.कॉम. एवं बी.एससी.) का परीक्षा परिणाम प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी उत्कृष्ट रहा। तीनों संकायों में विद्यार्थियों ने उल्लेखनीय सफलता प्राप्त कर नगर एवं महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया।

महाविद्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, बी.ए. अंतिम वर्ष में 72 छात्र एवं 133 छात्राएं, कुल 205 नियमित परीक्षार्थी सम्मिलित हुए। इनमें से 151 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए।

बी.ए. का कुल परीक्षा परिणाम 73.66 प्रतिशत रहा

इसी प्रकार बी.कॉम. अंतिम वर्ष में 34 छात्र एवं 46 छात्राएं, कुल 80 नियमित परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। इनमें 63 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए, जिनमें 3 ने प्रथम श्रेणी तथा 56 ने द्वितीय श्रेणी प्राप्त की। बी.कॉम. का परीक्षा परिणाम 78.75 प्रतिशत दर्ज किया गया।

वहीं बीएससी. अंतिम वर्ष में 26 छात्र एवं 75 छात्राएं, कुल 101 नियमित परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए। इनमें 94 विद्यार्थी सफल रहे। उत्तीर्ण विद्यार्थियों में 41 ने प्रथम श्रेणी तथा 53 ने द्वितीय श्रेणी प्राप्त की। बीएससी. का परीक्षा परिणाम 93.07 प्रतिशत रहा, जो तीनों संकायों में सर्वाधिक रहा। उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम पर महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार जाम्बुलकर ने सभी सफल विद्यार्थियों, विशेष रूप से प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने महाविद्यालय के कला, वाणिज्य एवं विज्ञान संकाय के समस्त सहायक प्राध्यापकों, अतिथि व्याख्याताओं एवं स्ववित्तीय शिक्षकों का बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शन और विद्यार्थियों की सफलता में उनके योगदान के लिए आभार व्यक्त किया।

नवागांव में हुई अतिक्रमण पर कार्यवाही

राजनांदगांव (दावा)। नवागांव वार्ड नं. 2 में अतिक्रमण होने की शिकायत पर निगम का अतिक्रमण दस्ता अतिक्रमण को जे.सी.बी. से तोडने की कार्यवाही किए। नवागांव में पीपलेश्वर महादेव मंदिर के पास श्री प्रकाश पाटील के द्वारा शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर ठेला रख दिवाल बनाया जा रहा था, जिसे निगम के अतिक्रमण दस्ता ने जे.सी.बी. के माध्यम से तोड़ा।

बारिश में साफ सफाई की दृष्टिकोण से एवं समुचित पानी निकासी के लिए नगर निगम का अतिक्रमण दस्ता वार्डो में निरीक्षण कर निकासी में आये बाधा और आवागमन प्रभावित होने की दृष्टिकोण से अतिक्रमण हटाव अभियान चला रही है। वही मलमा मंडप के तहत रोड में व नाली जाम कर रखे बिल्डिंग मटेरियल एवं मलमा भी हटाने की कार्यवाही कर रही है। इसी परिप्रेक्ष्य में आज निगम आयुक्त जी.आर. मरकाम के निर्देश पर नगर निगम की अतिक्रमण हटाव टीम ने नवागांव में शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाए। टीम ने संबंधित को समझाईस दी है कि इस प्रकार की पुनरावृत्ति न हो, अन्यथा चलानी कार्यवाही भी की जावेगी।

उपअभियंता तिलकराज ध्रुव व मोनेन्द्र साठिया, सह.उद्यान प्रभारी दीलिप गिरी, समयपाल चिराग मेश्राम, प्र.पटवारी श्री मिलिन्द रेड्डी व श्री गणेश झा तथा अमला जे.सी.बी. टिप्पर के साथ फ्लाई ओव्हर के नीचे पहुचे और ठा.प्यारेलाल स्कूल के सामने नीचे से अनाधिकृत रूप से रखे 6 ठेले खोमचे व दुकान संचालित करने वाले ठेला हटाया गया। कुछ लोगो ने स्वयं से ठेला हटाये। यह अभियान निरंतर जारी रहेगी।

आयुक्त श्री मरकाम ने शहर को स्वच्छ एवं साफ रखने सहयोग करने नागरिको एवं व्यापारियों से अपील करते हुये कहा है कि शहर के चैक चैराहो एवं रोड में पसरा व ठेला खोमचा न लगावे। रोड में पसरा आदि लगाने से यातायात बाधित होने के साथ साथ दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है। इसी प्रकार अतिक्रमण करने से पानी निकासी प्रभावित होती है। साथ ही सडक में मलमा या मटेरियल रखने से गंदगी फैलती है। उन्होने कहा कि निगम का अतिक्रमण दस्ता हटाने की कार्यवाही करेगी उससे पूर्व हटा लेवे अन्यथा बिना सूचना हटाकर जुर्माना वसूला जावेगा।

जिला कलेक्टर के बेलगांव प्रवास पर ग्रामीणों ने की मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराने की मांग

निस्तारी तालाब में जाने वाले गंदे पानी को रोकना ग्रामीणों की प्राथमिकता में

डोंगरगढ़/बेलगांव (दावा)। जिला कलेक्टर जितेंद्र यादव ने डोंगरगढ़ विकासखंड के ग्राम बेलगांव में ग्रे वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान आसपास के नालों की सफाई करने के निर्देश दिए।

इस दौरान कलेक्टर बरगद पेड़ के नीचे आयोजित पीएम सूर्यसभा में शामिल हुए तथा उन्होंने ग्रामवासियों से प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि इस योजना से न केवल बिजली के बिल में कमी आती है, बल्कि बिजली का उत्पादन भी होता है। उन्होंने प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को निःशुल्क परिवहन सुविधा दिलाने के लिए पास देने के लिए कहा।

इस दौरान सरपंच कौशल चंद्रवंशी एवं वरिष्ठ भाजपा नेता मुरली गेडाम तथा ग्रामीणों ने अधिकारियों को बताया कि वर्षो से गांव का गंदा पानी तालाब में जा रहा है जिसके कारण ग्रामीण निस्तारी कार्य हेतु तालाब का उपयोग नहीं कर पा रहे है। ग्रामीण नाली की मांग करते-करते थक गए ग्रामीणों ने हायर सेकेंडरी तथा प्राइमरी स्कूलों में शिक्षकों की कमी, प्राथमिक शाला में बाउंड्रीवॉल, खाद्य भवन की मांग, नाली निर्माण की मांग तथा देवकट्टा जलाशय में नहर लाइनिंग में हुए भ्रष्टाचार की जांच की मांग कलेक्टर के सामने रखी। कलेक्टर ने गांव में 100 घरों में कम से कम सौर ऊर्जा लग जाने पर ग्राम पंचायत को एक करोड़ की राशि देने की बात कहीं तथा कम लागत में ज्यादा उत्पादन हेतु नैनो डीएपी और यूरिया का उपयोग किसानों से करने की अपील की। इस अवसर जनपद पंचायत डोंगरगढ़ सीईओ, विद्युत मंडल अधिकारी सोनवानी, सरपंच कौशल चंद्रवंशी, योगेश साहू, पूर्व सरपंच छबील राम साहू, वरिष्ठ भाजपा नेता नेतराम कंवर, मुरली गेडाम, ललित लहरे बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। कलेक्टर ने सभी मांगों को पूर्ण करने का आश्वासन दिया।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष हैरी जोसेफ का मंडलों का सघन दौरा

डोंगरगांव, छुरिया, एल.बी. नगर और डोंगरगढ़ में संगठन विस्तार पर जोर, मंडल कार्यकारिणी जल्द पूर्ण करने के दिए निर्देश

राजनांदगांव (दावा)। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष हैरी जोसेफ ने संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से मंगलवार को जिले के चार प्रमुख मंडलों का सघन दौरा किया।

इस दौरान उन्होंने मंडल पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा की तथा मंडल कार्यकारिणी का गठन शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। जिले में भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा के संगठन विस्तार एवं कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय को मजबूत करने के उद्देश्य से जिला अध्यक्ष हैरी जोसेफ के नेतृत्व में 14 जुलाई को डोंगरगांव, छुरिया, एल.बी. नगर और डोंगरगढ़ मंडलों का सघन दौरा किया गया। दौरे के दौरान उन्होंने सभी मंडलों के अध्यक्षों, पदाधिकारियों एवं सक्रिय कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर संगठन की वर्तमान गतिविधियों, आगामी कार्यक्रमों तथा बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सबसे बड़ी ताकत उसका मजबूत संगठन और समर्पित कार्यकर्ता हैं। प्रत्येक कार्यकर्ता को संगठन की रीति-नीति के अनुरूप पूरी निष्ठा और सक्रियता के साथ कार्य करना चाहिए।

हैरी जोसेफ ने सभी मंडल पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि मंडल कार्यकारिणी का गठन बिना किसी विलंब के पूर्ण किया जाए ताकि संगठन के आगामी कार्यक्रमों और जनसंपर्क अभियानों को प्रभावी ढंग से संचालित किया जा सके। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आपसी समन्वय और अनुशासन बनाए रखते हुए जनता के बीच पार्टी की योजनाओं एवं उपलब्धियों को पहुंचाने का आह्वान किया। इसी क्रम में डोंगरगांव मंडल अध्यक्ष दीना पटेल से सौजन्य भेंटकर संगठन हित में सक्रिय भूमिका निभाने तथा पार्टी को और अधिक सशक्त बनाने के लिए मिलकर कार्य करने पर चर्चा की गई। वहीं छुरिया प्रवास के दौरान जनपद अध्यक्ष संजय सिन्हा के कार्यालय पहुंचकर उनसे सौजन्य मुलाकात की गई और क्षेत्र के संगठनात्मक विषयों पर विचार-विमर्श किया गया।

ईज ऑफ डूइंग बिजनेस विधेयक-2026 पारित....

हालांकि अधिक जोखिम वाली परियोजनाओं में तकनीकी परीक्षण एवं भौतिक निरीक्षण की व्यवस्था यथावत लागू रहेगी। विधेयक के अंतर्गत राज्य शासन के 8 विभागों द्वारा प्रदान की जाने वाली 43 सेवाओं को जोखिम आधारित अनुमति प्रणाली के दायरे में शामिल किया गया है। आवश्यकता अनुसार कार्यपालिका परिषद की मंजूरी से अतिरिक्त सेवाएं भी इसमें जोड़ी जा सकेंगी।

0 त्रिस्तरीय निगरानी व्यवस्था बनाई गईः विधेयक के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए त्रिस्तरीय निगरानी व्यवस्था बनाई गई है। राज्य स्तर पर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित समिति तथा जिला स्तर पर कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित समिति इसके क्रियान्वयन और अनुश्रवण की जिम्मेदारी निभाएगी। दोनों समितियां मुख्यमंत्री की अध्यक्षता वाली परिषद के मार्गदर्शन में कार्य करेंगी। इस सुधार से राज्य के 15 लाख से अधिक सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को प्रत्यक्ष लाभ मिलने की संभावना है। सरकार का मानना है कि भरोसे, स्व-घोषणा और समयबद्ध सेवाओं पर आधारित यह व्यवस्था कारोबार शुरू करने और संचालित करने में लगने वाले समय एवं लागत को कम करेगी, जबकि अधिक जोखिम वाले क्षेत्रों में प्रभावी निगरानी और परीक्षण की व्यवस्था पहले की तरह जारी रहेगी।

पुरी रथ यात्रा में भारी भीड़ से....

से बेहतर इलाज उपलब्ध कराया जाए। जगन्नाथ रथ यात्रा भारत के सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों में से एक है। इसमें हर साल देश और विदेश से लाखों श्रद्धालु शामिल होते हैं। भगदड़ के सही कारण की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। अधिकारी स्थिति का जायजा ले रहे हैं। गुरुवार को पवित्र तटीय शहर पुरी में भव्य वार्षिक रथ यात्रा देखने के लिए लाखों लोग एकत्रित हुए। विश्व प्रसिद्ध वार्षिक रथ यात्रा उत्सव की शुरुआत निर्धारित समय से पहले ही दिन में दिव्य भाई-बहनों और अन्य देवी-देवताओं के लिए पहंडी बीजे अनुष्ठान के साथ हुई। पहंडी बीजे अनुष्ठान के दौरान पवित्र भाई-बहनों और अन्य देवी-देवताओं को 12वीं शताब्दी के श्री जगन्नाथ मंदिर से उनके सजाए गए रथों तक भव्य शोभायात्रा के साथ ले जाया गया। इस दौरान घंटा, कहली और तेलिंगी बाजा जैसे पारंपरिक वाद्ययंत्रों की मधुर और दिव्य ध्वनि पूरे वातावरण में गूंजती रही। पुजारियों ने पवित्र वैदिक मंत्रों का जाप किया और पारंपरिक ओडिसी कलाकारों ने अपने मनमोहक नृत्य प्रदर्शनों से देवताओं का उनके जन्मस्थान माने जाने वाले गुंडिचा मंदिर में नौ दिवसीय प्रवास के लिए स्वागत किया। हालांकि, पहंडी बीजे की रस्में निर्धारित समय से पहले शुरू हो गईं। लेकिन गुरुवार को उनके समापन में दो घंटे से अधिक की देरी हुई।

परिसीमन विधेयकः खरगे ने.....

कानून को जल्द लागू करने के लिए इस विधेयक को पास कराना चाहती है। मौजूदा कानून के तहत महिला आरक्षण 2034 से पहले लागू नहीं हो सकता, क्योंकि यह प्रक्रिया 2027 की जनगणना के बाद होने वाले परिसीमन से जुड़ी है। सरकार चाहती है कि महिला आरक्षण को 2029 के लोकसभा चुनावों से ही लागू कर दिया जाए। इसके लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम यानी महिला आरक्षण कानून में बदलाव की जरूरत है। सरकार की योजना के अनुसार, आखिरी बार प्रकाशित जनगणना के आधार पर परिसीमन किया जाएगा। इसके बाद 2029 के संसदीय चुनावों से पहले महिला कोटा लागू करने के लिए लोकसभा सीटों की संख्या मौजूदा 543 से बढ़ाकर अधिकतम 850 की जाएगी। जनसंख्या के आधार पर परिसीमन होने से दक्षिणी राज्यों को डर है कि लोकसभा में उनकी राजनीतिक ताकत कम हो जाएगी। इन चिंताओं को दूर करने के लिए सरकार सभी राज्यों की लोकसभा सीटों में 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी करने के कई विकल्पों पर काम कर रही है। सरकार चाहती है कि सीटों की संख्या बढ़ाकर दक्षिणी राज्यों की चिंताओं को शांत किया जाए। पिछले प्रयास में सरकार दो-तिहाई बहुमत नहीं जुटा पाई थी। वर्तमान में लोकसभा में सत्तारूढ़ एनडीए के पास लगभग 300 सांसद हैं और तीन सीटें खाली हैं। इस विधेयक को पास कराने के लिए सरकार को 360 वोटों की जरूरत है।

महादेव बेटिंग ऐप मामलाः टीवी होस्ट.....

शेफाली बग्गा से पूछताछ के आधार पर एजेंसी महादेव ऑनलाइन बेटिंग नेटवर्क, हवाला लेनदेन और उससे जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की जांच को आगे बढ़ा रही है. फिलहाल ईडी की पूछताछ जारी है और जांच के बाद इस मामले में आगे की कार्रवाई की जा सकती है.

0 ईडी इस मामले में भी तक करोड़ों की संपत्ति कर चुका है जब्तः आपको बता दें कि श्श्ष्ट ने साल की शुरुआत में ही महादेव ऑनलाइन बुक और Skye&change.com से जुड़े अवैध सट्टेबाजी नेटवर्क पर एक बार फिर बड़ी कार्रवाई की थी. इस कार्रवाई के तहत ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम कानून यानी

प्रथम पृष्ठ का शेष....

PMLA के तहत 91.82 करोड़ रुपये की चल-अचल संपत्तियां अस्थायी रूप से अटैच की थी.ईडी की इस ताज़ा कार्रवाई में 74.28 करोड़ रुपये से ज्यादा की बैंक मनी अटैच की गई थी, जो दुबई की दो कंपनियों परफेक्ट प्लान इन्वेस्टमेंट एलएलसी और एग्जिम जनरल ट्रेडिंग के खातों में जमा थीं. ईडी की जांच में सामने आया था कि ये कंपनियां सौरभ चंद्राकर, अनिल कुमार अग्रवाल और विकास छपरिया से जुड़ी हुई हैं और इनका इस्तेमाल अवैध सट्टेबाजी से कमाए गए पैसे को वैध दिखाने के लिए किया जा रहा था. इसके अलावा ईडी ने 17.5 करोड़ रुपये की संपत्तियां भी अटैच की थी, जो गगन गुप्ता के नाम और उनके परिवार के सदस्यों के नाम पर थीं.गगन गुप्ता, Skye&change.com के मालिक हरि शंकर तिबरेवाल का करीबी बताया जा रहा है. ईडी का कहना है कि ये महंगी प्रॉपर्टी और लिक्विड एसेट्स नकद में कमाए गए अवैध पैसों से खरीदे गए थे.

9 किलो वजन घटा, पर नहीं घटी....

सॉलिसिटर जनरल के आश्वासन के आधार पर, कोर्ट ने निर्देश दिया कि सोनम वांगचुक की मेडिकल स्थिति की रोज़ाना क्लिनिकल निगरानी की जाए और मेडिकल सलाह के आधार पर ज़रूरत पड़ने पर ज़रूरी मेडिकल मदद दी जाए। इस निर्देश के साथ, कोर्ट ने जनहित याचिका का निपटारा कर दिया।

0 सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल को लेकर पुलिस अलर्ट परः संसद के मॉनसून सत्र से पहले, दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल कर रहे सोनम वांगचुक को लेकर निगरानी बढ़ा दी है। राजनीतिक दलों के समर्थकों और नेताओं ने सोशल मीडिया के ज़रिए घोषणा की है कि वे सत्र शुरू होने से पहले 20 जुलाई को सोनम वांगचुक का समर्थन करने के लिए जंतर-मंतर पर इकट्ठा होंगे। इसे देखते हुए पुलिस ने अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। सोनम वांगचुक की सेहत भी बिगड़ रही है, जिससे इस बात की संभावना बढ़ गई है कि पुलिस उन्हें जंतर-मंतर से हटाकर अस्पताल में भर्ती करा सकती है।

गगनयान मिशन से जुड़े वैज्ञानिकों ने इसरो छोड़ा...

पड़ा है। इसरो का वर्कहॉर्स माना जाने वाला PSLV एक साल के भीतर लगातार दो मिशनों में असफल रहा।

0 पहला- जनवरी में EOS-N1 पृथ्वी अवलोकन उपग्रह और व्यावसायिक पेलोड लेकर उड़ान भरने वाला PSLV-C62 तीसरे चरण के अंत में आई गड़बड़ी के कारण तय रास्ते से भटक गया था। दूसरा- मई 2024 में PSLV-C61/EOS-09 मिशन भी असफल रहा था। उड़ान के करीब 203 सेकेंड बाद तीसरे चरण में चेंबर प्रेशर अचानक गिर गया, जिससे रॉकेट 529 किलोमीटर की सन-सिंक्रोनस कक्षा तक नहीं पहुंच सका और मिशन समाप्त करना पड़ा। इस दौरान रडार सैटेलाइट भी नष्ट हो गया।

0 इसरो अपने दम पर इंसानों को अंतरिक्ष भेजने के मिशन पर काम कर रहाः इन चुनौतियों के बावजूद ISRO अब गगनयान मिशन, चंद्रयान-4, भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन और मंगलयान-2 जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स पर काम जारी रखे हुए है। गगनयान का लक्ष्य भारत को अपने दम पर इंसानों को अंतरिक्ष भेजने वाला दुनिया का चौथा देश बनाना है।

पश्चिम एशिया संकट के बीच केंद्र.....

इस भयानक समुद्री हमले के दौरान एमटी अल बहियाह पर तैनात एक भारतीय नाविक की दर्दनाक मौत हो गई थी, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से झुलस गया था। वहीं दूसरी तरफ, एमटी मोम्बासा पर सवार चालक दल में शामिल 9 अन्य भारतीय नाविक भी बुरी तरह घायल हुए थे। इन दुखद घटनाओं के बाद केंद्र सरकार ने देश की आंतरिक और बाह्य सुरक्षा नीतियों के तहत नाविकों को इस डेंजर जोन से दूर रखने का फैसला किया है।

0 जहाजों की रियल-टाइम निगरानी के लिए बनेगा केंद्रीय डैशबोर्डः इन गंभीर हमलों का संज्ञान लेते हुए केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने समुद्री महानिदेशालय को एक अत्याधुनिक और एकीकृत रियल-टाइम डिजिटल डैशबोर्ड विकसित करने के आदेश जारी किए हैं। इस केंद्रीय प्रणाली के माध्यम से फारस की खाड़ी, होर्मुज जलसंधि और ओमान की खाड़ी जैसे संवेदनशील समुद्री क्षेत्रों में मौजूद हर एक जहाज की लाइव लोकेशन को ट्रैक किया जा सकेगा।

वाहन खराब होने पर उपभोक्ता फोरम....

इंजन में आई खराबी किसी मैन्युफैक्चरिंग डिफेक्ट (निर्माण संबंधी कमी) के कारण नहीं थी, बल्कि इसमें मिलावटी या प्रदूषित ईंधन के इस्तेमाल से हुई थी। कंपनी ने अपनी बात साबित करने के लिए लैब टेस्ट रिपोर्ट भी दाखिल की, जिसमें कार से निकाले गए ईंधन की गुणवत्ता को खराब बताया गया था। उनका कहना था कि ईंधन की गुणवत्ता एक बाहरी कारक है और यह गाड़ी की वारंटी शर्तों के तहत कवर नहीं होता है।

0 कंज्यूमर फोरम ने कंपनी और डीलर को क्यों दोषी ठहराया?: अध्यक्ष प्रशांत कुंडू और सदस्यडॉ. आनंद वर्गीस की पीठ ने कंपनी के दावों को खारिज करते हुए आंशिक रूप से शिकायतकर्ता के पक्ष में फैसला सुनाया। आयोग ने स्पष्ट किया कि जनवरी 2023 में निर्मित यह गाड़ी ई-20 ईंधन के अनुकूल नहीं थी।

इसके बावजूद, कंपनी और डीलर ने ग्राहक को यह महत्वपूर्ण जानकारी छुपाकर 17 महीने बाद गाड़ी बेच दी। ऐसे में बार-बार ईंधन टैंक साफ करने से इस तकनीकी समस्या का समाधान नहीं हो सकता था। आयोग ने इसे उपभोक्ता के अधिकारों का हनन और सेवा में गंभीर लापरवाही करार दिया।

0 कार निर्माता कंपनी की ओर से इस मामले में क्या प्रतिक्रिया दी है?: मारुति सुजुकी इंडिया ने कहा है कि वह रायपुर जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग के उस आदेश को चुनौती देगी, जिसमें कंपनी को ई20 ईंधन से संबंधित समस्या के कारण ग्राहक की गाड़ी को नई ई20 संगत गाड़ी से बदलने का निर्देश दिया गया है। कंपनी ने बयान में कहा कि मामले की गाड़ी ई20 संगत थी और इसे ई20 ईंधन के लिए पूरी तरह से तैयार किया गया था। साथ ही, ग्राहक की गाड़ी से लिए गए ईंधन में संदूषण के प्रमाण भी मिले हैं। मारुति सुजुकी ने कहा कि आदेश में कई अन्य महत्वपूर्ण तथ्य शामिल नहीं किए गए हैं। यह फैसला देश के ऑटोमोबाइल सेक्टर में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और वाहन कंपैटिबिलिटी को लेकर चल रहे विमर्श को एक नया मोड़ देने वाला साबित होगा।

NEET UG 2026 का रिजल्ट....

जमा कर सकते हैं। अब तक 11.46 लाख उम्मीदवारों ने अपने बैंक खाते की जानकारी देकर इस प्रक्रिया को पूरा कर लिया है। अधिक जानकारी के लिए, छात्र ढ्ढश्व एजुकेशन पोर्टल पर जा सकते हैं। नीट (यूजी) 2026 की परीक्षा में लगभग 20 लाख उम्मीदवार शामिल हुए थे। यह परीक्षा भारत के 551 शहरों और विदेशों के 14 शहरों में बनाए गए कुल 5,440 केंद्रों पर आयोजित की गई थी। अंडरग्रेजुएट मेडिकल, डेंटल, आयुष और अन्य संबद्ध कोर्सेज में एडमिशन के लिए 11.21 लाख उम्मीदवारों ने परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण की है। ह्रञ्ज के आंकड़ों के अनुसार, कुल सफल (क्वालिफाइड) उम्मीदवारों में से 58 प्रतिशत से अधिक महिलाएं हैं।

कुमर्दा के श्रमिक विश्राम गृह को रेस्ट हाउस में उन्नयन की मांग, बजट में शामिल करने का आश्वासन

छुरिया/कुमर्दा (दावा)। कुमर्दा क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने कुमर्दा स्थित श्रमिक विश्राम गृह को रेस्ट हाउस में उन्नयन किए जाने की लंबे समय से चली आ रही मांग को लेकर खुज्जी विधानसभा क्षेत्र के विधायक भोलाराम साहू से सौजन्य मुलाकात की।

क्षेत्र की इस महत्वपूर्ण आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए विधानसभा में यह मांग उठाने की बात कही गई। जिसे विधायक ने गंभीरता से लेते हुए आगामी बजट में शामिल कर स्वीकृति प्रदान करवाने का भरोसा दिया। श्रमिक विश्राम गृह का रेस्ट हाउस में उन्नयन होने से क्षेत्र के शासकीय अधिकारियों, कर्मचारियों तथा दूर-दराज से आने वाले आगंतुकों को बेहतर आवासीय एवं विश्राम की सुविधा उपलब्ध होगी। जिससे क्षेत्र के विकास को भी नई गति मिलेगी।

विधायक भोलाराम साहू से मिले जनप्रतिनिधि, ग्राम में 20 लाख रुपये की लागत से सीसी रोड निर्माण की भी रखी मांग

20 लाख की लागत से बनेगी सीसी रोड

सौजन्य मुलाकात के दौरान ग्राम पंचायत कुमर्दा के जनप्रतिनिधियों ने ग्राम के आंतरिक विकास को गति देने के लिए विधायक भोलाराम साहू के समक्ष 20 लाख रुपये की लागत से सी.सी. रोड (सिमेंट कांक्रीट सड़क) निर्माण की भी प्रमुखता से मांग रखी।

विधायक ने जनहित की इस महत्वपूर्ण मांग पर भी सकारात्मक पहल करते हुए विभागीय प्रक्रिया पूरी कर शीघ्र स्वीकृति प्रदान कराने का आश्वासन दिया।

विधायक का जताया आभार

ग्राम के समग्र विकास, बेहतर सडक़ सुविधा एवं जनकल्याण के प्रति विधायक की संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए क्षेत्रवासियों ने आभार व्यक्त किया। ग्रामीणों ने कहा कि यह जनहितकारी निर्णय कुमर्दा क्षेत्र के विकास की दिशा में एक बड़ा और महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। विधायक भोलाराम साहू से सौजन्य भेंट करने वाले प्रतिनिधिमंडल में मुख्य रूप से ग्राम पंचायत कुमर्दा के सरपंच नुनकरण भुआर्य, ग्राम पटेल कांतिलाल साहू, लक्ष्मी नारायण साहू, नवीन साहू, उप सरपंच विजय कोसमा, पंच कोमल कुंजाम, बंशी लाल कोलियारे, बालाराम चुरेन्द्र, मनोज कुमार सहित बड़ी संख्या में अन्य ग्रामीण व प्रबुद्ध जन उपस्थित रहे।

लोनावला में आयोजित प्रतिष्ठित ऑल इंडिया नौ सैनिक कैंप में दिग्विजय महाविद्यालय के एनसीसी नेवल कैडेट्स ने जीते स्वर्ण पदक

राजनांदगांव (दावा)। महाराष्ट्र के आईएनएस शिवाजी लोनावला में आयोजित प्रतिष्ठित ऑल इंडिया नौ सैनिक कैंप (एआईएनएससी-एआईएनएससी) 2026 में मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ (एमपी एवं सीजी) एनसीसी निदेशालय ने ऐतिहासिक सफलता हासिल की है। निदेशालय ने देश भर के सभी 17 एनसीसी निदेशालयों को कड़े मुकाबले में पीछे छोड़ते हुए ओवरऑल चैंपियनशिप का प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम कर लिया। इस राष्ट्रीय कैंप में देशभर से 600 से अधिक चुनिंदा कैडेट्स ने हिस्सा लिया था। जिसमें राजनांदगांव के दिग्विजय महाविद्यालय के नेवल कैडेट्स ने अपनी चमक बिखेरी।

कठिन प्रतियोगिताओं में दिखाया हुनर

दिग्विजय महाविद्यालय के एनसीसी नेवल अधिकारी विकास कांडे ने जानकारी देते हुए बताया कि महाविद्यालय के कैडेट्स ने कैंप की विभिन्न कठिन एवं तकनीकी प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। बोट पुलिंग, शिप मॉडलिंग, फायरिंग तथा सिमाफोर जैसी जटिल स्पर्धाओं में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर ओवरऑल चैंपियनशिप का गौरव हासिल किया।

कैडेट लेखराम ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक जीता। कैडेट नीरज वर्मा ने उत्कृष्ट तकनीकी कौशल दिखाते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। कैडेट प्रेम प्रकाश ने बेहतरीन तालमेल और स्पर्धा में अव्वल रहते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। कैडेट यीशु दास दास ने कड़े मुकाबले के बीच महाविद्यालय के लिए कांस्य पदक जीता।

इस गौरवपूर्ण राष्ट्रीय सफलता पर शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सुचित्रा गुप्ता ने हर्ष व्यक्त किया। उन्होंने इस ऐतिहासिक उपलब्धि के पीछे मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ एनसीसी निदेशालय की विभिन्न नेवल एनसीसी यूनिट्स के अधिकारियों, पीआई स्टाफ, एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर्स (एएनओ), गर्ल कैडेट इंस्ट्रक्टर्स (जीसीआई) तथा अन्य प्रशिक्षण एवं प्रशासनिक स्टाफ के समर्पित मार्गदर्शन, कठोर प्रशिक्षण और सामूहिक प्रयासों की सराहना करते हुए बधाई दी। इस स्वर्णिम उपलब्धि पर महाविद्यालय के रजिस्ट्रार दीपक कुमार परगनिहा ने भी एनसीसी नेवल अधिकारी विकास कांडे एवं सभी विजेता कैडेट्स को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

एक दिवसीय हड़ताल एवं विधानसभा घेराव में जिले के हजारों शिक्षक हुए शामिल

शासन-प्रशासन की लगातार बनी हुई उदासीनता के कारण शिक्षकों की विवशता

राजनांदगांव (दावा)। छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक/समग्र शिक्षक फेडरेशन के प्रांतीय आह्वान पर 15 जुलाई को राजधानी रायपुर के तूता मैदान में प्रदेशव्यापी एक दिवसीय हड़ताल, धरना-प्रदर्शन एवं विधानसभा घेराव का आयोजन किया गया। इस ऐतिहासिक आंदोलन में प्रदेशभर से लाखों शिक्षक शामिल हुए। राजनांदगांव जिले से भी हजारों शिक्षक फेडरेशन के जिलाध्यक्ष रमेश कुमार साहू के नेतृत्व में शामिल हुए और अपनी सात सूत्रीय मांगों के समर्थन में जोरदार प्रदर्शन करते हुए सरकार का ध्यान आकर्षित किया।

सभा को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष रविन्द्र कुमार राठौर ने कहा कि यह आंदोलन किसी शौक का परिणाम नहीं, बल्कि शासन-प्रशासन की लगातार बनी हुई उदासीनता के कारण शिक्षकों की विवशता है। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान किए गए मोदी की गारंटी के वादों को सरकार शीघ्र पूरा करे तथा शिक्षकों की न्यायोचित मांगों पर संवेदनशीलता के साथ निर्णय ले। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मांगों का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो फेडरेशन भविष्य में इससे भी व्यापक आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। प्रांतीय पदाधिकारियों कमल वर्मा, बसंत कौशिक, मनीष मिश्रा, राकेश साहू, सिराज बख्श, अश्वनी कुर्रे एवं शंकर साहू सहित अन्य वक्ताओं ने कहा कि वर्षों से लंबित मांगों का निराकरण अब और टाला नहीं जा सकता।

फेडरेशन की प्रमुख सात सूत्रीय मांगें

टीईटी की अनिवार्यता समाप्त करते हुए वर्तमान में कार्यरत शिक्षकों की सेवा सुरक्षा हेतु विभागीय परीक्षा आयोजित की जाए। प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवा की गणना करते हुए वेतन विसंगति दूर कर क्रमोन्नति का लाभ दिया जाए। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार पदोन्नति में वरिष्ठता का पूर्ण पालन किया जाए तथा टीईटी की समय-सीमा 30 अगस्त 2028 तक सुनिश्चित की जाए। प्रथम नियुक्ति तिथि से समस्त सेवाकाल की गणना कर सभी सेवा लाभ प्रदान किए जाएं। एकल शिक्षकीय विद्यालयों में तत्काल अतिरिक्त शिक्षकों की नियुक्ति कर शिक्षा व्यवस्था सुदृढ़ की जाए।

विद्या समीक्षा केंद्र एप की तकनीकी एवं नेटवर्क संबंधी समस्याएं पूर्णतः दूर होने तक ऑनलाईन उपस्थिति को शिक्षकों के वेतन का आधार न बनाया जाए। युक्तियुक्तकरण नीति के तहत मर्ज किए गए प्राथमिक विद्यालयों के प्रधान पाठकों को विद्यालय प्रबंधन समिति में कोषाध्यक्ष का प्रभार प्रदान किया जाए।

राजनांदगांव जिले से आंदोलन में शामिल प्रमुख पदाधिकारियों में जिलाध्यक्ष रमेश कुमार साहू, जिला सचिव ओमप्रकाश साहू, जिला मीडिया प्रभारी अमिताभ दुफारे, जिला महामंत्री बंदीश नेम पांडे, अमीन कुरैशी, ललित प्रताप सिंह, छुरिया ब्लॉक अध्यक्ष कीरत गणवीर, राजनांदगांव ब्लॉक अध्यक्ष सूरज शर्मा, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष रोशन लाल साहू, डोंगरगढ़ ब्लॉक अध्यक्ष हीरा लाल मौर्य, डोंगरगांव ब्लॉक अध्यक्ष प्यारे लाल साहू, भीष्म तिवारी, लेखदास साहू, डालेश्वर देवांगन, सहित जिले के हजारों शिक्षक-शिक्षिकाएं शामिल हुए।

आरोग्य मंदिर आयुष सड़क चिरचारी में योगाभ्यास के साथ दी जा रही शासकीय योजनाओं की जानकारी

राजनांदगांव (दावा)। स्वस्थ जीवन शैली अभियान अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिर आयुष सड़क चिरचारी में प्रतिदिन सुबह योगाभ्यास सत्र का आयोजन किया जा रहा है।

योगाभ्यास सत्र में शामिल होने वाले नागरिकों को प्रतिदिन योगाभ्यास करने एवं खान-पान में नमक,तेल, शक्कर की मात्रा कम करने तथा स्वस्थ दिनचर्या का पालन करने की सलाह दी जा रही है। योगाभ्यास सत्र के दौरान आज एचपीवी टीकाकरण अभियान के तहत सर्वाइकल (गर्भाशय ग्रीवा) कैंसर जैसी गंभीर और जानलेवा बीमारी से बेटियों को सुरक्षित रखने के लिए एचपीवी टीकाकरण के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही 14 से 15 वर्ष तक की किशोरी बालिकाओं के अभिभावकों को अपनी बेटियों का एचपीवी टीकाकरण लगवाने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान ग्रामीणों को प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के लाभ के संबंध में जानकारी दी गई और घरों में सोलर पैनल लगवाने के लिए प्रेरित किया गया।

श्री कृष्णा पब्लिक स्कूल में धूमधाम से मना शाला प्रवेश उत्सव

राजनांदगांव (दावा)। श्री कृष्णा पब्लिक स्कूल तुलसीपुर संगम चौक में नए शिक्षा सत्र के शुभारंभ पर शाला प्रवेश उत्सव उत्साह, उल्लास और गरिमामय माहौल में मनाया गया। कार्यक्रम में नगर निगम महापौर मधुसूदन यादव एवं सभापति पारस वर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रही। अतिथियों ने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला।

श्री कृष्णा पब्लिक स्कूल, तुलसीपुर संगम चौक में आयोजित शाला प्रवेश उत्सव हर्षोल्लास और प्रेरणादायी वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर निगम राजनांदगांव के महापौर मधुसूदन यादव तथा विशिष्ट अतिथि नगर निगम सभापति पारस वर्मा रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इसके बाद विद्यालय के विद्यार्थियों ने आकर्षक सांस्कृतिक एवं रंगारंग प्रस्तुतियां देकर उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। नन्हे बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों पर अभिभावकों और अतिथियों ने जमकर तालियां बजाकर उनका उत्साहवर्धन किया। अतिथियों का विद्यालय परिवार की ओर से पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर आत्मीय स्वागत किया गया। अपने उद्बोधन में महापौर मधुसूदन यादव ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास में विद्यालय और अभिभावकों की संयुक्त भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने विद्यार्थियों को मन लगाकर पढ़ाई करने तथा जीवन में अनुशासन और संस्कार अपनाने की प्रेरणा दी। विशिष्ट अतिथि पारस वर्मा ने भी विद्यार्थियों को नए शिक्षा सत्र की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षा ही उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव है। उन्होंने विद्यालय द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं संस्कार देने के प्रयासों की सराहना की।

महापौर मधुसूदन यादव व सभापति पारस वर्मा ने किया शुभारंभ, विद्यार्थियों की रंगारंग प्रस्तुतियों ने बांधा समां

कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत अतिथियों द्वारा पौधारोपण भी किया गया। इस अवसर पर सभी से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का संकल्प लेने की अपील की गई।

विद्यालय के संस्था प्रमुख ने कार्यक्रम में शामिल होने वाले मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, अभिभावकों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के सहयोग और विश्वास से ही विद्यालय निरंतर शिक्षा और संस्कार के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि विद्यालय परिवार भविष्य में भी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए ऐसे प्रेरणादायी कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा। शाला प्रवेश उत्सव के दौरान विद्यालय परिसर में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। बड़ी संख्या में उपस्थित अभिभावकों ने बच्चों का उत्साह बढ़ाया और नए शिक्षा सत्र का गर्मजोशी से स्वागत किया।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को लेकर निगम आयुक्त ने ली महत्वपूर्ण बैठक

राजनांदगांव (दावा)। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के संबंध में निगम आयुक्त जी.आर. मरकाम ने आज अपने कक्ष में विद्युत, निगम एवं बैंक के अधिकारियो एवं वेंडर्स की बैठक ली। बैठक में निकाय क्षेत्र में योजना का लाभ देने अधिक से अधिक सोलर पैनल लगाने के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई।

निकाय क्षेत्र के 10 हजार घरों में सोलर पैनल लगाने का लक्ष्य, विद्युत मंडल, बैंक अधिकारियों और वेंडर्स के साथ रणनीति पर हुई चर्चा

बैठक मे आयुक्त ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना शासन की महत्वकाक्षी योजना है। योजना का प्रमुख उद्देश्य अपने घर मे ही उर्जा उत्पादन कर बिजली बिल से मुक्ति पाना एवं उर्जा संरक्षण करना है। उन्होंने कहा कि योजना का शहर सीमा में नागरिको को अधिक से अधिक लाभ देने प्रचार प्रसार करना है। कलेक्टर महोदय का निर्देश है कि कम से कम 10 हजार शहरी घर में सोलर पैनल लगे। इसके लिये प्रमुखता से कार्य करना है। घर में बिजली खपत के अनुसार पैनल लगाना है। इस हेतु बैक ऋण की भी सुविधा है, इस संबंध मे जानकारी देना है। उन्होंने कहा कि महापौर महोदय ने भी आगामी दिनो में शहर में प्रचार प्रसार के लिए पार्षदो की कार्यशाला आयोजित करने कहा है। इस संबंध में भी रूप रेखा तैयार करने चर्चा की गयी।

विद्युत मण्डल के सहायक अभियंता रोहित मण्डावी ने बिजली खपत के आधार पर 1, 2 व 3 किलो वाट के सोलर पैनल लगाने की प्रक्रिया की जानकारी देने के साथ साथ केन्द्र एंव राज्य सरकार द्वारा दी जाने वाली अनुदान तथा सोलर पैनल के लाभ के बारे में जानकारी दी। इसी प्रकार लीड बैंक मेनेजर श्री मनीष शर्मा ने भी योजनांतर्गत सोलर पैनल लगाने ऋण के संबंध में विस्तार से बताया।

आयुक्त ने कहा कि निगम के सभी तकनीकि अधिकारियों, राजस्व प्रभारियो से अपने अपने वार्ड में सोलर पैनल लगाने वार्डवासियो को प्रेरित करने कहा गया है। उसके लाभ के बारे में जानकारी देनी है। उन्होंने कहा कि अभी तक निगम सीमाक्षेत्र में 13 सौ लोगो ने इसका लाभ लिया है, 700 लगाने प्रक्रियाधीन है। जिसमें वृद्धि करनी है। उन्होने कहा कि निगम कार्यालय, निगम के भवनो, एसएलआरएम सेन्टरो में सौलर पैनल लगाने प्रक्रिया की जानी है। इसी परिप्रेक्ष्य में नगर निगम का सबसे महत्वपूर्ण विभाग मोहारा फिल्टर प्लांट में 20-20 किलो वॉट का सोलर पैनल लगाया जाना है। उन्होंने अधिकारियो से कहा कि इन स्थानो पर सोलर पैनल लगाने विभागीय प्रक्रिया जल्द पूर्ण की जावे। बैठक में नगर निगम के कार्यपालन अभियंता दीपक खाण्डे, कार्यपालन अभियंता (संविदा) यू.के. रामटेके, प्र.कार्यपालन अभियंता प्रणय मेश्राम, सहायक अभियंता श्रीमती ज्योति साहू, विद्यतउप अभियंता सहित बैंकर्स एवं वेंडर्स उपस्थित थे।

नीरज विद्या मंदिर में छात्राओं को दी गई एच.पी.व्ही. टीकाकरण की जानकारी

सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग ने लगाई कार्यशाला, बालिकाओं का हुआ टीकाकरण, बांटे गए प्रमाण पत्र

डोंगरगांव (दावा ब्यूरो)। नगर की प्रतिष्ठित शिक्षण संस्था नीरज विद्या मंदिर मोहड़ में भारत सरकार स्वास्थ्य मंत्रालय के निर्देशानुसार 9 वर्ष से 14 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं के लिए एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में डोंगरगांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधिकारियों ने किशोरी बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाव हेतु एच.पी.व्ही. टीकाकरण की विस्तृत जानकारी दी। इस महत्वपूर्ण कार्यशाला में संस्था की किशोरी बालिकाओं की शत-प्रतिशत भागीदारी रही।

पौधा भेंटकर किया स्वास्थ्य टीम का स्वागत

कार्यशाला के शुभारंभ से पूर्व संस्था के प्राचार्य जिवेश द्विवेदी ने स्वास्थ्य विभाग से आए अधिकारियों एवं कर्मचारियों का पुष्पगुच्छ तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए जीवित पौधा भेंट कर आत्मीय स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने उपस्थित छात्राओं को इस कार्यशाला के महत्व और इसके उद्देश्यों के बारे में विस्तार से बताया।

टीकाकरण सर्वाइकल कैंसर से बचाव का प्रभावी उपाय : डॉ. भूमिका

आयुष मेडिकल ऑफिसर डॉ. भूमिका तिवारी ने लक्षित आयु समूह की बालिकाओं को संबोधित करते हुए कहा कि सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एच.पी.व्ही. का टीका बेहद सुरक्षित और आवश्यक है। उन्होंने बेहद प्रभावी ढंग से छात्राओं को स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारियां दीं और इसे स्वस्थ जीवन की ओर एक महत्वपूर्ण कदम बताया। इस दौरान योग्य बालिकाओं का टीकाकरण भी किया गया। जिन्हें स्वास्थ्य विभाग की ओर से प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। स्वास्थ्य विभाग की ओर से आयुष मेडिकल ऑफिसर डॉ. भूमिका तिवारी, डॉ. आशीष राव, आसरा पर्यवेक्षक अनिल कुमार बोरकर, सीएचओ कुमारी प्रज्ञा ठाकुर और आर.एच.ओ. श्रीमती सीमा वर्मा मुख्य रूप से उपस्थित थी। वहीं इस गरिमामयी आयोजन को सफल बनाने में नीरज विद्या मंदिर के प्रशासक जी. राम सिन्हा, शिक्षिका श्रीमती सुरभि लॉरेंस एवं व्याख्याता चेतन पटेल का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी संस्था के व्याख्याता डॉ. लोकेश शर्मा ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी।

अर्थियन-पर्यावरण मित्र कार्यक्रम शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला सम्पन्न

राजनांदगांव(दावा)। अर्थियन-पर्यावरण मित्र कार्यक्रम, पर्यावरण शिक्षण केंद्र (सीईई) और विप्रो फाउन्डेशन का एक सस्टेनेबिलिटी शिक्षा पर आधारित साझा कार्यक्रम है जिसे विप्रो फाउन्डेशन के सहयोग से राष्ट्रीय स्तर पर सीईई द्वारा संचालित किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में अर्थियन कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन के लिए शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन पर्यावरण शिक्षण केंद्र सीईई द्वारा 11 जुलाई को डॉ. बल्देव प्रसाद मिश्र शासकीय उच्च. मा. विद्यालय राजनांदगांव के सभागार कक्ष में किया गया।

कार्यशाला में राजनांदगांव जिले के 155 विद्यालयों से एक-एक शिक्षक ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जल एवं सस्टेनेबिलिटी विषय पर सीईई के प्रतिनिधियों नीरज पाल एवं जितेन्द्र पटेल तथा दुर्ग जिले से मास्टर ट्रेनर राजेंद्र कुमार मौर्य ने गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु शिक्षकों का मार्गदर्शन किया। नीरज पाल ने बताया कि वर्तमान समय में हमारे उपयोग हेतु जल की मात्रा और उसकी गुणवत्ता लगातार प्रभावित होती जा रही है। देश के कुछ क्षेत्रों में पेयजल की उपलब्धता गंभीर संकट बनती जा रही है। उन्होंने बताया कि विश्व में उपयोग हेतु जल के गंभीर संकट से जूझ रहे 17 देशों में भारत का स्थान 13 वां है। इन गंभीर परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए हमें अपनी आगे आने वाली पीढ़ी को जागरूक और सशक्त बनाने की आवश्यकता है और उनमे ऐसे कौशल विकसित करने की आवश्यकता है ताकि वे आगे आने वाली इन पर्यावरणीय समस्याओं से निपट सकें और साथ ही अपने आस-पास के पर्यावरण को संरक्षित करने हेतु व्यक्तिगत और सामाजिक स्तर पर कार्यवाही कर सकें। उन्होंने कहा कि हमारी नई शिक्षा नीति में प्रमुखता से पर्यावरण से जुड़े हुए विभिन्न पहलुओं को कार्यवाही के माध्यम से बच्चों को जागरूक करना और उनमे कौशल विकसित करना शामिल है। यह कार्यक्रम विद्यालयों में बच्चों को प्रभावी रूप से जागरूक करते हुए उनमे ऐसे कौशल विकसित करने पर आधारित है जिनसे वे अपने परिवेश और सामाजिक स्तर पर जल संसाधनों के संरक्षण, कचरे के उचित निस्तारण के साथ-साथ पर्यावरण के संरक्षण में अपना योगदान दे सके।

जय जय जगन्नाथ के नारों से गुंजायमान हुई संस्कारधानी, दो स्थानों से निकली भव्य रथयात्रा

भक्तों का उमड़ा सैलाब, महाप्रभु का रथ खींचने लगी रही कतार, भजन-कीर्तन से माहौल हुआ धर्ममय, जगह-जगह हुआ स्वागत

महापौर मधुसूदन व अभिषेक सिंह ने खींचा भगवान जगन्नाथ का रथ, भक्तों को बांटी प्रसादी

राजनांदगांव (दावा)। शहर में आषाढ़ शुक्ल की द्वितीया के पावन अवसर पर महाप्रभु भगवान श्री जगन्नाथ जी की भव्य रथयात्रा पूरी आस्था, उल्लास और धूमधाम के साथ निकाली गई। इस वर्ष भी संस्कारधानी नगरी में दो अलग-अलग स्थानों से रथयात्रा निकाली गई, जिससे पूरा शहर जय जगन्नाथ के गगनभेदी जयकारों से गुंजायमान हो उठा। नंदीघोष रथ में विराजित भगवान जगन्नाथ, बड़े भैया बलभद्र और बहन सुभद्रा की एक झलक पाने और रथ की डोर खींचने के लिए श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ पड़ा।

प्राचीन जगन्नाथ मंदिर से दोपहर में शुरू हुई यात्रा

शहर के गांधी चौक समीप स्थित प्राचीन जगन्नाथ मंदिर से गुरुवार दोपहर करीब ढाई बजे बाजे-गाजे के साथ महाप्रभु की रथयात्रा का शुभारंभ हुआ। यात्रा प्रस्थान से पूर्व मंदिर समिति के महेश शर्मा, संतोष हूंका आदि वरिष्ठ जनों द्वारा भगवान की विधि-विधान से महाआरती, पूजा-अर्चना और वंदन किया गया। जैसे ही महाप्रभु का रथ नगर भ्रमण पर निकला, रास्ते भर शहर के गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि और आम श्रद्धालुओं का कारवां जुड़ता चला गया।

प्रमुख चौकों पर उमड़े जनप्रतिनिधि, महापौर ने मांगी सुख-समृद्धि

इसी तरह शहर के प्रथम नागरिक महापौर मधुसूदन यादव ने सदर लाइन पहुंचकर भगवान जगन्नाथ की पूजा-अर्चना की और समस्त नगरवासियों की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। रथयात्रा जैसे ही ब्राह्मणपारा पहुंची। वहां पलक-पांवड़े बिछाकर इंतजार कर रहे पर्यटन मंडल के पूर्व अध्यक्ष नीलू शर्मा ने अपने परिजनों सहित महाप्रभु की अगवानी की। उन्होंने विशेष पूजा-अर्चना कर वार्ड पार्षद मणि भास्कर गुप्ता, पुष्पेंद्र साहू व अन्य साथियों के साथ रथयात्रा में हिस्सा लिया।

उड़ीसा की तर्ज पर 87 वर्षों की परंपरा

उड़ीसा के पुरी में सैकड़ों वर्षों से रथयात्रा की महान परंपरा है। जहां साहू समाज की अधिष्ठात्री देवी माता कर्मा अपने आराध्य के दर्शन करने गई थीं। राजनांदगांव के दानवीर बैरागी राजाओं की पुरानी रियासती जगह पांडादाह में 300 साल पहले से यह पर्व मनाया जा रहा है। इसी तर्ज पर संस्कारधानी नगरी में पिछले 87 वर्षों से यह गौरवशाली परंपरा अनवरत निभाई जा रही है। आज भक्तों ने महाप्रभु के चस्का नयन रूप के दर्शन किए और गजामूंग का महाप्रसाद पाकर खुद को धन्य महसूस किया।

इस्कॉन की नृत्य नाटिका और भव्य स्वागत

सदर लाइन में श्रद्धालुओं द्वारा शीतल व मीठे पेय का वितरण किया गया। तिरंगा चौक में सनातन महासभा की श्रीमती शारदा तिवारी, आशा गुप्ता, साधना तिवारी, मौसमी शर्मा, अंजनी कोशा आदि महिलाओं द्वारा मिष्ठान वितरण किया। मानव मंदिर चौक में दाऊ सुरेंद्र वैष्णव के नेतृत्व में वैष्णव महासभा द्वारा शरबत वितरण कर आत्मीय स्वागत। कामठी लाइन में इस्कॉन टीम रायपुर द्वारा महाप्रभु का विशेष पूजन-अर्चन कर आकर्षक एवं भक्तिमय नृत्य नाटिका की प्रस्तुति दी गई।

धार्मिक भजनों की स्वर लहरियों से बंधा रहा समां

पिछले कुछ वर्षों की तरह इस बार भी प्रभात नगर उड़िया मोहल्ले से भी भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा निकाली गई। दोनों ही यात्राओं में भक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला। यात्रा के दौरान प्रसिद्ध भजन गायक भावेश बैद और उनके साथियों की स्वर लहरियां पूरे मार्ग में गूंजती रहीं। वहीं बैंड-बाजे वालों की आकर्षक धार्मिक धुनों पर श्रद्धालु थिरकते नजर आए और पूरा माहौल भक्ति के रंग में सराबोर रहा।

जूनी हटरी स्थित श्रीराम जानकी मंदिर में विश्राम, 9 दिनों तक मेला

नगर भ्रमण के बाद भगवान जगन्नाथ की यह ऐतिहासिक रथयात्रा जूनी हटरी स्थित श्रीराम जानकी मंदिर पहुंची। जहां इसका विधि-विधान से समापन हुआ। महाप्रभु जगन्नाथ अपने भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ यहां आषाढ़ शुक्ल एकादशी तक (नौ दिनों तक) विराजित रहेंगे। इस दौरान भगवान का पवित्र रथ मंदिर के मुख्य द्वार पर श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खड़ा रहेगा। इस भव्य धार्मिक महोत्सव में पूर्व महापौर नरेश डाकलिया, अजीत जैन, शहर कांग्रेस अध्यक्ष जितेन्द्र मुदलियार, पूर्व पर्यटन मंडल सदस्य निखिल द्विवेदी, दिनेश शर्मा, अशोक पाण्डे, सूर्यकांत जैन, सांसद प्रतिनिधि देवशरण सेन, दशरथ शर्मा, हिंदू संगठन के ओम बाबा, नंदू साहू, अनूप श्रीवास, राधेश्याम गुप्ता, सनातन धर्म सभा के संतोष पटाक, महाकाल सेना के राजेश डागा, अमित खंडेलवाल सहित हजारों की संख्या में जगन्नाथ भक्त उपस्थित थे।

बोरतलाव मौत में फूटा आक्रोश : रेलवे ठेकेदार व माइनिंग विभाग के खिलाफ एफआईआर दर्ज

जिपं सदस्य प्रशांत कोड़ापे की मौजूदगी में परिजनों ने दर्ज कराई रिपोर्ट, रेलवे ने पल्ला झाड़ा, ग्रामीण बोले- अधिकारियों का संरक्षण

डोंगरगढ़ (दावा)। बोरतलाव क्षेत्र में मुरूम के गहरे गड्ढे (डबरी) में भरे पानी में डूबने से तीन मासूम बच्चों की दर्दनाक मौत के मामले ने अब बड़ा प्रशासनिक और राजनीतिक रूप ले लिया है। इस हृदय विदारक घटना के बाद क्षेत्र के आदिवासियों और ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा है। जिला पंचायत सदस्य प्रशांत कोड़ापे की अगुवाई में पीड़ित परिजनों और ग्रामीणों ने बोरतलाव थाने पहुंचकर अवैध उत्खनन करने वाले रेलवे ठेकेदार, उन्हें मूक संरक्षण देने वाले माइनिंग विभाग के उच्च अधिकारियों सहित अन्य जिम्मेदारों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई है। जिले के वरिष्ठ अधिकारियों के सख्त निर्देश पर थाना प्रभारी ने तत्काल प्रभाव से भादंवि की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज कर मामले को विस्तृत विवेचना में ले लिया है। इसके पूर्व घटनास्थल पर पहुंचे प्रशासनिक अधिकारियों को परिजनों और जनप्रतिनिधियों के भारी विरोध का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों ने एक सुर में आरोप लगाया कि माइनिंग विभाग की मिलीभगत से रेलवे ठेकेदार ने नियमों को ताक पर रखकर यहां मौत का कुआं खोद डाला था। जो मासूमों की मौत का कारण बना।

रेलवे ने झाड़ा पल्ला : कहा- घटना से हमारा कोई लेना-देना नहीं

एक तरफ जहां पुलिस ने ठेकेदार के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। वहीं दूसरी ओर रेलवे के उच्च अधिकारियों ने अपने ठेकेदार को बचाने के लिए मोर्चा संभाल लिया है। दैनिक समाचार पत्र प्रिंट मीडिया को जारी एक आधिकारिक स्पष्टीकरण पत्र में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के मंडल वाणिज्य प्रबंधक एवं पीआरओ दिलीप सिंह ने इस हृदयविदारक घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि सोशल मीडिया और समाचार माध्यमों में चल रही खबरें भ्रामक हैं। रेलवे प्रशासन के मुताबिक जिस स्थल पर यह दुखद हादसा हुआ है। वह रेलवे की भूमि या परिक्षेत्र का हिस्सा नहीं है, बल्कि एक निजी भूमि है। जो रेलवे ट्रैक से लगभग 1.5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। अतः इस घटना का भारतीय रेलवे के किसी निर्माण कार्य या रेलवे ठेकेदार से कोई संबंध नहीं है। रेलवे ने छवि धूमिल होने की बात कहते हुए मीडिया से अधिकृत तथ्यों पर ही समाचार प्रकाशित करने का अनुरोध किया है।

परिजनों का आरोप- यह खुली हत्या है

बोरतलाव थाने में दर्ज कराई गई लिखित शिकायत के अनुसार, ग्राम बोरतलाव निवासी राजू मंडावी (59) ने बताया कि उनके पोते दानिश मंडावी (7 वर्ष) और कृष मंडावी (8 वर्ष) अपने पड़ोसी हितेश कोकाटे (5 वर्ष) के साथ 15 जुलाई को घर से निकले थे। शाम को राजू कोडबती के खेत के पास स्थित मुरूम के गहरे गड्ढे के किनारे बच्चों के कपड़े मिले। जिसके बाद पानी से तीनों के शव बरामद हुए। शिकायत में स्पष्ट कहा गया है कि रेलवे की तीसरी लाईन के निर्माण के दौरान ठेकेदार ने यहां से भारी मात्रा में मुरूम निकाली और बिना समतलीकरण व सुरक्षा घेरे के इसे लावारिस छोड़ दिया। जिससे यह खतरनाक जलाशय बन गया।

विरोध करने वाले पंच-सरपंचों पर ही करा दी थी एफआईआर

ग्रामीणों ने प्रशासन के समक्ष रेलवे के पेटी ठेकेदारों के काले कारनामों को उजागर करते हुए बताया कि इस अवैध उत्खनन के खिलाफ पहले भी शिकायतें की गई थीं। जब प्रशासन ने सुध नहीं ली, तो समाचार पत्रों में खबरें प्रकाशित हुईं। इससे बौखलाए दबंग ठेकेदारों ने जांच प्रभावित करने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत के उपसरपंच व पंचों के खिलाफ 2 लाख रुपये की झूठी उगाही का आरोप मढ़कर पुलिस के सहयोग से फर्जी एफआईआर दर्ज करा दी थी और जेल भेजने की धमकियां दी थी।

समतलीकरण के नाम पर 50 से अधिक किसानों की जमीन पर डाका

ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार रेलवे की तीसरी लाइन निर्माण कार्य में लगे पेटी ठेकेदारों ने बोरतलाव क्षेत्र में बिना ग्राम पंचायत की अनुमति के किसानों की जमीन को समतल करने का झांसा देकर 50 से अधिक गरीब किसानों की भूमि से धड़ल्ले से अवैध उत्खनन किया है। क्षेत्र में जगह-जगह खोदे गए ये गहरे गड्ढे अब इंसान और मवेशियों दोनों के लिए काल बन चुके हैं।

मुआवजा और सजा मिलने तक जारी रहेगी लड़ाई

सभापति व सदस्य, जिला पंचायत प्रशांत कोड़ापे ने कहा कि तीन मासूम आदिवासी बच्चों की मौत एक प्रशासनिक और ठेकेदारी तंत्र की क्रूरता का नतीजा है। मैंने पीड़ितों को न्याय दिलाने का संकल्प लिया है। प्रशासनिक स्तर पर चर्चा कर पीड़ित परिवारों को तत्काल प्रभाव से 5-5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता अनुदान राशि दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। जब तक दोषी रेलवे ठेकेदार, माइनिंग अफसर और भ्रष्ट तंत्र के चेहरों को सलाखों के पीछे नहीं भेजा जाता। तब तक हमारी यह लड़ाई थमेगी नहीं।

सोमनी क्षेत्र की फैक्ट्री का ताला टूटा, आटोमोबाइल शो-रुम के कैश काउंटर तोड़कर 9 हजार रुपए की चोरी

० अज्ञात चोरों ने दुकान में सेंध लगाकर चोरी को दिया अंजाम
० लखोली कुआं चौक के पास बुजुर्ग महिला से लूट की घटना के आरोपी धरे नहीं गए

राजनांदगांव (दावा)। पुलिस की लाख सतर्कता, असामाजिक तत्वों की धरपकड़ व रात्रिकालीन चौकसी के बावजूद शहर में चोरी, चाकूबाजी, अवैध शराब बिक्री की घटनाएं रुक नहीं रही है। पिछले दिनों लखोली कुआं चौक के समीप अज्ञात तत्वों द्वारा घर में सोई बुजुर्ग महिला को चाकू दिखाकर उसके कान, गले पहने सोने के गहने लूटकर चंपत हो गए। इस मामले में पुलिस का हाथ खाली है। जबकि कहा जा रहा था कि घटना को अंजाम देने वाले नजदीक के लोग हो सकते हैं, लेकिन वह नजदीक के लोग अब तक धरे नही गए।

औद्योगिक फैक्ट्री में कंप्रेसर मोटर की चोरी

सोमनी थाना क्षेत्र के ग्राम फरहद स्थित एक निजी औधोगिक संस्थान में अज्ञात चोर ने देर रात चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर फैक्ट्री के मुख्य गेट का ताला तोड़कर करीब 32 हजार रुपए कीमत के कम्प्रेसर मोटर और अन्य उपकरण चोरी कर ले गए। घटना के संबंध में सोमनी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। इस संबंध में भोथली निवासी 56 वर्षीय घनश्याम दास बघेल ने बताया कि वह फरहद स्थित उक्त निजी फैक्ट्री में कार्यालय प्रभारी के रूप में काम करता है। 14 जुलाई की रात करीब 1 से सुबह 4 बजे के बीच अज्ञात चोरों ने कंपनु के गेट का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और पांच हार्स पावर का एक कंप्रेसर मोटर व तीन हार्स पावर का एक गियर बाक्स मोटर तथा एक हार्स पावर के दो वाइब्रेटर मोटर चोरी कर ले गए। चोरी गए सामान की कुल अनुमानित कीमत 32 हजार रुपए बताई जाती है। कार्यालय प्रभारी की रिपोर्ट पर सोमनी पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में ले लिया है।

आटोमोबाइल शोरूम में चोरी

नेशनल हाईवे में ग्राम बनभेड़ी के पास एक निजी आटोमोबाइल शोरूम में अज्ञात चोरों ने देर रात सेंध मारकर 9 हजार रुपए की चोरी कर ली। घटना के संबंध में शिवनाथ आटोमोबाइल प्रा.लि. शो रूम के प्रशासनिक विभाग में कार्यरत कर्मचारी ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। बताया जाता है कि 13 जुलाई की शाम करीब साढ़े 7 बजे रोजाना की तरह शो रूम बंदकर वह घर चले गए थे। उस समय दो सुरक्षा गार्ड महेंद्र टंडन व दुर्गेश नेताम ड्यूटी पर तैनात थे। अगले दिन 14 जुलाई की सुबह करीब साढ़े 8 बजे सफाई कर्मचारी कंचन वैष्णव ने फोन कर बताया कि कैश काउंटर का ताला टूटा हुआ है। सूचना मिलने पर शो रुम पहुंचकर देखा गया तो पाया कि कैश काउंटर का ताला टूटा हुआ है। कैशियर निखिल वानखेड़े से जानकारी लेने पर पता चला कि काउंटर में 9 हजार रुपए नगद रखे हुए थे। जो वहां नहीं है। प्रारंभिक जांच में आशंका है कि 13 जुलाई की रात 11 बजे से 14 जुलाई की सुबह 4 बजे के बीच अज्ञात चोर पीछे की दीवार फांदकर और उस ओर के दरवाजे से शो रूम में घुसा और कैश काउंटर का ताला तोड़कर नगद राशि लेकर फरार हो गया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उपरोक्त दोनों घटनाओं में कुछ समानताएं नजर आती है। शायद चोरी करने वाले वहीं हो। बहरहाल पुलिस ने दोनों मामलों में अपराध कायम कर जांच शुरू कर दी है।

हरियाली का संकल्प : वीरांगना संगठन ने लगाए छायादार और फलदार पौधे

महापौर समेत जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में हुआ वृक्षारोपण, पौधों की देखभाल का भी लिया संकल्प

राजनांदगांव (दावा)। पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा वीरांगना द्वारा बुधवार को वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। कार्यक्रम में शहर के जनप्रतिनिधियों और संगठन की पदाधिकारियों ने मिलकर विभिन्न प्रजातियों के छायादार एवं फलदार पौधे रोपे तथा उनके संरक्षण का संकल्प लिया। अभियान में महापौर मधुसूदन यादव, पार्षद प्रकाश झंझाडे और समाजसेवी राजा मखीजा विशेष रूप से शामिल हुए। संगठन की प्रदेशाध्यक्ष सुषमा सिंह के नेतृत्व में उपाध्यक्ष कनकलता सिंह, जिला अध्यक्ष अनामिका सिंह, महासचिव सुधा पवार, जिला उपाध्यक्ष अंजू सिंह सहित रश्मि भारद्वाज, रेणु सिंह, निशा सेंगर, स्वाती चौहान और डिंपल भदौरिया ने पौधारोपण में सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम के दौरान नीम, पीपल, अमरूद, जामुन, नीलगिरि और बेल जैसे पर्यावरण एवं जनस्वास्थ्य के लिए उपयोगी पौधे लगाए गए। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने केवल पौधे लगाने तक सीमित न रहकर उनकी नियमित देखभाल करने और अधिक से अधिक लोगों को वृक्षारोपण के लिए प्रेरित करने का संकल्प भी लिया। संगठन की पदाधिकारियों ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए ऐसे अभियान आगे भी लगातार चलाए जाएंगे, ताकि शहर में हरियाली बढ़े और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण मिल सके।

सफलता : गुजराती स्कूल की गरिमा का संभाग स्तरीय कुराश टीम में चयन

राजनांदगांव (दावा)। जिला शिक्षा अधिकारी राजनांदगांव के मार्गदर्शन में गायत्री विद्यापीठ स्कूल में जिला स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2026-27 के अंतर्गत कुराश खेल का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में गुजराती राष्ट्रीय उच्चतर माध्यमिक शाला (अंग्रेजी माध्यम) की कक्षा आठवीं की छात्रा गरिमा साहू ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। गरिमा का चयन बालिका वर्ग (अंडर-17 आयु वर्ग) में आगामी संभाग स्तरीय कुराश प्रतियोगिता के लिए हुआ है। उनकी इस उपलब्धि पर संस्था की प्राचार्या श्रीमती सुषमा शुक्ला, उपप्राचार्या श्रीमती अर्पणा श्रीवास्तव, स्पोर्ट्स टीचर अनुसुईया साहू व सुधा साहू सहित संस्था के अध्यक्ष विनय पटेल, उपाध्यक्ष पवन पटेल, सचिव सीए रूपम सोनछात्रा, कोषाध्यक्ष हिमांशु पटेल, कार्यकारिणी सदस्य सूरज बुद्धदेव एवं पीयूष पटेल ने हर्ष व्यक्त करते हुए उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

विभागीय लापरवाही और ठेकेदारों की अनदेखी का नतीजा : विद्युत पोल गिरा, कार क्षतिग्रस्त, नपा कर्मी गंभीर घायल

डोंगरगांव (दावा)। विभागीय लापरवाही और ठेकेदारों के काम की अनदेखी का नतीजा मुहल्लेवासियों की जान पर बन आई। जिसमें नगर के सदर लाईन में एक बिजली का पुराना लोहे का खंबा एक कार पर गिर गया। जिससे कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। वहीं नगर पंचायत का एक विद्युत कर्मचारी सीढ़ी से गिरकर बुरी तरह घायल हो गया है। जिसे स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में प्राथमिक उपचार पश्चात राजनांदगांव रिफर किया गया है। घटना 16 जुलाई गुरूवार की है। जब नगर के व्यस्त मार्ग पर हुए इस खतरनाक हादसे से पूरा मुहल्ला सहम गया है। सुबह करीब 11 बजे नगर पंचायत का कर्मचारी हौसला प्रसाद तिवारी बिजली खंबे पर स्ट्रीट लाईट सुधार के लिए चढ़ा था। इसी दौरान इसी खंबे से लगा हुआ अनुपयोगी खंबा अचानक वहीं रखे एक कार क्रमांक सीजी 08 एजे 0558 पर गिर पड़ा। अचानक हुए इस हादसे के चलते बिजली खंबे में सुधार कार्य कर रहे नगर पंचायत का कर्मचारी भी अपना नियंत्रण खो दिया और सीढ़ी से गिर पड़ा। इस दुर्घटना में हौसला प्रसाद तिवारी को कमर, पैर और हाथ में गंभीर चोट आई है। वहीं लोहे का खंबा गिरने से कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुआ है।

घटना की जानकारी मिलने के बाद विद्युत विभाग डोंगरगांव के जेई श्रीकांत सिंग मौके पर पहुंचे और घटना स्थल पर पहुंची नगर पालिका अध्यक्ष अंजू त्रिपाठी को पूरी जानकारी दी। यह पुराना लोहे का खंबा नीचे से पूरी तरह से जर्जर हो चुका था, किन्तु जैसे तैसे खड़ा हुआ था। नगर पंचायत कर्मचारी के नये खंबे में चढ़ने से हुई हलचल की वजह से यह खंबा गिरा है। वहीं श्रीमती त्रिपाठी ने अधिकारियों को नगर में लगे सभी जर्जर खंबों को हटाने के लिए कहा है, ताकि किसी के जानमाल की हानि न हो। उन्होंने बताया कि उनका एक जिम्मेदार कर्मचारी इस घटना में बुरी तरह घायल हुआ है और उसका इलाज करवाया जा रहा है।

कार मालिक खान ड्रेसेस के संचालक नईम खान एवं रईस खान ने बताया कि वे पारिवारिक कार्य से शहर से बाहर जाने की तैयारी में थे। अच्छा यह हुआ कि घटना के समय कार में कोई बैठा नहीं था। वहीं घटना स्थल के समीप ही मुहल्लेवासी नल से पानी भरते हैं। घटना के समय यहां कोई भी नहीं था। अन्यथा यह लोहे का खंबा जानलेवा साबित होता। विद्युत विभाग द्वारा मेंटेनेंस के नाम पर आये दिन बिजली बंद किया जाता है, किन्तु इस तरह के छोटे-छोटे कार्यों को छोड़ दिया जाता है और यहीं आमजनों और राहगीरों के लिए जानलेवा सबित हो रहा है। सदर लाईन में कुछ वर्ष पहले नये पोल लगाए गए थे और उसमें लाईन शिफ्ट किया गया था, किन्तु पुराने अनुपयोगी पोल को विभाग द्वारा हटाया ही नहीं गया और आज यह हादसा सामने आया है। मुहल्ले में और भी अनेक इस तरह के पोल हैं, जो कभी भी गिर सकते हैं। जिसे तुरंत हटाया जाना चाहिए तथा विद्युत विभाग को मेरे नुकसान की भरपायी करनी चाहिए।

इस विषय में विभाग के ईई बीरबल उइके ने बिजली का खंबा गिरने के इस गंभीर विषय को मुहल्लेवासियों की उदासीनता और लापरवाही बताया है। उनका कहना है कि जब यह खंबा जर्जर हालत में था तो मुहल्लेवासी इसकी जानकारी विद्युत विभाग तक क्यों नहीं पहुंचायी? मुआवजे के प्रावधान के विषय में जानकारी लेने पर उन्होंने बताया कि यह जांच का विषय है कि खड़ा पोल अपने आप कैसे गिरा? मेरी जानकारी में निकाय का कर्मचारी पोल पर चढ़ा था। जिसकी वजह से खंबा गिरा है।

आयुक्त ने यातायात प्रभारी, निगम व यातायात अमला के साथ गुड़ाखू लाईन में किया पैदल भ्रमण

दुकान के बाहर सामान रखकर व्यवसाय न करने व्यवसायियों से की अपील

राजनांदगांव (दावा)। बाजार क्षेत्र में यातायात का दबाव कम करने तथा सुगम आवागमन के लिए आज निगम आयुक्त जी.आर. मरकाम ने यातायात प्रभारी नवरतन कश्यप, प्र.कार्यपालन अभियंता प्रणय मेश्राम एवं निगम व यातायात की टीम के साथ शहर के प्रमुख मार्ग गुडाखू लाईन में पैदल भ्रमण कर दुकानों के सामने अतिक्रमण न करने एवं समान दुकान के अंदर रखकर व्यवसाय करने की अपील की।

उल्लेखनीय है कि शहर के व्यस्तम मार्गों सिनेमा लाईन, हलवाई लाईन, सदर लाईन, गुडाखू लाईन, कामठी लाईन, रामाधीन मार्ग, जूनी हटरी, फल मार्केट सहित अन्य मार्गों के दुकानदारों द्वारा समान बाहर रखकर एवं समान बाहर लटकाकर व्यवसाय किया जाता है। जिससे यातायात बाधित होती है एवं आवगमन में असुविधा होती है। जिसे ध्यान में रखकर आयुक्त श्री मरकाम ने आज यातायात प्रभारी तथा निगम व यातायात की टीम के साथ गुड़ाखू लाईन में भ्रमण कर समान दुकान के अंदर रखने समझाईस दिये।

आयुक्त ने कहा कि शहर के व्यस्तम मार्गो के दुकानदारों द्वारा अपनी दुकान की सीमा के बाहर प्लेटफार्म तथा सडक पर सामान रखकर व्यवसाय किया जाता है तथा कपडा व अन्य सामान बाहर लटकाया जाता है। जिससे पार्किंग में असुविधा होने के साथ-साथ यातायात बाधित होती है और दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। इसके अलावा दुकान में भी खरीददार पार्किंग के अभाव एवं खड़े होने की जगह नहीं होने पर उक्त दुकान में खरीददारी करने नहीं जाते। जिससे दुकानदारों को भी नुकसान होता है। इन्ही बातो को आज व्यपारियों को उनके दुकान में जाकर समझाईस दी गई कि वे समान दुकान के अंदर रखे तथा रोड में बने सफेद पट्टी के अंदर पार्किंग करे। उन्होंने दुर्घटना रोकने एवं शहर को व्यवस्थित करने में सहयोग करने व्यापारियों से अपील की है।

बेचना है
ग्राम गठुला में बजरंग चौक के समीप एच पी गैस के पास खैरागढ़ रोड से लगा हुआ 8 डिसमील खेत-जमीन बेचना है।
संपर्क-श्री हरिराम साहू पूर्व सरपंच ग्राम-गठुला (मूंगोड़ी सेन्टर)
मो.- 7828363719

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक व मुद्रक दीपक भाई बुद्धदेव द्वारा स्वस्तिक ऑफसेट एण्ड स्क्रीन प्रिंटर्स, बल्देव बाग रोड, राजनांदगांव से मुद्रित कर प्रकाशित। सम्पादक दीपक भाई बुद्धदेव।
* समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार। * किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र राजनांदगांव रहेगा। फोन नं. - 07744-406631, e-mail : dainikdawa_rjn@yahoo.com